RNI No : MPHIN/2022/82783
कुल पृष्ठ : 52, मूल्य : 50 रुपए
वर्ष 02, अंक 07 मासिक पत्रिका
जुलाई 2023

हमारा देश हमारा अभिमान

हर-हर महादेव

अयोध्या में जन्मभूमि पर बन रहा भव्य मंदिर

राममंदिर के साथ ही राष्ट्रमंदिर भी होगा..

हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका के बरिष्ठ संरक्षक डॉक्टर श्रीमन नारायण मिश्रा जी एवं संपादक मनोज चतुर्वेदी से ग्वालियर उच्च न्यायलय के वरिष्ठ एडवोकेट दीपेन्द्र पांडे जी ने की मुलाकात और पत्रिका में नए दायित्व मिलने के लिए किया वरिष्ठ संरक्षक महोदय का धन्यवाद दिया।

हमारा देश हमारा अभिमान

जुलाई 2023

वरिष्ठ संरक्षक मंडल

- अनन्त श्री विभूषित श्रीमद जगदुरु श्री राम स्वरूपचार्य जी महाराज कामदगिरि पीठाधीश्वर चित्रकूट धाम
- श्री महामंडलेश्वर रामप्रिय दास
- श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर अनिरुद वन जी, श्री धूमेस्वर धाम
- श्री डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
- डॉ. श्रीमती शालिनी कौशिक
- श्री नागेंद्रनाथ सुरेंद्र नाथ चौबे

संरक्षक मंडल

- श्री लोकेश चतुर्वेदी
- श्री डॉ. दिनेश उपाध्याय
- श्री अरविंद जैन
- श्री प्रदीप कुमार शर्मा
- श्री शिवदयाल धाकड़
- श्री अरुण कांत शर्मा
- श्री महेश पुरोहित
- श्री विनोद भारद्वाज, अधिवक्ता ग्वालियर हाईकोर्ट,
- श्री मनोज भारद्वाज
- श्री अनिल जैन
- श्री निर्मल वासवानी
- श्री विद्याभूषण शर्मा
- श्रीमती अर्चना बाजपेयी
- एडवोकेट श्रीमती रिचा पांडेय (सुप्रीम कोर्ट)
- श्री के.एल.दलवानी
- श्री राकेश कुमार सगर
- श्री जयराज कुबेर
- श्री अभिनव पल्लव
- श्री बृजेश श्रीवास्तव
- श्री दीपक कुमार शुक्ला
- श्रीमति निवेदिता गुप्ता
- श्री विनोद कुमार बांगडे
- श्री विनायक शर्मा
- कमांडों कमल किशोर (पूर्व सांसद)

संपादक : मनोज चतुर्वेदी

पंकज दीक्षित
प्रमुख परामर्शदाता

कानूनी सलाहकार
- एडवोकेट अनिल शुक्ला शासकीय अधिवक्ता, ग्वालियर हाईकोर्ट
- एडवोकेट एस.के. पाठक, ग्वालियर
- दीपेंद्र कुमार पाण्डेय, एडवोकेट, उच्च न्यायालय

विशेष संवाददाता
- रवि परिहार • रविकांत शर्मा

ब्यूरो : अविनाश (उज्जैन संभाग)

छिंदवाड़ा ब्यूरो : जितेंद्र चौरे

मुम्बई ब्यूरो (महाराष्ट्र)
सचिंदर शर्मा (फ़िल्म डायरेक्टर)

सलाहकार

- डॉ श्री. सुनील शर्मा, नेत्र रोग विशेषज्ञ
- श्री डॉ. मुकेश चतुर्वेदी
- डॉ. श्री दिनेश प्रसाद (हड्डी रोग सर्जन)
- श्री अनिल दुबे • श्री विकास चतुर्वेदी
- श्री सुरेश शर्मा
- श्री नारायणदास गुप्ता
- श्री पीयूष श्रीवास्तव,
- पंडित श्री चंद्रशेखर शास्त्री
- श्री बृज मोहन आर्य
- श्री विवेक शर्मा
- श्री अशोक कुमार वर्मा
- श्री आनंद कुमार • श्रीमती रितु मुदगल
- श्री कुंज बिहारी शर्मा
- सुश्री पूजा मावई
- श्री संदीप कुमार पांडेय
- श्री मनोज सिंह • प्रदीप यादव

ब्यूरो राजस्थान
सुभाष सोरल (फ़िल्म निर्माता) कोटा

ब्रजेश जैन साक्षात्कार व्यवस्थापक और विज्ञापन संवाददाता इंदौर

संवाददाता : संदीप पाटिल, इंदौर

मार्केटिंग प्रमुख : शैलेन्द्र जैन

मार्केटिंग मैनेजर
- सुनील • हरशूल

डिजाइन : मनोज पंवार

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक मनोज कुमार चतुर्वेदी द्वारा कंचन ऑफसेट डी-1/63, सेक्टर-4, विनय नगर ग्वालियर- फोन नं. 0751-2481433, (म. प्र.) से मुद्रित एवं शिव कॉलोनी गली नं. 4 , रेलवे स्टेशन के पीछे, तहसील डबरा, जिला ग्वालियर, (मध्यप्रदेश) प्रकाशित। संपादक-मनोज कुमार चतुर्वेदी । (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र ग्वालियर रहेगा।)

विवरणिका

संपादकीय	02
शुभाशीष	03
कवर स्टोरी	04-05
देश-प्रदेश	06-07
स्मरण	07
महाराष्ट्र	08
विदेश	10
राजस्थान	11
प्रदेश	12
रिकॉर्ड	13
देश	14
प्रदेश	15
इन्दौर	18
विज्ञान	19
राजस्थान	20-21
राजस्थान	22-23
इन्दौर	24
भोपाल	25
प्रदेश	32-33
देश	38-39
धर्म	40
त्यौहार	41
स्वास्थ्य	42-43
मौसम	44
जीवनशैली	45
ग्लैमर	46-47

48
वरुण धवन और जान्हवी कपूर की खूबसूरत केमिस्ट्री

संपादकीय

बाढ़... उपजे विकट हालात के लिए आखिर कौन जिम्मेदार है?

दिल्ली में यमुना नदी के रौद्र रुप के चलते जबरदस्त बाढ़ आ गयी है, शहर की कॉलोनियों में जल भराव की गंभीर समस्या खड़ी हो गयी है। जिसके बाद से ही देश में दिल्ली की बाढ़ पर राजनेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप का बहुत ही जबरदस्त सियासी घमासान मचा हुआ है। देश की राजधानी दिल्ली में यमुना नदी के रौद्र रुप के चलते बाढ़ का आपदाकाल चल रहा है। यमुना नदी में जल ने वर्ष 1978 के रिकॉर्ड 207.49 मीटर को तोडकर 208.66 मीटर के नये रिकॉर्ड तक जलस्तर बढ़ने से देश का दिल राजधानी दिल्ली की बहुत बड़ी आबादी बाढ़ की मार को झेलने के लिए मजबूर है। आज दिल्ली की 20 फीसदी आबादी यमुना के जल के प्रकोप से किसी ना किसी रुप से त्रस्त है। दिल्ली में यमुना के आसपास के क्षेत्रों में रह रहे लोगों के सामने यमुना नदी की बाढ़ एक बड़ी चुनौती के रुप में आकर खड़ी है। दिल्ली में यमुना नदी के रौद्र रुप के चलते जबरदस्त बाढ़ आ गयी है, शहर की कॉलोनियों में जल भराव की गंभीर समस्या खड़ी हो गयी है। जिसके बाद से ही देश में दिल्ली की बाढ़ पर राजनेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप का बहुत ही जबरदस्त सियासी घमासान मचा हुआ है। दिल्ली की राजनीति में सक्रिय कोई भी राजनीतिक दल आपदा के इस अवसर पर अपनी सियासत चमकाने में पीछे नहीं रहना चाहता है। लेकिन हर वर्ष देश में कहीं ना कहीं बाढ़ की मार झेलने वाले आम आदमी के बीच देश में बाढ़ से बचाव के उचित प्रबंधन क्यों नहीं है, इस ज्वलंत मुद्दे के बारे में चर्चा हो रही है, लोग बाढ़ प्रबंधन को समय की मांग बता रहे हैं। वैसे भी देखा जाए तो संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार देश में विभिन्न प्रकार की आपदाओं के कारण औसतन वार्षिक आर्थिक हानि 9.8 अरब डॉलर होने का अनुमान है, जिसमें से अकेले ही 7 अरब डॉलर से अधिक का बहुत बड़ा नुकसान तो देश में समय-समय पर आने वाली बाढ़ के कारण ही हो जाता है।

मनोज चतुर्वेदी
संपादक

शुभाशीष

विदेश यात्रा... आ रहा व्यापक बदलाव विकास रोडमैप से विपक्ष हैरान...

भारत और यूएई के मध्य भी कई समझौते हुए हैं जिसमें दोनों देश भारतीय और यूएई की मुद्राओं क्रमशः रुपए और दिरहम में व्यापार करेंगे। इससे भुगतान में कम समय लगेगा और मुद्रा बाजार में रुपये-दिरहम में निवेश करने का विकल्प भी खुलेगा। विगत दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस और संयुक्त अरब अमीरात की एक सफल यात्रा की। कुछ समय से प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं से एक परिवर्तन देखा जा रहा है अब उनकी विदेश यात्राएं समय की दृष्टि से छोटी हो रही हैं किंतु अब वे एक साथ कई देशों की यात्रा पर जा रहे हैं। उदाहरण के लिए, प्रधानमंत्री ने अमेरिका यात्रा के साथ मिस्र की यात्रा की और फ्रांस के साथ संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फ्रांस की राजधानी पेरिस में भव्य स्वागत हुआ और उनको फ्रांस का सर्वोच्च नागरिक सम्मान "द ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ आनर" से भी सम्मानित किया गया जबकि संयुक्त अरब अमीरात में प्रधानमंत्री मोदी को वहां के राष्ट्रपति ने हाथ में फ्रैंडशिप बैंड बांधकर सम्मान करते हुए भारत और यूएई के मध्य संबंधों के प्रगाढ़ होने का संकेत भी दिया। प्रधानमंत्री के रुप में नरेंद्र मोदी की यह पांचवीं फ्रांस यात्रा थी। इस बार प्रधानमंत्री फ्रांस की नेशनल परेड के मुख्य अतिथि भी रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कई महत्वपूर्ण बातें कहीं जिनका प्रभाव काफी दूर तक जा रहा है। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में जी-20 की अध्यक्षता व भारत में आयोजित हो रही बैठकों का उल्लेख किया और चंद्रयान-3 की भी चर्चा। उन्होंने एक रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए बताया कि भारत ने करीब 42 करोड़ देशवासियों को गरीबी की रेखा से बाहर निकाला है। उन्होंने कहा कि भारत अगले 25 वर्षों में विकसित देश होने के लक्ष्य पर काम कर रहा है। आज हर अंतरराष्ट्रीय एजेंसी कह रही है कि भारत आगे बढ़ रहा है।

डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
संरक्षक

अयोध्या में जन्मभूमि पर बन रहा भव्य मंदिर

राममंदिर के साथ ही राष्ट्रमंदिर भी होगा..

सुप्रीम कोर्ट का आदेश आने के बाद जब से अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण अभियान की गति लगातार तीव्र हुयी है और उसके बाद दीपावली जैसे आयोजन संपन्न हुए हैं उन सभी में एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्पना दृष्टिगोचर हो रही है।

विगत पांच सौ वर्षों से भी अधिक समय से अखिल विश्व का सनातन हिंदू समाज जिस क्षण की प्रतीक्षा कर रहा था अब वह आ चुका है और माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के पश्चात भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या एक बार फिर दिव्य और भव्य रूप में बसने जा रही है। अयोध्या में श्री रामजन्मभूमि मंदिर निर्माण द्रुत गति से हो रहा है उसके उद्घाटन की तिथि भी बस आने ही वाली है। 2024 के जनवरी माह में दिनांक 15 से 24 के मध्य होगी वो आनंदाश्रुओं में भिगोने वाली घड़ी। अयोध्या नगरी में श्री रामजन्मभूमि पर बन रहे भव्य श्रीराम मंदिर का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न होगा।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश आने के बाद जब से अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण अभियान की गति लगातार तीव्र हुयी है और उसके बाद दीपावली जैसे आयोजन संपन्न हुए हैं उन सभी में एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्पना दृष्टिगोचर हो रही है। फिर चाहे वह निधि समर्पण अभियान हो या फिर कारसेवकपुरम व अयोध्या के विभिन्न स्थलों में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या की दृष्टि से चल रहा निर्माण कार्य। श्री रामजन्मभूमि पर रामलला के मंदिर निर्माण का कार्य, सभी विरोधी शक्तियों के सतत षड्यंत्रों के बाद भी भक्तिभाव व कर्तव्य की भावना के अनुरूप निरंतर चल रहा है। श्री राम के प्रति अनन्य भक्ति और संघर्ष की नींव पर आकार ले रहा यह मंदिर शेष विश्व के लिए राम मंदिर ही होगा किन्तु भारतवासियों के लिए यह राष्ट्र मंदिर भी होगा। यह मंदिर आधुनिक काल में वसुधैव कुटुम्बकम का आधार बनेगा।

रामलला के मंदिर को भव्य बनाने में प्रत्येक प्रान्त के भक्त जुटे हैं। अयोध्या में बनने वाले राम मंदिर में देश के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थानों के सर्वश्रेष्ठ अभियंता और वैज्ञानिक अपना योगदान दे रहे हैं जिसमें आइआइटी दिल्ली, गुवाहाटी कानपुर, मुंबई और गुजरात के इंजीनियर सम्मिलित हैं। देश के हर राज्य से कारीगर व श्रमिक अपना योगदान दे रहे हैं। मंदिर निर्माण में राजस्थान के माउंट आबू के लोग हैं तो ओडिशा राज्य के मूर्तिकार भी अपनी सेवाएं भक्ति भाव के साथ दे रहे हैं। राम मंदिर निर्माण के लिए जिस लकड़ी का उपयोग किया जा रहा है वह महाराष्ट्र से आयी है। राम मंदिर में लगने वाले पत्थर राजस्थान के बंसी पहाड़पुर के हैं। इतना ही नहीं हैदराबाद ओर तेलंगाना के ग्रे ग्रेनाइट के अलावा तेलंगाना के कारीगर भी यहाँ काम कर रहे हैं। भगवान राम की मूर्ति का निर्माण करने वाले कारीगर महाराष्ट्र, कर्नाटक और ओडिशा के हैं। महाराष्ट्र की जिस लकड़ी का उपयोग किया जा रहा है उसमें उत्कीर्णन का कार्य हैदराबाद की एक संस्था को दिया गया है। द्वार का प्रारम्भिक कार्य करने वाले सभी कारीगर तमिलनाडु के कन्याकुमारी से हैं।

राम मंदिर का निर्माण कार्य 60 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है जिसमें भूतल का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। प्रथम और द्वितीय तल के निर्माण सहित 70 एकड़ के परिसर का काफी कार्य अभी शेष है जो अनवरत चल रहा है। जब आप मंदिर के समक्ष पहुंचेंगे तब सबसे पहले सिंहद्वार आपका स्वागत करेगा तत्पश्चात मंदिर तक पहुंचने के लिए 33 सीढ़ियां पार करनी होंगी। सिंहद्वार का द्वार भले ही अभी नहीं लगा हो किंतु उसका स्वरूप विशाल स्तंभों और स्थापत्य कला के भव्य पर्याय के रूप में निर्मित मेहराब से बखूबी परिभाषित होता है। कुछ पग आगे बढ़ने पर नृत्य मंडप में प्रवेश होता है। नृत्य मंडप पार कर रंग मंडप दृष्टिगोचर होता है। यह मंदिर की भव्यता और विशालता को पूर्णता प्रदान करता है। इसमें भजन कीर्तन तो रामलला की स्थापना के बाद आरम्भ होगा। यहां वास्तु के साथ श्रद्धालुओं के भाव भाषा की अभिव्यक्ति नृत्य मंडप और रंग मंडप के बाद गुह मंडप में समाहित होगी।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र बताते हैं कि भूतल पर पांच मंडप बन रहे हैं जो राम मंदिर के आकर्षण का मुख्य केंद्र होंगे। मुख्य मंडप पर सदा भगवान की पताका फहरायेगी। मंदिर के गर्भगृह की दीवार और छत बन चुकी है। भूमि और बाहर का काम बाकी है। मंदिर के गर्भगृह में लगे छह खंभे सफेद संगमरमर के हैं। बाहरी खंभे गुलाबी सैंडस्टोन से बनाये गये हैं। मंदिर के बाहर आठ एकड़ में 16 फीट ऊंचा और 800 मीटर लंबा परकोटा बनाया जा रहा है। गर्भगृह के बाहर मंडप की नक्काशी की जा रही है। राम मंदिर में भगवान राम की जिस मूर्ति की स्थापना की जानी है इसका निर्माण रामसेवक पुरम स्थित कार्यालय में हो रहा है। मंदिर सहित एक एक साथ 10 परियोजनाओं पर भी काम जारी है। भूतल के ठीक ऊपर अष्टकोणीय गर्भगृह में राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। राम दरबार जहां स्थापित होना है वहां महापीठ का निर्माण आरम्भ हो चुका है। प्रथम तल पर ही भगवान राम सहित उनके सभी भाईयों, हनुमान जी एवं माता सीता की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जानी है। राम मंदिर के भूतल में करीब 166 स्तंभ लगाये गये हैं और हर स्तंभ में 16 मूर्तियां लगाई जाएंगी। भूतल व प्रथम तल पर 6400 मूर्तियों को आकार दिया जाना है।

इस मंदिर में वाल्मीकि रामायण को भी चित्रों के माध्यम से सहेजा जा रहा है। वाल्मीकि रामायण के छह कांड के 98 प्रमुख श्लोकों को भित्ति चित्रों के माध्यम से निचले राम चबूतरे पर उकेरा जा रहा है। श्री रामजन्मभूमि पर बन रहा ये भव्य मंदिर न केवल सभ्यता वरन तकनीक की दृष्टि से भी बेहतरीन सुविधाओं से युक्त हो रहा है मंदिर के साथ ही अयोध्या में भव्य रेलवे स्टेशन व एयरपोर्ट भी बनकर तैयार हो रहा है जिसका उद्घाटन भी प्रधानमंत्री के द्वारा कराए जाने की तैयारी चल रही है।

रोजगार का बन रहा संवाहक

बीते दिनों राहुल गांधी के राजनीतिक गुरु सैम पित्रोदा ने अमेरिका में बयान दिया था कि मंदिर बन जाने से क्या बेरोजगारी की समस्या हल हो जायेगी? अब सैम के सवाल का उत्तर अयोध्या में बन रहा श्रीराम मंदिर स्वयं दे रहा है। अयोध्या में बन रहा भव्य श्रीराम मंदिर आस्था के साथ रोजगार सृजन का संवाहक भी बन चुका है। मंदिर निर्माण के विभिन्न आयामों में तीन हजार कुशल व अकुशल लोग कार्यरत हैं।

ट्रस्ट की राजस्थान व अयोध्या की कार्यशालाओं में लगभग एक हजार श्रमिक व कारीगर कार्यरत हैं। वे पत्थरों की तराशी व सफाई का कार्य कर रहे हैं। 50 निजी सुरक्षा कर्मचारी विभिन्न भवनों में हैं। इसके अलावा ट्रस्ट के यात्री सुविधा केंद्र आय व्यय की देखरेख के लिए लेखाकारों की टीम और और ट्रस्ट कार्यालय के संचालन में 100 कर्मचारी तैनात हैं। इसके अलावा 50 अभियंता व इतने ही तकनीकी विशेषज्ञ वहां पर कार्यरत हैं।

डॉ. अनिल मिश्र कहते हैं कि मंदिर निर्माण पूरा होने पर अयोध्या के आसपास के कई जिलों में रोजगार का विकास तेजी से होगा। अब यहां अधिक संख्या में श्रद्धालु आएंगे तो विभिन्न सेक्टर्स में व्यापक रोजगार सृजित होगा जिससे लोगों की आय में वृद्धि होगी। राम मंदिर निर्माण जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है वैसे-वैसे यहां पर श्रमिकों के आने का क्रम जारी है। यह श्रमिक अयोध्या के विभिन्न स्थलों पर ठहरे हैं। राम मंदिर निर्माण की गति को देखकर आज राम विरोधी शक्तियां ईर्ष्या से भर उठी हैं तथा साथ ही उन्हें यह चिंता हो रही है कि जब यह भव्य व दिव्य रामंदिर बनकर खड़ा हो जाएगा और सम्पूर्ण विश्व का सनातनी अयोध्या आयेगा तब वह किस आधार पर मुस्लिम तुष्टिकरण कर सकेंगे।

भारत के वातावरण को राममय बनाने की तैयारी दीपावली से ही प्रारम्भ हो जाएगी क्योंकि इस बार अयोध्या में हर वर्ष की तरह 21 लाख दीये जलाये जाने की योजना बनी है। राम मंदिर के उद्घाटन अवसर को भी दिव्य बनाने की योजना पर काम चल रहा है तथा इसका संपूर्ण भारत में प्रसारण करवाने की भी योजना बन रही है। आम जनमानस में भी राम मंदिर के निर्माण के प्रति उत्सुकता लगातार बढ़ रही है जिसे ध्यान में रखते हुए विश्व हिंदू परिषद भारत को राममय बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के आयोजन भी करने जा रहा है जिनकी रूपरेखा तैयार की जा रही है।

उज्जैन जिले से अलग होकर नागदा बनेगा जिला, विकास पर्व के दौरान घोषणा...

उज्जैन जिले से अलग होकर नागदा अलग जिला बनेगा। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने विकास पर्व के दौरान इसकी घोषणा की है। उन्होंने कहा है कि जिले की तहसीलें स्वेच्छा से नागदा में शामिल हो सकती हैं। मध्यप्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान ने चुनावी साल में एक नई घोषणा की है। उज्जैन जिले के अंतर्गत आने वाले नागदा को जिला बनाया जाएगा। साथ ही उज्जैन शहर में नर्मदा जल लाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हेल को तहसील बनाया जाएगा, यहां पर सीएम राइज स्कूल भी खोला जाएगा। सीएम शिवराज ने यहां पर जनदर्शन यात्रा भी की। नागदा-खाचरौद विधानसभा में 216.14 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण भी किया।

मुख्यमंत्री का रोड शो पुराने बस स्टैंड से होते हुए जवाहर मार्ग, एमजी रोड, चंबल-सागर मार्ग होकर मुक्तेश्वर महादेव मंदिर पहुंचा। यहां पर सीएम ने सभा को संबोधित किया। सीएम शिवराज ने जनता से पूछा कि कई लोगों के पेट में दर्द हो रहा है कि मामा खजाना लुटा रहा है। आप बताइए कि मैं सीएम नहीं होता, तो कांग्रेस देती क्या? सीएम ने आगे कहा कि हमारी सरकार ने महिलाओं का आत्मसम्मान लौटाया है। कांग्रेस कहती है कि ये दुबला-पतला डेढ़ हड्डी का, पता नहीं कहां से योजना ले आता है। कांग्रेस ने बेटियों को धोखा दिया है। बताइए कि उज्जैन में नर्मदा का पानी कांग्रेस ला सकती थी क्या?

कांग्रेस ने गड्ढे ही गड्ढे दिये थे

भूतपूर्व सीएम दिग्विजय सिंह पर कटाक्ष करते हुए सीएम ने कहा कि उनके राज में सड़कों में गड्ढे या गड्ढों में सड़क थी, पता ही नहीं चलता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं लाड़ली बहना योजना के पैसे 1,000 से बढ़ाकर 3,000 कर दूंगा। लाड़ली बहना योजना में 15,000 करोड़ रुपये हर साल बहनों को दिये जाएंगे।

हर खेत तक पहुंचेगा पानी

इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंचाई के लिए किसानों के खेत तक पानी बीजेपी की सरकार ने पहुंचाया। मैं 65,00,000 हेक्टेयर में सिंचाई के लिए पानी की व्यवस्था करूंगा। कांग्रेस के राज में सड़कों और बिजली की व्यवस्था खराब थी। आज 28,000 मेगावाट बिजली बनाकर म.प्र. की जनता को भाजपा की सरकार ने दिया। पानी, बिजली, सड़क, खेती, उद्योग, गरीबों की सेवा, निःशुल्क राशन, रसोई गैस कनेक्शन भाजपा की सरकार ने दिया।

नागदा जिले में आएंगे ये क्षेत्र

शिवराज सिंह चौहान की घोषणा से नागदा में खुशी की लहर है। उन्होंने कहा कि उज्जैन जिले की जो तहसीलें नागदा में स्वेच्छा से मिलना चाहें, उन्हें ही नागदा में सम्मिलित किया जायेगा। अभी नागदा उज्जैन जिले का एक कस्बा है। संभावना है कि इसमें उज्जैन जिले से खाचरोद, उन्हेल और रतलाम से आलोट आएगा।

गौरतलब है कि मध्यप्रदेश में अभी 52 जिले हैं। सीएम ने बीते कुछ महीनों में दो नए जिलों की घोषणा की है। इसमें रीवा जिले का मऊ भी एक नया जिला बनेगा। अब नागदा को जिला बनाने की घोषणा की है। कुल मिलाकर मध्यप्रदेश में 54 जिले हो गए हैं।

फसलों को छुट्टा पशुओं से बचाने के लिए अब पूरे प्रदेश में लागू होगी योजना

योजना की उपयोगिता के मद्देनजर ही सरकार अब इसे सिर्फ बुंदेलखंड में नहीं, पूरे प्रदेश में एक साथ लागू करेगी। इसीलिए योजना के बाबत प्रस्तावित बजट 75 करोड़ से बढ़ाकर 350 करोड़ रुपये कर दिया गया है। योगी-2.0 के लिहाज से 'मुख्यमंत्री खेत सुरक्षा योजना' प्रदेश के किसानों के लिए सौगात बन सकती है। योजना की उपयोगिता के मद्देनजर ही सरकार अब इसे सिर्फ बुंदेलखंड में नहीं, पूरे प्रदेश में एक साथ लागू करेगी। इसीलिए योजना के बाबत प्रस्तावित बजट 75 करोड़ से बढ़ाकर 350 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री खेत सुरक्षा योजना किसान के खेत की फसल को पशुओं से बचाने के लिए सोलर फेंसिंग की योजना है। इसके तहत लगाई जाने वाली सोलर फेंसिंग की बाड़ में मात्र 12 बोल्ट का करंट प्रवाहित होगा। इससे सिर्फ पशुओं को झटका लगेगा। कोई क्षति नहीं होगी। हल्के करंट के साथ सायरन की आवाज भी होगी। इससे छुट्टा या जंगली जानवर मसलन नीलगाय, बंदर, सुअर आदि खेत मे खड़ी फसल को क्षति नहीं पहुंचा सकेंगे। इसके लिए सरकार लघु-सीमांत किसानों को प्रति हेक्टेयर लागत 60 फीसद या 1.43 लाख रुपये का अनुदान भी देगी। कृषि

विभाग इस योजना का ड्राफ्ट तैयार कर चुका है। शीघ्र ही इसे कैबिनेट में भेजा जाएगा। वहां से मंजूरी मिलने के बाद अब इसे पूरे प्रदेश में लागू किया जाएगा। पशु खेत में खड़ी फसल का नुकसान तब अधिक करते हैं जब उनको पास में कुछ खाने को नहीं मिलता। गोचर भूमि इसके लिए जरूरी है। गोचर भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराने के लिए पशुपालन एवं दुग्ध विकास विभाग 11 जुलाई से अभियान चल रहा है। यह अभियान 25 अगस्त तक चलेगा। उल्लेखनीय है कि छुट्टा पशुओं की यह समस्या कमोबेश पूरे प्रदेश में एक जैसी है। विपक्ष समय-समय पर इस समस्या को लेकर तंज कसता रहता है। पार्टी के जनप्रतिनिधियों को भी फील्ड में इस बाबत सुनना पड़ता है। अगले साल लोकसभा चुनाव में यह मुद्दा न बने, इसमें ये कदम मददगार बनेंगे।

ज्योतिरादित्य के गृह क्षेत्र प्रियंका करेंगी रैली, पहले बेहद करीबी थे दोनों नेता

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, जो भाजपा में जाने से पहले प्रियंका गांधी के साथ कांग्रेस महासचिव थे, गुना से पूर्व सांसद हैं और ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में उनकी पकड़ है। सिंधिया को राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का बेहद करीबी माना जा था। मध्य प्रदेश चुनाव को लेकर कांग्रेस के अभियान को मजबूती देने के लिए पार्टी नेता प्रियंका गांधी वाद्रा शुक्रवार को महत्वपूर्ण ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करेंगी। यह केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का गृह क्षेत्र है। इसे सिंधिया के गढ़ के रूप में भी देखा जाता है। प्रियंका गांधी ने जून में जबलपुर में एक रैली के साथ मध्य प्रदेश में कांग्रेस अभियान की शुरुआत की थी और राज्य की महिलाओं को प्रति माह 1500 रुपये की सहायता सहित पार्टी के पांच वादों की घोषणा की थी। इस साल की शुरुआत में कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस की जीत में प्रियंका गांधी के अभियान और कांग्रेस द्वारा किए गए पांच वादों की अहम भूमिका देखी जा रही है।

कभी बेहद करीबी थे

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, जो भाजपा में जाने से पहले प्रियंका गांधी के साथ कांग्रेस महासचिव थे, गुना से पूर्व सांसद हैं और ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में उनकी पकड़ है। सिंधिया को राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का बेहद करीबी माना जा था। कांग्रेस सूत्रों ने कहा कि प्रियंका गांधी की रैली से कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा और पार्टी के अभियान को ताकत मिलेगी। उन्होंने कहा कि 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने चंबल क्षेत्र में कई सीटें जीती थीं, लेकिन ज्योतिरादित्य सिंधिया के बाहर जाने के बाद कई विधायकों ने पार्टी छोड़ दी। उन्होंने कहा कि इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों में भाजपा को बाहर करने के लक्ष्य के लिए यह क्षेत्र पार्टी के लिए महत्वपूर्ण है।

महिलाओं को लुभाने की कोशिश

ग्वालियर में उनकी रैली कांग्रेस द्वारा परिवार की महिला मुखिया को हर महीने 2000 के सीधे हस्तांतरण के लिए कर्नाटक में गृहलक्ष्मी योजना लागू करने की घोषणा के दो दिन बाद हो रही है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि इस योजना को मध्य प्रदेश तक पहुंचाने में प्रियंका गांधी की भूमिका रही है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पिछले महीने प्रियंका गांधी की रैली से दो दिन पहले जबलपुर से एक नई योजना शुरू की थी जिसके तहत राज्य में पात्र महिला को 1000 दिए जा रहे हैं। चौहान ने कहा था कि भविष्य में लाडली बहना योजना की राशि बढ़ाई जाएगी। आदिवासी वोटों के लिहाज से जबलपुर का महत्व है और प्रियंका गांधी की रैली को एक ऐसे समुदाय पर ध्यान केंद्रित करने के प्रयास के रूप में देखा गया, जिसे भाजपा भी सक्रिय रूप से लुभा रही है।

महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाने पर NHRC ने मणिपुर सरकार को नोटिस दिया...

एनएचआरसी ने एक बयान में कहा कि वह इस तरह की 'बर्बर घटनाओं' से नागरिकों, खासकर महिलाओं और समाज के कमजोर वर्गों के मानवाधिकारों की रक्षा के लिए सरकार द्वारा उठाए गए या उठाए जाने वाले प्रस्तावित कदमों के बारे में जानना चाहता है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने बृहस्पतिवार को कहा कि भीड़ द्वारा दो महिलाओं को कथित तौर पर निर्वस्त्र कर घुमाने के मामले में उसने मणिपुर सरकार और राज्य के पुलिस प्रमुख को नोटिस जारी किये हैं। एनएचआरसी ने एक बयान में कहा कि वह इस तरह की 'बर्बर घटनाओं' से नागरिकों, खासकर महिलाओं और समाज के कमजोर वर्गों के मानवाधिकारों की रक्षा के लिए सरकार द्वारा उठाए गए या उठाए जाने वाले प्रस्तावित कदमों के बारे में जानना चाहता है।

मानवाधिकार आयोग ने कहा कि उसने चार मई को मणिपुर के कांगपोकपी जिले के बी फीनोम गांव में भीड़ द्वारा एक आदिवासी परिवार के पांच सदस्यों को पुलिस हिरासत से ले जाने की घटना में तत्काल हस्तक्षेप की मांग करने वाली शिकायतों का भी संज्ञान लिया है। आयोग ने पूर्वोत्तर राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर उनसे चार सप्ताह में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

इन बड़े कारणों के चलते...

मेडिकल टूरिज्म का केंद्र बना भारत

भारत में मेडिकल टूरिज्म के प्रति आकर्षण के अन्य कारणों के साथ ही भारत की समग्र चिकित्सा पद्धति भी एक कारण है। आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, हौम्योपैथी, यूनानी, तिब्बती और सिद्ध पद्धति की चिकित्सा सुविधा में विशेषज्ञता हासिल होने से लोग भारत को प्राथमिकता देने लगे हैं।

मेडिकल टूरिज्म के क्षेत्र में आज भारत दुनिया के देशों की पसंदीदा डेस्टिनेशन बनता जा रहा है। भारत की आज इस क्षेत्र में शीर्ष 6 देशों में गिनती होने लगी है। दरअसल चिकित्सा क्षेत्र में भारत ने विश्वस्तरीय चिकित्सा सेवा को लेकर अपनी विशिष्ठ पहचान बनाई है। हमारे देश के 38 चिकित्सा संस्थानों को जेसीआई द्वारा मान्यता प्राप्त है तो चेन्नई, मुंबई, बैंगलोर, अहमदाबाद और दिल्ली मेडिकल टूरिज्म के क्षेत्र में अपनी अंतरराष्ट्रीय पहचान बना चुके हैं। आज बैंगलोर आाईटी राजधानी के साथ ही वैलनेस सेंटर के रूप में अपनी पहचान बना चुका है। एक मोटे अनुमान के अनुसार चिकित्सा, तंदुरुस्ती और आईवीएफ चिकित्सा के लिए दुनिया के 78 देशों से 2 मिलियन लोग उपचार के लिए हर साल आने लगे हैं। 2020 में भारत में चिकित्सा पर्यटन क्षेत्र से करीब 9 बिलियन अमेरिकी डॉलर की आय हुई है तो इस क्षेत्र के विशेषज्ञों के अनुसार 2026 तक मेडिकल टूरिज्म के क्षेत्र से आय लगभग डेढ़ गुणी यानि 13 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है। देखा जाए तो मेडिकल टूरिज्म के क्षेत्र में भारत के आकर्षण का केन्द्र बनने के कई प्रमुख कारण हैं। एक तो भारत में चिकित्सा सेवाएं जिसमें मेडिकल और पेरामेडिकल दोनों सेवाएं सस्ती होने के साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर की हैं। दूसरी यह कि भाषा को लेकर भी कोई समस्या नहीं है क्योंकि भारत के चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोग धाराप्रवाह अंग्रेजी बोल भी लेते हैं तो समझ भी जाते हैं। इसके साथ ही चिकित्सा के क्षेत्र में भारत की परंपरागत छवि का भी सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। अब आवश्यकता इस इमेज को बनाए रखते हुए इस क्षेत्र का दोहन करते हुए अधिक से अधिक लोगों को आकर्षित कर विदेशी आय भी प्राप्त करना है।

देखा जाए तो भारतीय डॉक्टरों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान है। आज दुनिया के देशों में खासतौर पर आईपीडी देशों में 75 हजार भारतीय डॉक्टर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इनमें से 15 हजार से अधिक डॉक्टर्स तो अमेरिका में ही अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इसी तरह से भारतीय पेरामेडिकल कार्मिकों की खासतौर से नर्सिंग क्षेत्र में अपनी अलग ही पहचान है। एक समय था जब केरल की नर्सों की दुनिया के अधिकांश देशों में मांग देखी जाती थी। आज भी भारतीय मेडिकल और पेरामेडिकल क्षेत्र से जुड़े लोगों के व्यवहार, कार्यशैली, काम के प्रति प्रतिबद्धता और उच्च नैनिक मानदंडों की पालना के कारण सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। जब विदेशों में ही भारत के मेडिकल क्षेत्र से जुड़े लोगों की अलग पहचान है तो दूसरी और देश के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों ने भी अपनी सेवाओं के बदौलत पहचान बनाई है।

विदेशियों के भारत में मेडिकल टूरिज्म के प्रति आकर्षण के अन्य कारणों के साथ ही भारत की समग्र चिकित्सा पद्धति भी एक कारण है। आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, हौम्योपैथी, यूनानी, तिब्बती और सिद्ध पद्धति की चिकित्सा सुविधा में विशेषज्ञता हासिल होने से लोग भारत को प्राथमिकता देने लगे हैं। अन्य देशों की तुलना में हमारे यहां चिकित्सा सुविधाएं सस्ती हैं तो सेवाएं भी अंतरराष्ट्रीय स्तर की होने से लोग आकर्षित होने लगे हैं। एक ही स्थान पर बहुआयामी चिकित्सा सुविधा प्राप्त हो जाती है। देखा जाए तो आज दुनिया के देशों में मानसिक बीमारियों की अधिकता है और भारतीय परंपरागत चिकित्सा पद्धति और योग ध्यान आदि के माध्यम से मानसिक विकारों का आसानी से इलाज हो सकता है। योग के महत्व को तो अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकारा जा चुका है। इसके साथ ही आधुनिकतम चिकित्सा पद्धति में भी भारतीय चिकित्सकों को महारत हासिल होती जा रही है। अभी हाल ही में कोविड के दौरान भारत ने जिस तरह से दवा और टीके उपलब्ध कराकर दुनिया के देशों में अपना लोहा मनवाया है उससे लोगों का और अधिक विश्वास बढ़ा है। जहां तक रोग निरोधक टीकों का प्रश्न है, उनकी उपलब्धता और वितरण में भारत दुनिया के देशों में शीर्ष पर है।

मेडिकल टूरिज्म का सीधा-सीधा अर्थ यह है कि जब कोई अपने इलाज के लिए किसी दूसरे देश में जाते हैं तो यह मेडिकल टूरिज्म कहलाता है। वैसे यह माना जाता रहा है कि मेडिकल टूरिज्म के रूप में फ्रांस सबसे अग्रणी देश है तो सिंगापुर और थाईलैंड भी दुनिया के देशों के पसंदीदा स्थान हैं। अब मेडिकल टूरिज्म के क्षेत्र में हमारे देश की ओर लोगों का झुकाव होता जा रहा है। ऐसे में सरकार को भी मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने की दिशा में ठोस प्रयास करने होंगे। इसके लिए सबसे पहले तो मेडिकल वीजा व्यवस्था को सरल और सुगम बनाना होगा। इसके साथ ही इंश्योरेंस सुविधाओं को बेहतर बनाना होगा। दरअसल विदेशों से मेडिकल टूरिज्म पर आने वाले लोगों के सामने विदेशी इंश्योरेंस कंपनियों द्वारा कैशलेस या इंश्योरेंस सुविधा प्राप्त करना परेशानी का कारण है। ऐसे में मेडिकल क्षेत्र में इंश्योरेंस करने वाले संस्थानों से समन्वय व संवाद कायम कर सुविधाएं प्राप्त करनी होंगी। इसके साथ ही सरकार को भारतीय मेडिकल सुविधाओं की विदेशों में योजनाबद्ध तरीके से मार्केटिंग करनी होगी ताकि भारत को दुनिया का प्रमुख मेडिकल डेस्टिनेशन बनाया जा सके। इसके लिए सरकार के साथ ही विदेशों में कार्यरत गैरसरकारी संस्थाओं को आगे आना होगा। जिस तरह से आज भारत प्रमुख पर्यटन केन्द्र बन चुका है ठीक उसी तरह से मेडिकल क्षेत्र में भी लोगों को आसानी से आकर्षित किया जा सकता है इसके लिए केवल और केवल समग्र व समन्वित प्रयास करने होंगे।

प्रवासी भारतीयों से पीएम मोदी ने कहा-

...भारत की कामयाबी में सभी का योगदान, हर भारतवासी नायक

पीएम मोदी ने मिस्र यात्रा के दौरान मशहूर चिंतक और पेट्रोलियम रणनीतिकार तारेक हेग्गी व पश्चिम एशिया व उत्तरी अफ्रीकी क्षेत्र में मिस्र की सबसे बड़ी कंपनियों में शुमार हसन आलम होल्डिंग के सीईओ हसन आलम समेत प्रमुख हस्तियों से मुलाकात की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिस्र में प्रवासी भारतीयों से मुलाकात के दौरान कहा कि भारत की सफलता में सबका योगदान है। विश्व में रह रहे समस्त भारतवासी नायक हैं। देश के लोग मेहनत करते हैं, देश की तरक्की होती है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के निमंत्रण पर राजकीय यात्रा के समापन के बाद शनिवार को काहिरा पहुंचे मोदी का रिट्ज कार्लटन होटल में जोरदार स्वागत किया गया। मोदी जहां मिस्र में रह रहे भारतवासियों के स्वागत से अभिभूत हुए, वहीं उनका स्वागत करके प्रवासी भारतीय भी गदगद दिखे।

अधिकतर सदस्यों ने अमेरिकी संसद में मोदी के ऐतिहासिक संबोधन व उनके नेतृत्व में देश की आर्थिक प्रगति की सराहना की। पीएम मोदी 26 वर्षों में मिस्र की द्विपक्षीय यात्रा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। होटल रिट्ज कार्लटन में प्रवासी भारतीयों से बातचीत के दौरान समुदाय के एक सदस्य ने पीएम मोदी से कहा, आप भारत के नायक हैं। इसके जबाव में पीएम मोदी ने कहा, हर भारतीय नायक है। भारत की सफलता आपकी मेहनत का नतीजा है। आपकी तपस्या काम कर रही है। इससे पहले भारतीयों ने पीएम मोदी के पहुंचने पर तिरंगे लहराते और वंदे मातरम की नारेबाजी के साथ उनका स्वागत किया। मिस्र की एक महिला जेना ने ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे गाने के साथ स्वागत किया तो पीएम मोदी चकित रह गए। जेना ने बताया कि वह बहुत कम हिंदी जानती हैं। इस पर पीएम ने कहा, किसी को पता नहीं चलेगा कि आप मिस्र की बेटी हो या हिंदुस्तान की बेटी हो।

बोहरा समुदाय से की मुलाकात : बोहरा समुदाय का पीएम मोदी के गृह राज्य गुजरात से गहरा नाता है। प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया, मिस्र में भारतीय प्रवासियों के गर्मजोशी भरे स्वागत से प्रभावित हुआ। उनका समर्थन व प्रेम हमारे राष्ट्रों के शाश्वत बंधन का प्रतीक है। वहीं, पीएम मोदी ने अल-हकीम मस्जिद में भी भारतवंशियों से मुलाकात की। मुलाकात के बाद भारतवंशी शुजाउद्दीन शब्बीर तांबावाला ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने हमसे बातचीत की और हालचाल पूछा...जैसा परिवार के सदस्य करते हैं।

हेग्गी ने वैश्विक मुद्दों पर साझा किया व्यावहारिक नजरिया : अमेरिकी विश्वविद्यालय में कॉप्टिक अध्ययन केंद्र व टोरंटो विश्वविद्यालय के यहूदी-मुसी55लिम अध्ययन केंद्र में हेग्गी से मुलाकात के बाद पीएम ने ट्वीट किया, विख्यात चिंतक ने वैश्विक मुद्दों पर व्यावहारिक दृष्टिकोण साझा किया। विभिन्न संस्कृतियों के संबंध में उनके समृद्ध ज्ञान का सम्मान करता हूं। उल्लेखनीय है कि हेग्गी अरबी, अंग्रेजी, इतालवी, फ्रेंच भाषाओं में 30 किताबें लिख चुके हैं।

वैश्विक भूराजनीति, ऊर्जा सुरक्षा व भारतीय कंपनियों से करीबी सहयोग पर की चर्चा : पीएम मोदी ने मिस्र यात्रा के दौरान मशहूर चिंतक और पेट्रोलियम रणनीतिकार तारेक हेग्गी व पश्चिम एशिया व उत्तरी अफ्रीकी क्षेत्र में मिस्र की सबसे बड़ी कंपनियों में शुमार हसन आलम होल्डिंग के सीईओ हसन आलम समेत प्रमुख हस्तियों से मुलाकात की। पीएम ने इन हस्तियों के साथ वैश्विक भूराजनीति, ऊर्जा सुरक्षा, कट्टरता व विभिन्न क्षेत्रों की भारतीय कंपनियों से करीबी सहयोग पर चर्चा की। आलम ने कहा, पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत की निजी कंपनियां बुनियादी ढांचा, इंजीनियरिंग व औद्योगिक क्षेत्र में तेजी से विकास कर रही हैं।

आलम ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी एक असाधारण व्यक्ति हैं...बुद्धिमान, विनम्र, महान दूरदर्शी। मुझे उनके साथ बैठक जानकारीपूर्ण, शिक्षाप्रद व प्रेरणादायी लगी। हमें भारत के निजी क्षेत्र से बहुत कुछ सीखने की जरूरत है।

अल हाकिम मस्जिद देखकर बोले मोदी- मैं हुआ सम्मानित : पीएम मोदी ने 11वीं सदी की ऐतिहासिक अल-हाकिम मस्जिद देखी और इसे अपने लिए सम्मान बताया। भारत के दाऊदी बोहरा समुदाय ने इसका जीर्णोद्धार करवाया था। इसे भारत और मिस्र की संस्कृतियों का संगम दर्शाने वाली वाली मस्जिद माना जाता है।

मप्र के कई शहरों में लगे मुख्यमंत्री के विवादित पोस्टर

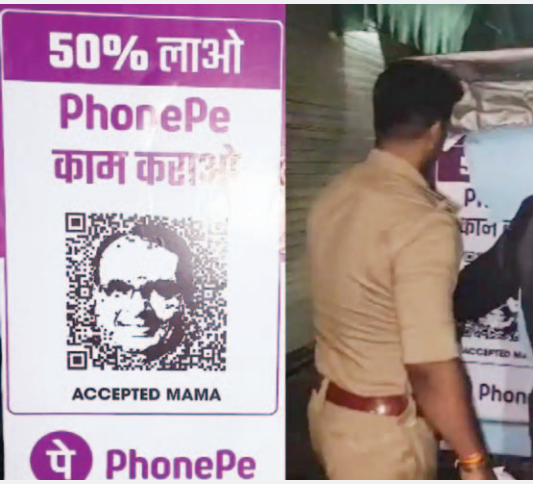

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन से एक दिन पहले भोपाल एवं इंदौर सहित मध्य प्रदेश के कई शहरों में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के विवादित पोस्टर चिपके हुए मिले। इन पोस्टरों में चौहान की फोटो लगाकर उन पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए लिखा गया है कि '50 प्रतिशत लाओ और काम कराओ'। साथ ही लिखा गया है कि भुगतानः 'फोनपे' से करो।हालांकि, इन पोस्टरों को किसने लगाया है, अब तक पता नहीं चल पाया है। भाजपा ने इन पोस्टरों के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया, जबकि कांग्रेस ने कहा कि भ्रष्टाचार से परेशान लोग इन्हें लगा रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस ने अपने ट्विटर हैंडल पर भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, सीहोर, रीवा, मंदसौर, उज्जैन, भिंड, बालाघाट, बुधनी और अन्य शहरों में लगे इन पोस्टरों के वीडियो साझा किए। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर शहर के नामों के साथ इन पोस्टरों को साझा किया। इन पोस्टरों में क्यूआर कोड और चौहान की तस्वीर है, जिस पर लिखा है - '50 प्रतिशत लाओ, काम कराओ'।

भुगतान करने को लिखा गया है

'फोनपे' (करो)। अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से एक ट्वीट में कांग्रेस ने कहा, ''मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के गृह क्षेत्र बुदनी में उनके बेटे कार्तिकेय के नाम के पार्क में लगे शिवराज के भ्रष्टाचार के पोस्टर। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय के गृह क्षेत्र में चिपके शिवराज के भ्रष्टाचार के पोस्टर।'' भाजपा नीत सरकार पर तंज कसते हुए कांग्रेस ने ट्वीट कर लिखा, ''सड़कों पर शिवराज का भ्रष्टाचार। '50 प्रतिशत लाओ, फ़ोन पे (करो), काम कराओ'। मध्यप्रदेश की जनता जानती है। 50 प्रतिशत कमीशनखोरों को पहचानती है।'' तीन दिन पहले 23 जून को भोपाल में मुख्यमंत्री चौहान और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के खिलाफ शुक्रवार को भोपाल में पोस्टर चिपके मिले, जिससे इन दोनों दलों में जुबानी जंग छिड़ गई थी। तत्काल स्पष्ट नहीं हो पाया है कि भोपाल में ये पोस्टर किसने लगाए हैं। चौहान और कमलनाथ को इस साल नवंबर में प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए क्रमशः भाजपा और कांग्रेस का मुख्यमंत्री का चेहरा माना जा रहा है।

NSA लगा दिया, बुलडोजर भी चला दिया

जरूरत पड़ी तो अपराधियों को जमीन के नीचे भी गाड़ देंगे

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यालय ने ट्वीट कर लिखा कि- एनएसए लगा दिया गया है, बुलडोजर भी चला दिया गया है और अगर जरूरत पड़ी तो मामा जी अपराधियों को 10 फुट जमीन के नीचे भी गाड़ देंगे। मामाजी का संदेश साफ है, इसलिए गलत मंशा वालों मध्यप्रदेश में अपराध करने से पहले 10 बार सोच लेना...

4 जुलाई को देश को झकझोर देने वाली एक परेशान करने वाली घटना में एक वीडियो सामने आया जिसमें भारत के मध्य प्रदेश में एक व्यक्ति एक आदिवासी व्यक्ति पर पेशाब कर रहा है। सीधी जिले में हुई इस घटना ने बड़े पैमाने पर राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है, खासकर उस व्यक्ति के सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ कथित संबंध के कारण। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिससे आक्रोश फैल गया और न्याय की मांग की गई। फिर मध्य प्रदेश सरकार का एक्शन भी सामने आया। मध्य प्रदेश प्रशासन ने आरोपी व्यक्ति की संपत्ति के कुछ हिस्सों को ध्वस्त कर दिया। जिसके बाद पूरे मामले को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ट्विट करते हुए अपना साफ संदेश दिया है।

मामाजी का संदेश

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यालय ने ट्वीट कर लिखा कि- एनएसए लगा दिया गया है, बुलडोजर भी चला दिया गया है और अगर जरूरत पड़ी तो मामा जी अपराधियों को 10 फुट जमीन के नीचे भी गाड़ देंगे। मामाजी का संदेश साफ है, इसलिए गलत मंशा वालों मध्यप्रदेश में अपराध करने से पहले 10 बार सोच लेना।

क्या है पूरा मामला

वायरल वीडियो में प्रवेश शुक्ला बैठे हुए शख्स के चेहरे, बालों और गर्दन पर पेशाब करते हुए सिगरेट पीते हुए कैद हो गया। घटना जिले के कुबरी गांव में हुई और इस निंदनीय कृत्य का फुटेज 4 जुलाई, 2023 को ऑनलाइन सामने आया। पीड़ित की पहचान 36 वर्षीय आदिवासी व्यक्ति दसमत रावत के रूप में की गई है, जो करौंदी गांव का निवासी है। जिस व्यक्ति की पहचान परवेश शुक्ला के रूप में की गई है, वह एक भाजपा राजनेता और भाजपा विधायक केदारनाथ शुक्ला का करीबी सहयोगी है। हालाँकि, परस्पर विरोधी बयान सामने आए हैं, जिसमें विधायक ने प्रवेश से किसी भी तरह के संबंध से इनकार किया है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यालय ने ट्वीट कर लिखा कि- एनएसए लगा दिया गया है, बुलडोजर भी चला दिया गया है और अगर जरूरत पड़ी तो मामा जी अपराधियों को 10 फुट जमीन के नीचे भी गाड़ देंगे।

दिल्ली में सात फ्री की रेवड़ी देता हूं', MP में बोले केजरीवाल

'आप' को मौका दो, शिवराज मामा को भूल जाओगे...

केजरीवाल ने कहा कि बीजेपी-कांग्रेस ने मध्य प्रदेश को बदनाम किया। आज मध्यप्रदेश की चर्चा व्यापम घोटाले को लेकर है। दिल्ली को भी CWG-CNG-2G घोटाला वाला शहर कहा गया था। जबसे आप सरकार बनी है तब से दिल्ली की चर्चा स्कूल-मोहल्ला क्लीनिक, मुफ्त बिजली-पानी को लेकर आती है।

आम आदमी पार्टी लगातार देश के अलग-अलग राज्यों में विस्तार की कोशिश कर रही है। मध्यप्रदेश में इस साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। इसी कड़ी में आज दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल ग्वालियर में थे। उन्होंने भाजपा और कांग्रेस पर निशाना साधा और आप को मौका देने की अपील की। उन्होंने कहा कि दिल्ली में सात फ्री की रेवड़ी देता हूं इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमसे नाराज रहते हैं। उन्होंने कांग्रेस और भाजपा पर मध्य प्रदेश को बदनाम करने का आरोप लगाया।

केजरीवाल ने कहा कि बीजेपी-कांग्रेस ने मध्य प्रदेश को बदनाम किया। आज मध्यप्रदेश की चर्चा व्यापम घोटाले को लेकर है। दिल्ली को भी CWG-CNG-2G घोटाला वाला शहर कहा गया था। जबसे आप सरकार बनी है तब से दिल्ली की चर्चा स्कूल-मोहल्ला क्लीनिक, मुफ्त बिजली-पानी को लेकर आती है। उन्होंने कहा कि दिल्ली-पंजाब में बिजली का बिल जीरो और 24 घंटे बिजली आती है। मध्य प्रदेश में 200 यूनिट का बिल 2000 आता है और 10-10 घंटे बिजली नहीं आती। मैं दिल्ली में बिजली फ्री की तो पीएम मोदी नाराज हो गए। कहते हैं- मैं फ्री की रेवड़ी बाँट रहा हूँ। मोदी जी, आपको क्या असुविधा है? उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोगों ने भाजपा-कांग्रेस को उखाड़ फेंका। पंजाब के लोगों ने भी बीजेपी-कांग्रेस-अकाली दल को उखाड़ फेंका। आप सभी एक मौक़ा 'AAP' को देकर देखो, आप भी मामा शिवराज और उनके चेले चपाटों को भूल जाओगे।

केजरीवाल ने कहा कि मैंने दिल्ली वालों के हाथों में 7 फ्री की रेवड़ी रख दी। मुफ्त और 24 घंटे बिजली, मुफ़्त और साफ़ पानी, मुफ़्त तीर्थयात्रा, महिलाओं के लिए मुफ़्त बस सफ़र, शानदार स्कूल मुफ़्त मुफ़्त शिक्षा, शानदार मोहल्ला क्लिनिक-अस्पताल मुफ्त इलाज, युवाओं के लिए 12 लाख रोज़गार का सामान। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मध्य प्रदेश के लोगों को भी ये फ्री की रेवड़ी चाहिए। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने इतनी महंगाई कर रखी है, घर के खर्चे नहीं चलते— क्योंकि इन्होंने सरकारी खजाने की लूट मचा रखी है। मोदी जी के एक मित्र ने 34,000 करोड़ का Loan लिया। और दूसरे ने 22,000 करोड़ का। मोदी जी ने सारा इनका सारा लोन माफ़ कर दिया। ये आपके टैक्स का पैसा है।

आप नेता ने कहा कि बेईमानी करें मोदी जी, जेल भेजें मनिष सिसोदिया को? जिस मित्र के Modi जी ने 34,000 करोड़ माफ़ किए उसके लिए Free में किया क्या? कुछ तो लिया होगा। बता रहें हैं कुल मिलाकर 11 Lakh Crore रुपए माफ़ कर दिए मोदी जी ने। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक का बेटा मनिष सिसोदिया ग़रीबों के बच्चों को पढ़ाने निकला था। मनिष सिसोदिया ने दिल्ली में जगह-जगह शानदार स्कूल बनाये। आज वो जेल में हैं और बेईमान खुलेआम घूम रहे हैं। क्या नोट से भ्रष्टाचार-आतंकवाद ख़त्म हुआ? अगर पढ़ी-लिखी सरकार होती तो नोटबंदी नहीं करती। मोदी जी ने ख़ुद कहा है कि वो स्कूल तक पढ़े हैं। आज आधुनिक 21वीं सदी में भारत का PM पढ़ा-लिखा होना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने 5 वंदे भारत ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी

पटना और रांची के बीच कनेक्टिविटी को बढ़ाने वाली यह रेलगाड़ी पर्यटकों, छात्रों और व्यवसायियों के लिए वरदान साबित होगी।धारवाड़-बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस कर्नाटक-धारवाड़ और हुबली में महत्वपूर्ण शहरों को राज्य की राजधानी बेंगलुरु से जोड़ेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल का दौरा किया और देश के विभिन्न हिस्सों के अहम शहरों को जोड़ने वाली पांच वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। मोदी भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पहुंचे जहां से उन्होंने दो वंदे भारत ट्रेनों को प्रत्यक्ष तौर पर तथा तीन को तीन वर्चुअल माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और ज्योतिरादित्य सिंधिया सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। यह पहली बार है कि एक दिन में इतनी अधिक वंदे भारत ट्रेनें शुरू की गई हैं। इनमें से दो मध्य प्रदेश के लिए हैं, जहां साल के अंत तक विधानसभा चुनाव होने हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, ये ट्रेनें रानी कमलापति (भोपाल)-जबलपुर वंदे भारत एक्सप्रेस, रानी कमलापति (भोपाल)-इंदौर वंदे भारत एक्सप्रेस, मडगांव (गोवा)-मुंबई वंदे भारत एक्सप्रेस, धारवाड़-बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस, और हटिया (रांची)-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस हैं।

ये सभी सेमी हाई-स्पीड ट्रेनें हैं। रानी कमलापति (भोपाल)-इंदौर वंदे भारत एक्सप्रेस मध्य प्रदेश के दो महत्वपूर्ण शहरों के बीच सरल और त्वरित यात्रा की सुविधा प्रदान करेगी तथा क्षेत्र में सांस्कृतिक, पर्यटन एवं धार्मिक स्थानों की कनेक्टिविटी में सुधार लाएगी। वंदे भारत ट्रेन से भोपाल से इंदौर की 269 किलोमीटर की दूरी अब साढ़े तीन घंटे में तय हो जाएगी। वहीं, रानी कमलापति (भोपाल)-जबलपुर वंदे भारत एक्सप्रेस महाकौशल क्षेत्र (जबलपुर) को मध्य प्रदेश के मध्य क्षेत्र (भोपाल) से जोड़ेगी। इसके अतिरिक्त, बेहतर कनेक्टिविटी से क्षेत्र के पर्यटन स्थलों को भी लाभ होगा। इस ट्रेन के चलने से भोपाल से जबलपुर की 340 किलोमीटर की दूरी अब साढ़े चार घंटे में ही तय हो जाएगी।

हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका ने किया सर्वे

निवाड़ी से प्रदीप यादव प्रबल दावेदार टिकिट मिला तो जीत पक्की

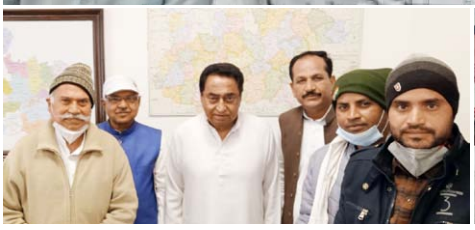

• रवि परिहार-रविकांत शर्मा की रिपोर्ट

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव इसी वर्ष होने जिसमे मात्र 4 से 5 महीने शेष है और चुनावी माहौल बनने लगा है इसी क्रम मे सभी पार्टियों के नेता अपने अपने टिकट की दावेदारी प्रस्तुत कर रहे है। इसी क्रम मे निवाडी सीट भी बहुत महत्वपूर्ण स्थान रखती है। इस सीट पर बाहरी बनाम स्थानीय का मुद्दा मतदाताओं को प्रभावित करेंगा साथ ही सहानुभूति लहर एवं उम्मीदवार का व्यवहार ओर उसका बैकग्राउंड भी महत्वपूर्ण रखेगा मतदाताओं के दिमाग में है।

यह बात हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका की टीम ने जो अभी तक सर्वे किया उसके अनुसार प्रदीप यादव निवाडी जनता ओर मतदाताओं की नजर मैं प्रथम स्थान रखते है मतदाताओं का कहना है कि प्रदीप यादव को कांग्रेस उम्मीदवार बनाती है तो निश्चित इनकी जीत होगी। साथ ही 2008 मैं प्रदीप यादव की हारने की टीस जनता के मन मे कही ना कही जगह बनाये हुए है। अब देखते है कि कांग्रेस पार्टी किस पर विस्वास करती है अभी कुछ महीने शेष है।

दतिया जिले के अंतर्गत आने बाली सेवड़ा विधानसभा के वर्तमान कांग्रेस विधायक घनश्याम सिंह जी से चर्चा

सेवड़ा की जनता के विश्वास पर खरा उतरा.. फिर जनता का आशीर्वाद प्राप्त करूंगा...

सेवड़ा विधायक घनश्याम सिंह से संपादक मनोज चतुर्वेदी से विशेष चर्चा

प्रश्न : आप वर्तमान मे सेवड़ा से कांग्रेस के विधायक के रूप मे है और अगले विधानसभा के चुनाव नजदीक है इस पर क्या कहना चाहेंगे ?

उत्तरः चुनाव लोक तंत्र का सबसे बड़ा त्योहार और पर्व है। इस पर्व मैं जीत हार जनता के हाथ मे होती है वो ही सर्वोपरि है। इसको इस तरह से भी कह सकते हो कि, हम जनता के दरवार मैं जाते तो बो ही हमारी परीक्षा लेती है और वो ही यह निर्णय करती है कि प्रत्याशी को पास करना है या फेल और यह निर्णय हमारे द्वारा सेवक के रूप मे किये गए कार्यो पर होता है।

मैंने हमेशा सेवड़ा विधानसभा की जनता निर्णय और आदेशों को सर आंखों पर रख कर पूर्ण रूप से पालन किया है। अगले विधानसभा चुनाव आने बाले है उस मैं फिर सेवड़ा की जनता के बीच जाकर आशिर्वाद लूंगा और मुझे विस्वास ही नही यकीन है कि सेवड़ा की जनता मुझे अपना आशिर्वाद अवश्य देगी।

प्रश्नः आप 5 वर्ष सेवड़ा विधानसभा की जनता के बीच रहकर कार्य कर रहे है क्या आपको लगता है कि, मुझे यह कार्य करना है जो बहुत जरूरी है और समय कम है?

उतरः देखिए मनोज जी जब हम जनता के आशीर्वाद से जन प्रतिनिधि का दायित्व संभाल ते है तो आप पर जिम्मेदारी बहुत होती है इसलिए आप जनता के कार्यो विकास से सम्बंधित सभी कार्यो के प्रति चिंता होती है और यह हमेशा चिंता रहती है कि इस कार्य को भी जल्दी ओर समय पर या समय से पहले पूर्ण कर लिया जाए और जो कार्य पूर्ण कर लिए जाते है तो खुशी भी मिलती है आपको यह सुनकर बहुत अच्छा लगेगा कि मैंने अपनी विधायक निधी से लगभग लगभग विकाश योजनाओं को पूर्ण कर लिया है। और जो शेष है उसे भी आचार सहिंता लगने से पूर्ण करने का प्रयास कर रहा हूँ।

प्रश्न : 20 23 के विधानसभा चुनावों के परिणाम क्या होंगे आपकी नजर मैं?

उतरः जैसा कि इस बार प्रदेश की जनता की आवाज है वो यही है कि, जनता कांग्रेस की सरकार बनाना चाहती और बो अपना आशीर्वाद देगी यह हमें उम्मीद है।

प्रश्नः वर्तमान में पार्टियों ओर नेताओ के बीच व्यक्तिगत और निजी टिप्पणी पर आप क्या कहना चाहेंगे?

उत्तरः यह बहुत अच्छा प्रश्न है राजनीतिक प्रतिद्वंद्वीनता अलग है लेकिन निजी टिप्पणी और व्यक्तिगत गलत टिप्पणी करना गलत है यह एक अच्छे राजनीति का हिस्सा नही बन सकता। इसलिए मैं इन चीजों से सहमत नही हूँ मेरे राजनीतिक कैरियर को देख लीजिए मैंने हमेशा इस बात का ध्यान रखा है और रखूंगा।

प्रश्नः- इसबर्ष होने बाले मध्यप्रदेश मैं विधानसभा मैं आप कितनी सीटों पर जीत का अनुमान लगाते है?

उतरः- देखिए मैं बस यही कहूंगा कि हम पूर्ण बहुमत से सरकार बनाने जा रहे है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं का काफिला ले लेकर पहुंचे नेता ग्वालियर...

आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए सभी कांग्रेसी नेता अपने अपने क्षेत्र विद्यायक के टिकट के लिए शक्ति प्रदर्शन कर रहे है इसी क्रम मे कॉग्रेश की ग्वालियर मै कांग्रेस राष्ट्रीय महामंत्री प्रियंका गांधी के नेतृत्व मैं हुई जनाक्रोश रैली मैं दूर दूर से सैकड़ो कार्यकर्ताओं लेकर उस क्षेत्र के नेता पहुँचे इसी क्रम मे निवाडी से कांग्रेस के कद्दावर नेता व प्रदेश कांग्रेस कमेटी मैं कई जिम्मेदारी निभा चुके और 2008 मैं कांग्रेस के टिकट पर निवाडी से विधायक का चुनाव लड़ चुके प्रदीप यादव 20 से 25 गाड़ियों के काफिले के साथ 200 लोगो को लेकर जनाक्रोश रैली मैं शामिल हुये ज्ञात हो प्रदीप यादव इस बार निवाडी के लोगो की पसंद बने

हुए है और इस वार के विधानसभा चुनावों मैं स्थानीय बनाव बाहरी मुद्दा हावी होगा जिसका फायदा प्रदीप यादव को औरों की अपेक्षा बढ़त दिलवा सकता इसी प्रकार डबरा से विधायक सुरेश राजे भी सैकड़ो लोगो को लेकर ग्वालियर पहुँचे ज्ञात हो सुरेश राजे ने उस समय की मंत्री जो कांग्रेस छोड़कर बी जे पी मैं आई थी और 3 -3 बार की विधायक इमरती देवी को शिकस्त दी थी । इस बार फिर मजबूती के साथ अपनी जीत को पक्की करने के लिए प्रयास रत सुरेश राजे भी इस सभा मे शामिल हुए इसमे डबरा से बरिष्ठ कांग्रेसी नेता विद्याभूषण शर्मा, कांग्रेस के पार्षद , समाज सेवी भी सुरेश राजे के साथ डबरा से ग्वालियर पहुँचे।

मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव की तैयारियों मैं जुटी कांग्रेस पार्टी...

रविकांत शर्मा • विशेष संवाददाता

कुछ महीनों के बाद पांच राज्यो मैं विधानसभा चुनाव सम्पन्न होने है उसकी तैयारियो मैं काँग्रेस पार्टी ने चुनावी शंखनाद की शुरूआत आज ग्वालियर मैं कॉग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय महामंत्री प्रियंका गांधी के नेतृत्व मैं जनाक्रोश रैली करके काँग्रेस पार्टी ने अपना शक्ति प्रदर्शन दिखाने की कोशिश की । यह रैली आयोजन मेला ग्राउन्ड मैं सभा को संबोधित करके हुआ। खास बात यह रही कि इस सभा मे मध्यप्रदेश के सभी नेता,कांग्रेस पार्टी के मध्यप्रदेश के विधायक ,पूर्व मंत्री मंच पर उपस्थित रहे । इस के माध्यम से एक जुट होने का कांग्रेस पार्टी ने संदेश देने का कार्य किया । साथ प्रियंका गांधी ने ग्वालियर आकर महारानी लक्ष्मीबाई की समाधि स्थल पर जाकर माल्यार्पण करके इस जनआक्रोश रैली ओर सभा को संबोधित किया। प्रियंका गाँधी में अपने भाषण मैं भारतीय जनता पार्टी पर हमला करते हुए कहा कि यह पार्टी ने मध्यप्रदेश को बर्वाद कर दिया यह पार्टी के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के नेतृत्व मैं मध्यप्रदेश विकास कार्य ,रोजगार मैं बहुत पीछे पहुच गया ,रोजगार खत्म हो गए, कानून व्यबस्था चरमरा गई है। यहाँ भ्रष्टाचार चारो ओर है। इसलिए कांग्रेस को इस बार पूर्ण बहुमत दें।

ग्वालियर में कांग्रेस के सभी नेताओं ने किया शक्तिप्रदर्शन, नेताओं-कार्यकर्ताओं में जोश

अरुण यादव पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष

डबरा से कांग्रेस विधायक,सुरेश राजे

वासुदेव शर्मा, महामंत्री मध्यप्रदेश कांग्रेस एवं भिंड प्रभारी

पूर्व विधायक दतिया राजेन्द भारती

सेवड़ा विधायक एवं कांग्रेस वरिष्ठ नेता घनश्याम सिंह

ग्वालियर में कांग्रेस पार्टी के द्वारा जनक्रोश रैली का आयोजन कर कांग्रेस ने कुछ महीनों बाद होने बाले मध्यप्रदेश के विधानसभा के चुनावों के लिए शंखनाद कर दिया और इस सभा मे कॉंग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय महामंत्री प्रियंका के नेतृत्व मैं मध्यप्रदेश मैं एक जुटता का संदेश दिया इन्होंने रानी लक्ष्मीबाई की समाधि पर जाकर सिंधिया को सांकेतिक संदेश देने की कोशिश की इस पर कांग्रेस नेताओ ने साधना न्यूज़ संवाददाता से चर्चा करते हुए जीत का दावा किया ।

प्रदीप यादव बरिष्ठ कांग्रेस नेता और आगामी मध्यप्रदेश के होने वाले विधानसभा के लिए निवाड़ी विधानसभा के लिए कांग्रेस के टिकट के प्रवल दावेदार

एक बार फिर मुश्किल में अडानी ग्रुप! अमेरिका में चल रही जांच

खबर आते ही 55 हजार करोड़ रुपए स्वाहा

रिपोर्ट इस बात पर प्रकाश डालती है कि पूछताछ अडानी समूह द्वारा उन निवेशकों को प्रदान की गई जानकारी पर केंद्रित है। अतिरिक्त सूत्रों ने उल्लेख किया कि प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) भी समूह के खिलाफ इसी तरह की जांच कर रहा है।

अडानी समूह के शेयरों में शुक्रवार को उस रिपोर्ट के बाद गिरावट आई, जिसमें संकेत दिया गया था कि अमेरिकी अधिकारी निवेशकों के लिए समूह के प्रतिनिधित्व की जांच कर रहे हैं, जो अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट से प्रेरित है। ब्लूमबर्ग के सूत्रों के अनुसार, अडानी समूह की कंपनियों में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी रखने वाले संस्थागत निवेशकों को कथित तौर पर ब्रुकलिन, न्यूयॉर्क में अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय से पूछताछ प्राप्त हुई है। अडानी के 10 के 10 शेयर लुढ़क गए। इन शेयरों में गिरावट के चलते एक ही झटके में कंपनी को 55,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

रिपोर्ट इस बात पर प्रकाश डालती है कि पूछताछ अडानी समूह द्वारा उन निवेशकों को प्रदान की गई जानकारी पर केंद्रित है। अतिरिक्त सूत्रों ने उल्लेख किया

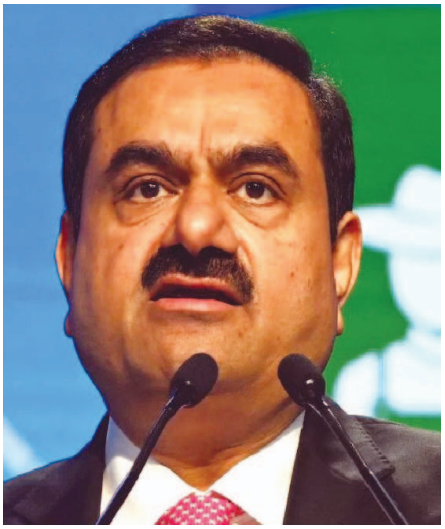

कि प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) भी समूह के खिलाफ इसी तरह की जांच कर रहा है। समूह की प्रमुख कंपनी अदानी एंटरप्राइजेज ने शुरुआती कारोबार में लगभग 9 प्रतिशत की शुरुआती गिरावट का अनुभव किया, हालांकि दोपहर 12 बजे तक इसमें कुछ सुधार हुआ। अदानी समूह के अधिकांश अन्य शेयरों में 2 प्रतिशत से 6 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई।

अमेरिकी जांच से अडानी ग्रुप को नुकसान होगा?

हालांकि अमेरिकी अभियोजकों से जानकारी के लिए अनुरोध का मतलब जरूरी नहीं कि आपराधिक या नागरिक कार्यवाही दायर की गई हो, अमेरिकी अधिकारियों द्वारा दिखाई गई रुचि अदानी समूह के लिए चिंताजनक है, जिसने हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के बाद एक मजबूत रिकवरी का मंचन किया था। शॉर्ट-सेलर ने समूह पर लंबे समय से चल रहे स्टॉक हेरफेर और लेखांकन धोखाधड़ी का आरोप लगाया था, इन आरोपों का अदानी समूह ने दृढ़ता से खंडन किया था।

इंडिगो- एयरबस सौदा भारतीय विमानन जगत के लिए उपलब्ध: श्री सिंधिया

नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को कहा कि घरेलू एयरलाइन इंडिगो की तरफ से विमान विनिर्माता एयरबस को 500 विमानों के लिए दिया गया ऑर्डर नागर विमानन के क्षेत्र में भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इंडिगो ने सोमवार को इस विमान खरीद समझौते की घोषणा करते हुए कहा था कि यूरोपीय विमान विनिर्माता एयरबस उसे ए320 सीरीज के 500 विमानों की आपूर्ति अगले दशक में करेगा। यह एयरबस को किसी भी एयरलाइन से मिला सबसे बड़ा ऑर्डर है। इस सौदे पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सिंधिया ने कहा, ''यह ऐतिहासिक सौदा एयर इंडिया की तरफ से एयरबस और बोइंग को संयुक्त रूप से दिए गए 470 विमानों के ऑर्डर से काफी साम्यता रखता है। दुनिया में किसी भी विमान विनिर्माता को किसी एयरलाइन से दिए गए इस सबसे बड़े ऑर्डर के साथ भारत ने एक और उपलब्धि हासिल कर ली है।'' उन्होंने कहा कि नागर विमानन के क्षेत्र में निवेश का गुणक प्रभाव होता है और इसमें लगाया गया प्रत्येक डॉलर वृद्धि के मामले में तिगुना साबित होता है। इसके अलावा इससे रोजगार भी कई गुना बढ़ जाता है।

आरएसएस-भाजपा को कोसने से बाज आएं सीएम गेहलोत- वसुंधरा राजे

दंगे गहलोत की तुष्टिकरण नीति करवाती है

पूर्व सीएम वसुन्धरा राजे ने बीजेपी और आरएसएस पर दंगे भड़काने के सीएम गहलोत के आरोपों पर करारा पलटवार करते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री आरएसएस और भाजपा को कोसने से बाज आएं। प्रदेश में दंगे आरएसएस और भाजपा नहीं अशोक गहलोत की तुष्टिकरण नीति करवाती है। पूर्व सीएम और बीजेपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे सिंधिया ने कहा-जितनी भी साम्प्रदायिक घटनायें हुई हैं, उनके पीछे कांग्रेस की वोटों की राजनीति है। पर्दे के पीछे रह कर आग लगाने का काम कांग्रेस का है। संघ और भाजपा तो कांग्रेस की लगाई हुई आग को बुझाते हैं। आये दिन संघ के ख़िलाफ़ एक ही राग अलापने वाले गहलोत शायद भूल गये कि देश की आजादी के समय जब पाकिस्तानी सेना ने कश्मीर सीमा लांघने की कोशिश की,तो सैनिकों के साथ संघ के स्वयंसेवकों ने मातृभूमि की रक्षा करते हुए प्राण दिए थे।

वसुंधरा राजे ने कहा कि मुख्यमंत्री बार-बार हिंदुत्व को ललकारने की गलती नहीं करें।क्योंकि हिंदुत्व कोई एजेंडा नहीं,36 की 36 कोमों और सब धर्मों का आदर करने वाली संस्कृति है।जिसके प्रवाह को न वो रोक सकते न उनकी कांग्रेस।उन्होंने कहा कि जिस संघ को लेकर उनकी नींद उड़ी हुई है,उसके स्वयं सेवक 1962 के युद्ध में सेना की मदद के लिए सीमा पर पहुंचे थे।फलस्वरूप पंडित जवाहर लाल नेहरू ने 1963 की गणतंत्र दिवस परेड में संघ को शामिल किया था।सीएम को पता होना चाहिए कश्मीर विलय के समय जब पाकिस्तानी सेना भेष बदल कर हमारी सीमा में घुस रही थी तब सरदार पटेल तथा 1965 में पाकिस्तान से युद्ध के समय लालबहादुर शास्त्री ने संघ से मदद माँगी थी और संघ ने जान हथेली पर रख कर सहयोग किया था। वह कोई और नहीं संघ ही था, जिसने दादरा,नगर हवेली और गोवा को पुर्तगालियों के कब्जे से मुक्त करा कर वहाँ भारत का झंडा फहराया था। वसुंधरा राजे ने सीएम अशोक गहलोत के एक दिन पहले आरएसएस और बीजेपी के खिलाफ दिए गए बयान पर यह करारा पलटवार किया है। अशोक गहलोत ने बुधवार को आरएसएस और बीजेपी पर बड़ा आरोप लगाते हुए जालोर सर्किट हाउस में मीडिया से बात करते हुए कहा कि बीजेपी और आरएसएस प्रदेश में दंगे करवाते हैं। ये लोगों को धर्म के नाम पर भड़काते हैं। बीजेपी गाय को लेकर राजनीति करती है, जबकि गायों की सेवा में हमेशा कांग्रेस आगे रही है।

हम गायों के नाम पर वोटों की बात नहीं करते हैं, तो क्या हम हिंदू नहीं हैं? उन्होंने कहा कि कुछ लोग तो सिर्फ राम मंदिर की राजनीति के लिए ही हिंदू बन गए, जबकि वो खुदको हिन्दू नहीं मानते हैं। राजनीति के लिए हिंदू धर्म को नहीं मानने वाले लोग भी हिंदू बन गए थे। उन्होंने कहा कि हम राजस्थान में बीजेपी का एजेंडा नहीं चलने देंगे।

रामायण मनोरंजन के लिए नहीं है : दीपिका चिखलिया

छत्तीस साल पहले रामानंद सागर के 'रामायण' धारावाहिक में देवी सीता की भूमिका निभाकर प्रसिद्ध हुईं अभिनेत्री दीपिका चिखलिया ने कहा है कि रामायण मनोरंजन के लिए नहीं है तथा हर कुछ वर्षों के बाद फिल्मकारों को फिर उन्हीं चीजों को लेकर आने से बचना चाहिए। ओम राउत निर्देशित फिल्म 'आदिपुरुष' को लेकर उठे विवाद के बीच उन्होंने कहा कि इस हिंदू महाकाव्य से किसी भी तरह के विचलन को आलोचना का सामना करना पड़ेगा। इस फिल्म में राम की भूमिका अभिनेता प्रभास ने और कृति सैनॉन ने सीता की भूमिका निभाई है। चिखलिया ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''हर बार जब यह पर्दे पर आता है, चाहे वह टीवी हो या फिल्म, तो उसमें कुछ न कुछ ऐसा होता है, जो लोगों को आहत करता है,।

क्योंकि हमने जो रामायण बनायी थी, आप वैसा नहीं बनाने जा रहे हैं।''आदिपुरुष' की कुछ संवादों, कुछ किरदारों के चित्रण आदि को लेकर आलोचना हो रही है। चिखलिया ने सीता के किरदार में अपना पुराना एक वीडियो साझा किया। वह 80 के दशक के उत्तरार्ध में इस किरदार से घर-घर में लोकप्रिय हो गयी थीं। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम एकाउंट पर यह क्लिप डालते हुए लिखा, '' यह पोस्ट लोगों की मांग पर है। मैंने इस किरदार को निभाने पर सदैव जो प्यार पाया, उसके लिए मैं आभारी हूं। ... सीताजी... के तौर मैं इससे ज्यादा और कुछ नहीं मांग सकती थी। उनके अनुसार हर फिल्मकार का अपना दृष्टिकोण होता है और वह कुछ अलग बनाना चाहता है। उन्होंने कहा, '' (लेकिन) जो बात मुझे पीड़ा पहुंचाती है, वह है कि क्यों हम हर साल-दो साल पर रामायण बनाने की कोशिश कर रहे हैं। रामायण कोई मनोरंजन के ल लिये नहीं है, यह कुछ ऐसा है जिससे आप सीखते हैं। यह ऐसी पुस्तक है जो पीढी-दर-पीढ़ी हमारे पास आयी है और यही हमारे संस्कार हैं। '' चिखलिया ने अब तक 'आदिपुरुष'नहीं देखी है और नकारात्मक चर्चा के कारण ऐसी संभावना भी नहीं लगती है कि वह यह फिल्म देखेंगी।

राजस्थान में बीजेपी की होगी प्रचंड जीत

अमित शाह बोले- 21 पार्टियां इकट्ठा होकर राहुल गांधी को PM बनाने निकली हैं

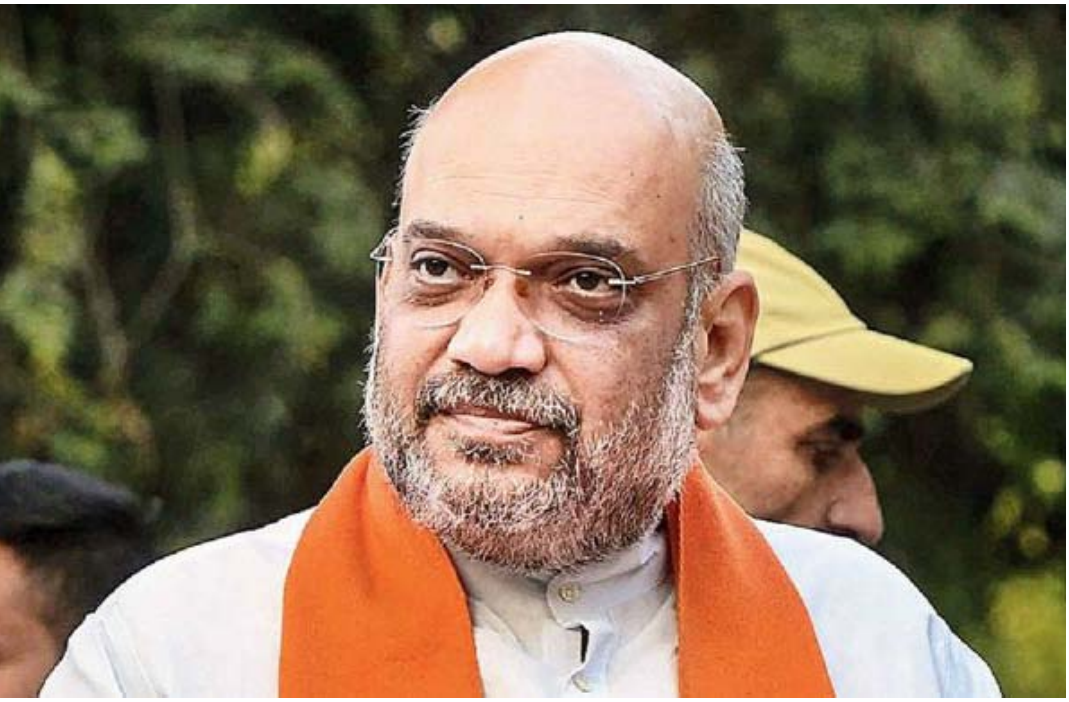

अमित शाह ने कहा कि अभी विपक्ष के सभी नेता पटना में एकत्रित हुए। 21 पार्टी के लोग थे। 21 लाख के घपले, घोटाले, भ्रष्टाचार करने वाले लोग इकट्ठे हुए थे...21 पार्टियां इकट्ठा होकर राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने निकली हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने आज राजस्थान के उदयपुर में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। राजस्थान में इस साल विधानसभा के चुनाव होने है। यही कारण है कि भाजपा नेता लगातार राजस्थान का दौरा कर रहे हैं। अमित शाह ने आज अपने संबोधन में राजस्थान की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा और केंद्र की मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने विपक्षी एकता पर भी तंज कसा और साफ तौर पर कहा कि नरेंद्र मोदी फिर से प्रधानमंत्री बनते हैं तो ये भ्रष्टाचार करने वाले जेल की सलाखों के पीछे जाएंगे।

विपक्षी एकता पर वार

अमित शाह ने कहा कि अभी विपक्ष के सभी नेता पटना में एकत्रित हुए। 21 पार्टी के लोग थे। 21 लाख के घपले, घोटाले, भ्रष्टाचार करने वाले लोग इकट्ठे हुए थे...21 पार्टियां इकट्ठा होकर राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने निकली हैं। उन्होंने अपना हमला जारी रखते हुए कहा कि राहुल बाबा अगर प्रधानमंत्री बनते हैं तो ये घपले, घोटाले, भ्रष्टाचार भारत की नियती बन जाएंगी। मोदी जी फिर से प्रधानमंत्री बनते हैं तो ये भ्रष्टाचार करने वाले जेल की सलाखों के पीछे जाएंगे।

गहलोत पर निशानाः भाजपा नेता ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ये गहलोत जी खामखा में इस उम्र में इधर-उधर घूम रहे हैं, उन्हें कोई उन्हें इस सभा का वीडियो दिखा दे तो उनको मालूम पड़ जाएगा कि उनकी सरकार के जाने का समय हो गया है। उन्होंने कहा कि आज जो नजारा मेवाड़ की धरती पर मेरे सामने है वो बताता है कि 2023 और 2024 में पूर्ण बहुमत की भाजपा सरकार बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि मेवाड़ की ये भूमि त्याग-बलिदान और भक्ति की भूमि है। यह भूमि भारतीय जनता पार्टी का गढ़ है और इसी भूमि से ही भाजपा की विजय पताका निकलती है। गहलोत जी, 2023 में बीजेपी राजस्थान में जीत के सारे रिकॉर्ड तोड़ कर, प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है।

साबरमती 'रिवर फ्रंट' सामाजिक,सांस्कृतिक गतिविधियों का केन्द्र

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि साबरमती 'रिवर फ्रंट' अहमदाबाद में सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का केन्द्र बन गया है। शाह ने नदी में 'अक्षर रिवर क्रूज' का डिजिटल तरीके से उद्घाटन भी किया। शाह ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए लोगों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना की और कहा कि जब मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने कई ऐसी पहल की थीं, जिससे राज्य में पर्यटकों की संख्या बढ़ाने में मदद मिली। शाह ने कहा कि जब वह 1978 में अहमदाबाद में आकर बसे तो वह 'रिवरफ्रंट' का निर्माण होने तक कभी साबरमती नदी देखने नहीं गए। उन्होंने कहा कि तब नदी में सिर्फ गंदा पानी हुआ करता था।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा, ''तत्कालीन मुख्यमंत्री मोदी ने पहली बार 'रिवर फ्रंट' की कल्पना की और इसके लिए योजना बनाई और उसका निर्माण भी उनके मुख्यमंत्री रहते ही हुआ। 'रिवर फ्रंट' को न केवल अहमदाबाद में बल्कि देश-विदेश में भी जाना जाता है और यह पर्यटन का केन्द्र बन गया है।'' उन्होंने कहा, ''यह विभिन्न गतिविधियों का केन्द्र बन गया है। सुबह के वक्त लोग यहां सैर करते हैं, शाम के वक्त बुजुर्ग सैर करते हैं, बच्चे और युवा खेलते हैं। आज साबरमती रिवर फ्रंट अहमदाबाद के सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का केन्द्र बन गया है।'' शाह ने कहा कि 'रिवर फ्रंट' में 'अक्षर रिवर क्रूज' शहर के लिए नए आकर्षण का केन्द्र बनेगा। उन्होंने कहा कि दो इंजन वाला 30 मीटर लंबा 'लक्जरी क्रूज' दो घंटे की यात्रा के साथ पर्यटन को बढ़ावा देने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि इसमें संगीत कार्यक्रम, भोजन आदि की भी सुविधा होगी।

सबसे बड़ा क्रूज... 'आइकॉन ऑफ द सीज' पहली बार रवाना हुआ

रिपोर्ट्स की मानें तो 450 से अधिक विशेषज्ञों ने जहाज का प्रीलिमिनरी टेस्ट लिया है। इसमें जहाज के इंजन, प्रोपेलर आदि की जांच की गई है। इससे वाइब्रेशन और नॉइस के लेवल की जांच हुई है। प्रारंभिक परीक्षण किए जाने के बाद ही जहाज मेयर तुर्कू शिपयार्ड में लौट आया है।

जीवन में क्रूज पर सफर करना कई लोगों का सपना होता है। क्रूज अपने आप में पानी में तैरता हुआ पूरा शहर होता है, जिसमें तमाम सुख सुविधाएं होती है। विदेशों में कई ऐसे शानदार और आलीशान क्रूज हैं जिनपर यात्रा करना व्यक्ति चाहता है। वर्तमान में सबसे बड़ा क्रूज जहाज अपनी पहली यात्रा पर निकल चुका है। फिनलैंड के तुर्कू से 22 जून को ये जहाज 'आइकॉन ऑफ द सीज' अपनी पहली यात्रा पर निकल चुका है। आधिकारिक तौर पर ये अपनी पहली महासागर की यात्रा के लिए रवाना हुआ है। रिपोर्ट्स के अनुसार रॉयल कैरेबियन इंटरनेशनल का आइकॉन ऑफ द सीज 365 मीटर लंबा एक विशाल क्रूज जहाज है। इसका वजन 250,800 टन के आसपास है। ये जहाज अपने आप में एक शहर है जो पानी पर तैर रहा है।

तमाम सुख सुविधाओं से भरपूर यह जहाज लगभग 5,610 यात्रियों और 2,350 चालक दल के सदस्यों को लेकर चल रहा है। रिपोर्ट्स की मानें तो 450 से अधिक विशेषज्ञों ने जहाज के बो, मुख्य इंजन, प्रोपेलर पर चार दिनों तक प्रारंभिक परीक्षण करने के साथ-साथ कंपन और शोर के स्तर की जांच की थी, जिसके बाद इस जहाज को पानी में उतारने की मंजूरी दी गई। प्रारंभिक परीक्षण किए जाने के बाद ही जहाज मेयर तुर्कू शिपयार्ड में लौट आया, और जनवरी 2024 में दक्षिण फ्लोरिडा से बाहर निकलने के लिए भी तैयार है।

कुछ असाधारण विशेषताएं

यह क्रूज बेहद शानदार है जिसमें आने वाले महमान यात्रियों के लिए दुनिया का सबसे बड़ा वॉटरपार्क जहाज पर ही उपलब्ध होगा। इसमें छह वाटर स्लाइड्स भी दी गई है। इसका जिक्र करते हुए रॉयल कैरेबियन ने कहा कि यह एक रोमांचक अनुभव होगा जिसकी कल्पना करने की किसी ने कभी हिम्मत नहीं की थी, और जहां अगले स्तर का सपना संभव हो गया है। रॉयल कैरेबियन के मुताबिक ''समुद्र के सबसे बड़े वाटरपार्क में अपने उत्साह को बढ़ने देना यात्रियों के लिए सुखद अनुभव होगा।

मियामी से शुरू होगी यात्रा

इस शानदार क्रूज पर पर्यटक मियामी में अपनी यात्रा शुरू कर सकते हैं। आइकॉन पर सात रातें बिता सकते हैं, पूर्वी या पश्चिमी कैरेबियन के माध्यम से कॉल के बंदरगाहों के माध्यम से नौकायन कर सकते हैं। इस क्रूज पर यात्रियों के लिए एक रिज़ॉर्ट गेटअवे, एक थीम पार्क, एक बीच और जहाज पर पीने, खाने, पीने और मनोरंजन करने के 40 से अधिक विकल्प उपलब्ध होंगे। वहीं अति उत्साहित लोगों के लिए इस क्रूज पर खास इंतजाम भी है। यहां सात खास पूल और नौ वर्लपूल हैं जिसमें आनंद लिया जा सकता हैं।

अपहरण कर ले गया था 600 किमी दूर

फिर भारतीय छात्रा को पूर्व प्रेमी ने जमीन में जिंदा दफनाया

रिपोर्टों के मुताबिक, सिंह ने कौर के गले पर घाव किए, लेकिन इतने गहरे नहीं कि उसकी मौत हो सके। बाद में उसे दक्षिण ऑस्ट्रेलिया राज्य के सुदूर फ्लिंडर्स रेंज में एक उथली कब्र में जिंदा दफना दिया गया। सुप्रीम कोर्ट में सजा सुनाए जाने के दौरान घटना का भयावह विवरण सामने आया।

ऑस्ट्रेलिया में एक भारतीय नर्सिंग छात्रा का मार्च, 2021 में उसके पूर्व प्रेमी ने रिश्ता खत्म करने के बाद प्रतिशोध की कार्रवाई में अपहरण कर लिया और उसे जिंदा दफना दिया। अदालत में मामले को लेकर सुनवाई हुई। एडिलेड शहर की जसमीन कौर को तारिकजोत सिंह ने पीड़ा झेलनी पड़ी। सिंह ने अदालत में अपनी हत्या का दोष स्वीकार किया। news.com.au ने एक रिपोर्ट में कहा कि 21 वर्षीय कौर को 5 मार्च, 2021 को सिंह ने उसके कार्यस्थल से अपहरण कर लिया था। उन्होंने कौर को एक कार के बूट में केबल संबंधों से बांधकर 650 किमी से अधिक तक चलाया, जिसे सिंह ने एक दोस्त से उधार लिया था।

रिपोर्टों के मुताबिक, सिंह ने कौर के गले पर घाव किए, लेकिन इतने गहरे नहीं कि उसकी मौत हो सके। बाद में उसे दक्षिण ऑस्ट्रेलिया राज्य के सुदूर फ्लिंडर्स रेंज में एक उथली कब्र में जिंदा दफना दिया गया। सुप्रीम कोर्ट में सजा सुनाए जाने के दौरान घटना का भयावह विवरण सामने आया। अभियोजक कारमेन माटेओ ने कहा कि हत्या प्रभावी नहीं थी और कौर को पूर्ण आतंक का सामना करना पड़ा। माटेओ ने कहा कि उसकी पीड़ा इस बात समझ सकते हैं कि जब वह उसे मिट्टी में दफना रहा होगा तो मिट्टी उसके गले में जा रही होगी और उस समय उसको सांस लेने में काफी दिक्कत हो रही होगी। सजा संबंधी दलीलें सुनने के लिए कौर की मां-पिता भी अदालत में मौजूद थे।

जेपी नड्डा बोले- बीते 9 साल में हम ब्रिटेन को पछाड़ पांचवें नंबर की अर्थव्यवस्था बन गए

कांग्रेस ने तीनों लोक में किए कई घोटाले

अपने बयान में उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में कमलनाथ की सरकार आई तो उन्होंने विकास की गंगा को अवरुद्ध किया। उस अवरुद्ध के बाद जब दोबारा शिवराज सिंह चौहान ने शासन संभाला उन्होंने विकास की गंगा को फिर से बढ़ाया। भाजपा चुनावी राज्यों पर फोकस कर रही है। मध्य प्रदेश में साल के आखिर में विधानसभा के चुनाव होने है।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा आज मध्य प्रदेश के खरगोन पहुंचे हैं। मध्य प्रदेश के खरगोन में उन्होंने एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। नड्डा ने कहा कि मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार ने विकास का काम किया है। उन्होंने कांग्रेस पर विकास के कामों में अड़ंगा लगाने का भी आरोप लगाया है। अपने बयान में उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में कमलनाथ की सरकार आई तो उन्होंने विकास की गंगा को अवरुद्ध किया। उस अवरुद्ध के बाद जब दोबारा शिवराज सिंह चौहान ने शासन संभाला उन्होंने विकास की गंगा को फिर से बढ़ाया।

मोदी के नेतृत्व में विकास

जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सिर्फ सरकार ही नहीं बदली, हम सिर्फ विकास की तरफ ही नहीं बढ़े बल्कि उन्होंने भारत की राजनीति की संस्कृति, कार्य करने का तरीका बदल दिया और नई संस्कृति पैदा की। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में बीते 9 साल में हाइवे बनाने के लिए 27 हजार करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। इंदौर और भोपाल में बन रही नई मेट्रो लाइंस के काम को भी आगे बढ़ाया जा रहा है। देवास में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा बनाए जाने का भी प्रस्ताव है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि हमारी दोनों सरकारें यानी मोदी जी की और शिवराज सिंह चौहान जी की सरकारें 'pro responsive' सरकारें हैं... ये 'pro active' सरकार हैं। उन्होंने कहा कि 9 साल पहले भ्रष्टाचारी देशों में भारत का नाम आता था, 2G घोटाला, कोल घोटाला, हेलीकॉप्टर घोटाला, कॉमनवेल्थ गेम्स में घोटाला ... कांग्रेस ने तीनों लोक में घोटाले किए। लेकिन अब 9 सालों के बाद हम ब्रिटेन को पछाड़ कर पांचवें नंबर की अर्थव्यवस्था बन गए हैं। उन्होंने कहा कि आज ये विपक्ष और कांग्रेस के लोग... कोई मोदी जी को नीच कह रहा है, कोई अनपढ़ कह रहा है, कोई सांप कह रहा है, कोई बिच्छू कह रहा है, कोई चाय वाला कह रहा है। ये भूल जाते हैं कि देश की 140 करोड़ जनता मोदी जी के साथ खड़ी है और मोदी जी को आगे बढ़ने का काम कर रही है।

कमलनाथ पर वार

कांग्रेस नेता और पूर्व सीएम कमलनाथ पर निशाना साधते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि मध्य प्रदेश में कमलनाथ की सरकार आई तो उन्होंने विकास की गंगा को अविरुद्ध किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने 9 साल में 14 मेडिकल कॉलेज खोले हैं। डबल इंजन की सरकार विकास की दृष्टि से कितना काम कर रही है ये आप सभी जानते ही हैं। कमलनाथ ने लाड़ली योजना रोक दी थी अब आप नवंबर में कमलनाथ जी को रोक दीजिए... इन्हें घर पर बिठा दीजिए। उन्होंने कहा कि करगिल का चैप्टर कमलनाथ की सरकार ने बच्चों के सिलेबस से निकल दिया था... इस तरह का काम कमलनाथ ने अपने कार्यकाल में किया था। ये हमारी सेना का अपमान है और अब नवंबर में आपको कमलनाथ का ही चैप्टर गायब कर देना है।

डीसीपी के ऑफिस में लगा बागेश्वर बाबा का दरबार

दिल्ली पुलिस के जवान लोगों की सुरक्षा में तैनात रहते हैं। हालांकि, वह भी अपनी आस्था को रोक नहीं पाए। बताया जा रहा है कि दिल्ली पुलिस के पूर्वी जिला के डीसीपी बाबा की भक्ति में डूबे हुए नजर आए।

पिछले दिनों बागेश्वर धाम सरकार के नाम से मशहूर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री दिल्ली में थे। दिल्ली दरबार में लाखों की भीड़ लगी थी। दिल्ली में भी उनके प्रशंसक उनके दरबार में पहुंच रहे थे। दिल्ली में भी बागेश्वर बाबा आस्था के केंद्र बन चुके थे। जबरदस्त बारिश के बावजूद भी बागेश्वर बाबा के भक्तों का उत्साह कम नहीं हुआ। वह डटे रहे। लोक तो लोग, दिल्ली पुलिस के अधिकारी भी बागेश्वर बाबा के आस्था में लगे रहे। इसी कड़ी में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में दिल्ली पुलिस के डीसीपी ऑफिस में बाबा बागेश्वर का दरबार लगा है। दिल्ली पुलिस के जवान लोगों की सुरक्षा में तैनात रहते हैं। हालांकि, वह भी अपनी आस्था को रोक नहीं पाए। बताया जा रहा है कि दिल्ली पुलिस के पूर्वी जिला के डीसीपी बाबा की भक्ति में डूबे हुए नजर आए। वर्दी में होने के बावजूद भी उन्होंने अपना सिर झुका कर बाबा का आशीर्वाद लिया। दिल्ली पुलिस बाबा की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रही थी। दिल्ली आगमन का लाभ लेते हुए दिल्ली पुलिस के डीसीपी ऑफिस में बाबा बागेश्वर को ले जाया गया। बाबा बागेश्वर ने यहां पुलिस अधिकारियों के लिए खास दरबार लगाया। इस दौरान पुलिसकर्मियों में उत्सुकता भी देखी गई। बाबा के दरबार में पुलिस अधिकारी उनके दर्शन और वक्तव्य का लाभ लेते दिखाई दे रहे हैं।

इस दौरान ज्यादातर पुलिसकर्मियों को अपने भविष्य के बारे में जानने की इच्छा थी। पुलिसकर्मी भी लगातार बाबा से मिलते रहे। यह दरबार लगभग 1 घंटे तक लगा रहा। इसके बाद बाबा डीसीपी ऑफिस से निकलकर सीधे अपने विश्राम स्थल के लिए रवाना हो गए। इस दौरान सभी पुलिसकर्मी हाथ जोड़े खड़े रहे। डीसीपी ईस्ट ने बाबा का सिर झुकाकर अभिवादन किया।

चुनावी मौसम में सरकार का बड़ा ऐलान

प्रदेश के स्कूलों में पढ़ाए जाएंगे वीर सावरकर...

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत केंद्रित शिक्षा पर काम कर रही है। अब देश के लिए काम करने वाले ही देश के हीरो बनेंगे और विद्यार्थियों को स्कूली पाठ्यक्रम के जरिए इन शख्सियतों के बारे में पता चलेगा।

मध्य प्रदेश सरकार ने राज्य बोर्ड के छात्रों के लिए वीर सावरकर की जीवनी को अनिवार्य विषय के रूप में शामिल करने का निर्णय लिया है। मध्य प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने देश के स्कूली पाठ्यक्रम की आलोचना करते हुए कहा है कि कांग्रेस ने भारत के सच्चे क्रांतिकारियों के बारे में नहीं पढ़ाया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हम सच्चे नायकों की जीवनियां शामिल करेंगे और नए पाठ्यक्रम में वीर सावरकर, भगवद गीता संदेश, भगवान परशुराम, भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु और अन्य शामिल होंगे।

कांग्रेस ने की आलोचना : राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत केंद्रित शिक्षा पर काम कर रही है। अब देश के लिए काम करने वाले ही देश के हीरो बनेंगे और विद्यार्थियों को स्कूली पाठ्यक्रम के जरिए इन शख्सियतों के बारे में पता चलेगा। परमार ने कहा, इसलिए हम नए पाठ्यक्रम में कई महापुरुषों की जीवनियां जोड़ेंगे। उनकी टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए, मध्य प्रदेश कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वे सावरकर को शामिल करना चाहते हैं। उन्होंने अंग्रेजों से माफी मांगी और उन्हें पाठ्यक्रम में शामिल करना स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान है।

यूपी सरकार ने भी लिया है फैसला

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (उप्र बोर्ड) ने नौवीं से 12वीं तक की कक्षा के नैतिक, योग, खेल एवं शारीरिक शिक्षा पाठ्यक्रम में विनायक दामोदर सावरकर, छत्रपति शिवाजी, बिरसा मुंडा सहित 50 महापुरुषों की जीवनगाथा शामिल की है। वहीं महाराष्ट्र सरकार ने 'वर्सोवा-बांद्रा सी लिंक' का नाम बदल कर हिंदुत्व विचारक वी. डी. सावरकर और 'मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक' (एमटीएचएल) का पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर रखने के प्रस्ताव को बुधवार को मंजूरी दे दी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि वर्सोवा बांद्रा सी लिंक को स्वातंत्र्यवीर सावरकर सागरी सेतु और एमटीएचएल को अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति शिवडी-न्हावा शेवा अटल सेतु के नाम से जाना जाएगा।

आफिसों में खुलेंगे झूलाघर, महिला कर्मियों को होगी सुविधा

सरकारी आफिसों में जल्द ही झूलाघर खोले जा सकते हैं। इसका मकसद आफिस में काम करने वाली महिला कर्मचारियों को सवेतनिक मेटरनिटी अवकाश को कम करना बताया जा रहा है। अगर यह प्रयोग सफल रहा तो इंदौर ही नहीं अन्य जिलों के सरकारी दफ्तरों में भी ऐसी ही व्यवस्था की जाएगी।

विभागीय सूत्रों के अनुसार सरकारी कार्यालयों में प्रति वर्ष 2 से 4 महिला कर्मचारी ऐसी होती हैं, जो प्रसूति अवकाश पर जाती हैं। इस कारण न कार्यालयों का काम तो प्रभावित होता ही है, साथ ही ऑफिस में आने वाले लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। अवकाश सवैतनिक होने से सरकार को भी आर्थिक नुकसान होता है।

उधर छुट्टी पर जाने वाले कर्मचारी का कार्यभार जिसे सौंपा जाता है, उसके ऊपर अपने कार्य के साथ ही अन्य प्रभार भी होता है, इसलिए ऐसा प्रयोग किया जा रहा है कि शहर के सरकारी कार्यालयों में महिला कर्मचारियों के लिए झूलाघर खोलने की तैयारी की जा रही है। इसका प्रस्ताव बनाकर सरकार को भेजा जा चुका है। विभागीय अधिकारियों को आशा है कि शासन इसे मंजूरी दे देगा। इसके बाद योजना को मूर्त रूप दिया जाएगा।

हर विभाग में कार्यरत हैं सैकड़ों महिलाएं

विभागीय जानकारी अनुसार वर्तमान में लगभग हर विभाग में महिलाओं की संख्या अच्छी खासी है। ऐसे में सरकारी विभागों में सैकड़ों की संख्या में महिलाए कार्यरत हैं। अधिकारियों की मानें तो हर वर्ष हर विभाग से 2-4 महिलाएं प्रसूति अवकाश पर जाती हैं। आफिसों में ही झूलाघर बनाए जाने से महिला कर्मचारियों को भी फायदा होगा।

पांच राज्यों में एक तिहाई छात्र होंगे मध्याह्न भोजन के दायरे से बाहर..

केंद्र सरकार ने व्यवस्था तैयार करने को कहा

पीएबी ने सुझाव दिया है कि राज्य सरकार आंकड़ों की प्रमाणिकता की जांच के लिए विशेष कदम उठाए और इस बारे में की गई कार्रवाई को लेकर रिपोर्ट पेश करे।

देश के पांच राज्यों बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्यप्रदेश और झारखंड के स्कूलों में नामांकित कुल बच्चों में से औसतन लगभग एक तिहाई छात्रों के वर्ष 2022-23 की तीन तिमाही के दौरान मध्याह्न भोजन योजना के दायरे से बाहर रहने पर कड़ा संज्ञान लेते हुए केंद्र सरकार ने इन राज्यों से कवरेज बढ़ाने के लिए व्यवस्था तैयार करने को कहा है। साथ ही शिक्षा मंत्रालय ने कुछ राज्यों से योजना के आंकड़ों की प्रमाणिकता की जांच करने और विसंगतियां दूर करने के लिए सुधारात्मक कदम उठाने को कहा है। वर्ष 2023-24 के लिए शिक्षा मंत्रालय के अधीन पीएम पोषण योजना की वार्षिक कार्य योजना एवं बजट पर, कार्यक्रम मंजूरी बोर्ड (पीएबी) की बैठक के कार्यवृत (मिनट्स) से यह जानकारी मिली है। यह बैठक मार्च से मई महीने के बीच हुई थी।

कार्यवृत में अप्रैल से दिसंबर 2022 तक राज्यों में मध्याह्न भोजन के प्रदर्शन की समीक्षा का लेखाजोखा प्रस्तुत करते हुए कहा गया है कि स्कूलों में दाखिले की तुलना में मध्याह्न भोजन प्राप्त करने वाले छात्रों का औसत प्रतिशत इन पांच राज्यों में भी सबसे ज्यादा खराब बिहार (57 प्रतिशत) और उत्तर प्रदेश (57.37 प्रतिशत) है जबकि दिल्ली(60 प्रतिशत), मध्यप्रदेश (68.81 प्रतिशत), झारखंड (69 प्रतिशत) की स्थिति थोड़ी बेहतर है। इसके अलावा, दाखिले की तुलना में मध्याह्न भोजन प्राप्त करने वाले छात्रों का औसत तेलंगाना में 79 प्रतिशत, असम में 82 प्रतिशत, उत्तराखंड में 83 प्रतिशत, त्रिपुरा में 86 प्रतिशत, पंजाब और मणिपुर में 87 प्रतिशत, तमिलनाडु में 88 प्रतिशत, मेघालय में 89 प्रतिशत दर्ज किया गया। कार्यक्रम मंजूरी बोर्ड (पीएबी) ने इन राज्यों में दाखिले की तुलना में कम संख्या में छात्रों के मध्याह्न भोजन मिलने पर संज्ञान लेते हुए इन राज्यों से ऐसी कोई व्यवस्था तैयार करने को कहा जिससे अधिक संख्या में नामांकित छात्रों को इस कार्यक्रम के दायरे में लाया जा सके।

वहीं, मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराने को लेकर पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, केरल, मध्यप्रदेश सरकार के आंकड़ों पर केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने सवाल भी उठाया है। मंत्रालय ने इन राज्यों से आंकड़ों की प्रमाणिकता की जांच करने और विसंगतियां दूर करने के लिए सुधारात्मक कदम उठाने को कहा है। कर्नाटक में दाखिले की तुलना में मध्याह्न भोजन प्राप्त करने वाले छात्रों का औसत प्रतिशत प्राथमिक कक्षा के स्तर पर 95 प्रतिशत और उच्च प्राथमिक स्तर पर भी 95 प्रतिशत दर्ज किया गया। इस पर, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव ने कहा कि कर्नाटक के सभी जिलों में 95 प्रतिशत का कवरेज असंगत एवं त्रुटिपूर्ण लग रहा है। उन्होंने राज्य सरकार से इन विसंगतियों पर ध्यान देने और उपयुक्त उपचारात्मक कदम उठाने का सुझाव दिया है। दस्तावेज के अनुसार, मध्यप्रदेश में दाखिले की तुलना में मध्याह्न भोजन प्राप्त करने वाले छात्रों का औसत प्रतिशत प्राथमिक कक्षा के स्तर पर 68.78 प्रतिशत और उच्च प्राथमिक कक्षा के स्तर पर 68.86 प्रतिशत दर्ज किया गया।

केंद्र ने राज्य सरकार को दिया अल्टीमेटम

केंद्र से मिली राशि में से 75% खर्च नहीं हुई तो अगली किस्त रुकेगी

केंद्र की सहायता से चल रही (सीएसएस) योजनाओं में 75 प्रतिशत से कम राशि खर्च होने पर अगली किस्त का भुगतान रोक दिया जाएगा। यानी 100 करोड़ रुपए में से 76 करोड़ रुपए खर्च करने होंगे, तभी केंद्र से अगली किस्त का भुगतान होगा। प्रदेश में 28 से ज्यादा ऐसी योजनाएं हैं जिनमें केंद्र सरकार अनुदान देती है। इनमें से एक ही योजना के अंतर्गत कई योजनाएं चल रही हैं।

इस प्रकार की सभी योजनाओं की संख्या 200 के करीब हैं। इन योजनाओं के लिए इस साल केंद्र से 44113 करोड़ रुपए की राशि मिलना है। पिछले साल यानी 1 अप्रैल से 31 मार्च 2023 तक इन योजनाओं के संचालन के लिए 37488 करोड़ रुपए की राशि मिलनी थी, जिसमें से 7107 करोड़ रुपए कम मिले। दरअसल, 23 मार्च 2022 के पहले तक केंद्र प्रवर्तित योजनाओं के लिए मिलने वाली राशि को राज्य की संचित निधि में जमा कर लिया जाता था, जिससे इन योजनाओं के संचालन में खर्च का सही ब्योरा सामने नहीं आ पाता था। इस स्थिति को देखते हुए केंद्र की ओर से राज्य सरकार को निर्देश जारी कर कहा गया कि हर एक डिपार्टमेंट का एक एसएनए अकाउंट होगा।

इस खाते में केंद्र और राज्य की हिस्सेदारी 60 अनुपात 40 को रखा जाएगा। इसमें राज्य के हिस्से की 40 प्रतिशत राशि होना तो जरूरी होगा ही, केंद्र से मिलने वाली 60 प्रतिशत राशि का जब तक 75 प्रतिशत खर्च नहीं होती, तब तक अगली किस्त जारी नहीं की जाएगी।

इनमें मिलनी है राशि

- पीएम आवास योजना में इस साल 3500 करोड़ रुपए ज्यादा मिलना हैं। प्रदेश में अभी 2 लाख 75 हजार मकानों का बनाए जाने के लिए 5 हजार करोड़ रुपए की जरूरत।
- अफोर्डेबल स्कीम के तहत बनने वाले 1 लाख मकानों में से 50 हजार बन चुके हैं। बाकी के लिए 900 करोड़ की जरूरत।
- ऑपरेशन कायाकल्प के लिए 800 करोड़ की जरूरत, जिसकी पूर्ति सीएसएस से होगी।
- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में सड़कों के लिए 1200 करोड़ रुपए की जरूरत।
- बालिकाओं और महिलाओं के कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं के मानदेय का 350 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा सकेगा।
- समग्र शिक्षा अभियान में गणवेश वितरण और अन्य कार्यक्रमों के संचालन के लिए राशि।

वित्त विभाग ने लिखा पत्र

इस मामले में भारत सरकार ने निर्देश जारी किए हैं। इसके बाद वित्त विभाग ने सभी विभागों को पत्र लिखा है। केंद्र के सामने यह बात भी आई है कि इस तरह की योजनाओं के संचालन में राज्यों का लचीलापन सामने आया है। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने इस बारे में विभाग से संज्ञान लेने को कहा है।

जीतू पटवारी समेत 4 को 1 साल की सजा

कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री जीतू पटवारी समेत 4 लोगों को शासकीय कार्य में बाधा डालने के मामले में एक साल की सजा सुनाई गई है। एमपी-एमएलए कोर्ट ने साल 2009 के मामले में ये फैसला सुनाया है। इन पर 10-10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है।

पटवारी समेत 17 लोगों के खिलाफ साल 2009 में राजगढ़ में बलवा समेत शासकीय कार्य में बाधा डालने की एफआईआर दर्ज की गई थी। इन पर आईपीसी की धारा 148, 294, 353, 332, 332/149, 323, 323/149 , 506(2), 336, 427 और प्रिवेंशन ऑफ डैमेज टू पब्लिक प्रॉपर्टी एक्ट 1984 के सेक्शन 3 के तहत आरोप लगाए गए थे। इसी मामले में शनिवार को विधायक जीतू पटवारी, उज्जैन कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष सुरेंद्र मरमट, घनश्याम वर्मा और पूर्व विधायक राजगढ़ कृष्णमोहन मालवीय को सजा सुनाई गई है। इस दौरान पटवारी खुद कोर्ट में मौजूद रहे। वहीं कोर्ट ने 14 आरोपियों को नोटिस जारी किया है। ये लोग कोर्ट में उपस्थित नहीं हुए थे। विधायक पटवारी के वकील अजय गुप्ता ने कहा, 'इस फैसले से जीतू पटवारी की विधायकी पर कोई असर नहीं पड़ेगा। हम अपर कोर्ट में अपील भी करेंगे। ' कांग्रेस ने राजगढ़ में 2009 में किसानों को लेकर सरकार के खिलाफ आंदोलन किया था। इसका नेतृत्व पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह कर रहे थे। कांग्रेस नेता कलेक्टर कार्यालय में ज्ञापन देने जा रहे थे। इसी दौरान किसी ने पत्थरबाजी शुरू कर दी। घटना बलवा में बदल गई थी। दिग्विजय सिंह को भी चोट आई थी।

फैसले के बाद जीतू पटवारी ने कहा कि कोर्ट के निर्णय का सम्मान करता हूं। सीएम ने किसानों की दोगुनी आय का वादा किया था, वो आज तक नहीं हुई। जब तक गेहूं का दाम तीन हजार रुपए प्रति क्विंटल नहीं होता, लड़ाई जारी रहेगी। ये मामला भी किसानों की लड़ाई का है। जो भी सजा देना चाहे दे दो, जेल भेजना चाहो भेज दो, फांसी पर लटका दो, लेकिन किसानों के हक की लड़ाई चलती रहेगी। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी होती कि इससे बड़ी सजा मिलती और तीन हजार रुपए क्विंटल गेहूं का दाम होता। संघर्ष जारी है। लड़ाई जारी है और जारी रहेगी।

खाद्य पदार्थों के विज्ञापन बच्चों के लिए हानिकारक

इसके लिए बनाएं कानून-डब्ल्यूएचओ

वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ और न्यूट्रिशन एडवोकेसी इन पब्लिक इंटरेस्ट (एनएपीआई) के संयोजक डॉ. अरुण गुप्ता के मुताबिक, भारत में कई दशक से बच्चे कुपोषण, मोटापा, एनीमिया और बौनापन जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। खाद्य पदार्थों के विज्ञापन बच्चों के लिए घातक साबित हो रहे हैं। यह बात 2009 से अब तक बच्चों के खाद्य विज्ञापन को लेकर हुए 200 चिकित्सा अध्ययनों में सामने आई है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने यह जानकारी नए दिशा-निर्देशों में दी है, जिसे बीती तीन जुलाई को भारत सहित सभी सदस्य देशों के साथ साझा किया है। इन दिशा-निर्देशों को तैयार करने के लिए डब्ल्यूएचओ ने अलग-अलग देशों के 35 विशेषज्ञों की एक संयुक्त टीम बनाई, जिसकी सिफारिशों के आधार पर बच्चों को हानिकारक प्रभाव से बचाने के लिए नए सिरे से नीतियां तय की गई हैं। साथ ही कहा है कि इन विज्ञापनों को कानून के दायरे में लाया जाए।

अधिक फैटी एसिड, शर्करा और नमक वाले पदार्थों से बचें

वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ और न्यूट्रिशन एडवोकेसी इन पब्लिक इंटरेस्ट (एनएपीआई) के संयोजक डॉ. अरुण गुप्ता के मुताबिक, भारत में कई दशक से बच्चे कुपोषण, मोटापा, एनीमिया और बौनापन जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। दुनिया में हर साल सबसे ज्यादा समय पूर्व बच्चों का जन्म भारत में हो रहा है। सभी उम्र के बच्चों को उन खाद्य पदार्थों से बचाया जाना चाहिए, जिनमें फैटी एसिड, ट्रांस-फैटी एसिड, शर्करा या नमक की मात्रा अधिक होती है।

खरीदते समय नहीं देते ध्यान

डब्ल्यूएचओ के अनुसार, सबसे ज्यादा मार्केटिंग फास्ट फूड, चीनी-मीठा पेय पदार्थ, चॉकलेट, नमकीन और मिठाइयों की होती है। अधिकांश बच्चे या फिर उनके माता-पिता इन खाद्य पदार्थों को खरीदते समय कुछ लोग खाद्य पदार्थ की कीमत, एक्सपायरी डेट की जांच करते हैं, लेकिन उक्त पदार्थ को बनाने में किन किन चीजों का कितना इस्तेमाल किया है इसके बारे में बहुत कम लोग ही जानकारी रखते हैं।

सरकार बना रही है मसौदा

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण की ओर से कई मानक बनाए गए हैं। इसके अलावा सरकार मसौदा नियमों पर काम कर रही है। इसका उपयोग चेतावनी और विपणन प्रतिबंध दोनों के लिए किया जा सकता है।

डब्ल्यूएचओ की सिफारिशें

सभी देश खाद्य पदार्थों और गैर-अल्कोहल पेय पदार्थों को परिभाषित करें। ऐसा करने से ये सभी नियमों के दायरे में आएंगे और उत्पादों की जिम्मेदारियां भी तय होंगी। सरकारों को जल्द से जल्द प्रतिबंधित किए जाने वाले खाद्य पदार्थों के लिए प्रोफाइल मॉडल लागू करना चाहिए। बच्चों को आकर्षित करने वाले कार्टून या तकनीक के उपयोग को सीमित करना चाहिए। कई कंपनियां विज्ञापनों में खिलौने, गाने और सेलिब्रिटी का समर्थन दिखाती हैं। कई कंपनियां इम्यूनिटी बूस्टर, बौद्धिक विकास, शारीरिक विकास का तर्क देते हुए अपना उत्पाद बेचती हैं, जबकि उनके पास वैज्ञानिक तथ्य नहीं होते हैं। कई बार टीवी पर डॉक्टर का एप्रेन पहने अभिनेता उत्पाद को बेहतर बताता है, लेकिन असल में ऐसा होता नहीं है। इस तरह के विज्ञापनों के खिलाफ सरकार को नीतियां लागू करना चाहिए।

टिकाऊ भविष्य के लिए भारत में कृषि पद्धतियों को बदलने की जरूरत...

आईएफपीआरआई निदेशक ने कहा कि भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि हरित क्रांति के दौर में जो पद्धति विकसित हुई थी, वह भूजल का अत्यधिक दोहन करती है और बड़ी मात्रा में रासायनिक खाद का इस्तेमाल करती है, जिसके चलते इसे लंबे समय तक बरकरार नहीं रखा जा सकेगा।

भारत को खेती की वैकल्पिक पद्धतियों को अपनाने के बारे में सोचने की जरूरत है, ताकि देश में भूजल की कमी उत्पन्न न हो और मिट्टी की गुणवत्ता में भी कमी न आए। अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान (आईएफपीआरआई) के निदेशक (दक्षिण एशिया) शाहिदुर राशिद ने यह सुझाव दिया। काठमांडू में ग्लोबल फूड पॉलिसी रिपोर्ट (जीएफपीआर) के लॉन्च कार्यक्रम से इतर 'पीटीआई-भाषा' के साथ विशेष साक्षात्कार में राशिद ने भीषण गर्मी को सहने में सक्षम फसलें विकसित करने और टिकाऊ सिंचाई पद्धतियां अपनाने की अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "धान की खेती में प्रचलित बाढ़ सिंचाई से पानी की बर्बादी होती है और पानी के उपयोग की क्षमता भी घट जाती है। नवीन सिंचाई पद्धतियां अपनाने और सिंचाई के लिए सौर ऊर्जा का इस्तेमाल करने से कार्बन उत्सर्जन में तो कमी लाई ही जा सकती

है, साथ ही पानी की कमी के मुद्दे को भी संबोधित किया जा सकता है।"

राशिद ने जोर देकर कहा कि हालांकि, भारत में मौजूदा समय में उसकी आबादी का पेट भरने के लिए पर्याप्त खाद्य उत्पादन हो रहा है, लेकिन लोगों तक पहुंच, पोषक तत्वों की उपलब्धता और दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के संबंध में चुनौतियां बरकरार हैं। उन्होंने कहा कि भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि हरित क्रांति के दौर में जो पद्धति विकसित हुई थी, वह भूजल का अत्यधिक दोहन करती है और बड़ी मात्रा में रासायनिक खाद का इस्तेमाल करती है, जिसके चलते इसे लंबे समय तक बरकरार नहीं रखा जा सकेगा। राशिद ने कहा, "हमें वास्तव में खेती के वैकल्पिक तरीकों के बारे में सोचने की जरूरत है, ताकि हमारे पास भूजल संसाधनों की कमी न हो और हम अपनी मिट्टी को भी बर्बाद न करें। मुझे लगता है कि यह भविष्य में भारत और दक्षिण एशिया के लिए मुख्य चुनौती होगा।"

उन्होंने पोषण की कमी की समस्या से प्रभावी तरीके से निपटने के लिए पोषक तत्वों को सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम में शामिल करने के महत्व पर प्रकाश डाला। जीएफपीआर दक्षिण एशिया रिपोर्ट में कहा गया है कि 2019 से 2021 के बीच भारत में अल्पपोषण की दर 16 प्रतिशत थी। राशिद ने कहा, "स्वस्थ जीवन के लिए केवल चावल और गेहूं जैसी मुख्य फसलों का सेवन पर्याप्त नहीं है, क्योंकि देश में लोगों के आहार में माइक्रोन्यूट्रिएंट (सूक्ष्म पोषक तत्वों) की कमी एक बड़ा मुद्दा है, जिसे छिपी हुई 'भुखमरी' भी कहा जाता है।

महिलाओं के खिलाफ एक और तालिबानी फरमान

1 महीने के अंदर सारे ब्यूटी सैलून करो बंद

तालिबान इससे पहले उनकी पढ़ाई और नौकरी के साथ सिनेमा और एंटरटेनमेंट पार्क जाने पर भी बंदिशें लगा चुका है। ब्यूटी सलूनपर प्रतिबंध का यह आदेश तालिबान के सदाचार मंत्रालय ने जारी किया है। तालिबान ने नया फरमान जारी करते हुए अफगानिस्तान में ब्यूटी सैलून को बंद करने के लिए एक महीने का समय दिया है। मंत्रालय के प्रवक्ता मोहम्मद सिदिक आकिफ महाजर ने सीएनएन को पुष्टि करते हुए बताया कि सदाचार के प्रचार और बुराई की रोकथाम के लिए यह आदेश 24 जून को दिया गया था, जिसमें सभी सैलून 27 जुलाई तक बंद कर दिए जाएंगे। अफगानिस्तान से साल 2021 में अगस्त के महीने में संयुक्त राज्य अमेरिका और उसके सहयोगियों की शर्मनाक वापसी के बाद काबुल पर नियंत्रण करने के बाद से तालिबान ने मानवाधिकारों पर दशकों की प्रगति को पीछे छोड़ दिया है। तालिबान इससे पहले उनकी पढ़ाई और नौकरी के साथ सिनेमा और एंटरटेनमेंट पार्क जाने पर भी बंदिशें लगा चुका है। ब्यूटी सलूनपर प्रतिबंध का यह आदेश तालिबान के सदाचार मंत्रालय ने जारी किया है। मंत्रालय ने कहा कि काबुल समेत सभी प्रांतों के तालिबान प्रशासन से कहा गया है कि वे महिलाओं के ब्यूटी सलूनसे जुड़े लाइसेंस रद्द कर दें। सदाचार मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि लोगों को इस प्रतिबंध के बारे में सबसे पहले 2 जुलाई यानी रविवार को जानकारी दी गई थी। प्रतिबंध को अमल में लाने के लिए एक महीने का वक्त दिया गया है। हालांकि प्रवक्ता ने यह

नहीं बताया कि सलूनपर यह प्रतिबंध क्यों लगाया गया है।

नौकरी नहीं तो क्या भूख से मर जाएं

ब्यूटी सलून पर पाबंदी के आदेश से मेकअप आर्टिस्ट रेहान मुबारिज़ नाराज हैं। वह कहती हैं कि पुरुष बेरोजगार हैं। महिलाओं को रोटी की तलाश में ब्यूटी सलून में काम करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। अगर उन्हें वहां भी प्रतिबंधित कर दिया जाता है, तो हम क्या कर सकते हैं। एक अन्य मेकअप आर्टिस्ट ने कहा, अगर (परिवार के) पुरुषों के पास नौकरी होगी तो हम घर से बाहर नहीं निकलेंगे। पर अब आप चाहते हैं कि हम मर जाएं?

कुदरत के कहर में दुनिया के लिए देवदूत बन रहा भारत

110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा। गुजरात के तट पर तूफान बिपरजॉय (Cyclone Biparjoy) की दस्तक। लेकिन इस भीषण चक्रवाती तूफान से मौत का आंकड़ा सिंगल डिजिट में रहा। कुछ ही दशक पहले इस तरह का तूफान भीषण तबाही मचाता था। सैंकड़ों मौतें होती थीं। 1980 से 1999 के बीच चक्रवाती तूफानों में औसतन 354 लोगों की मौत होती थी। 2000 से 2019 के बीच ये घटकर 38 हो गया यानी 89 प्रतिशत की कमी। ये किसी चमत्कार से कम नहीं है। तो आखिर ऐसा क्या बदल गया जो भारत को प्राकृतिक आपदाओं से निपटने में दुनिया का सिरमौर बना रहा है?

'बिपरजॉय' का शाब्दिक अर्थ है 'आपदा'। इस तूफान के बाद ऐसी आपदाओं से निपटने की भारत की काबिलियत पर एक बार फिर मुहर लगी है। अर्ली वॉर्निंग सिस्टम की तैनाती और डिजास्टर मैनेजमेंट के लिए ग्राउंड पर तैनात हजारों प्रशिक्षित लोगों की टीम से जिंदगियों को होने वाले नुकसान को काफी कम करने में मदद मिली है। मई 2021 में तूफान 'यास' के दौरान लाखों लोगों को समय रहते शेल्टर होम में पहुंचाया गया। अकेले पश्चिम बंगाल में कम से कम 15 लाख लोगों को शिफ्ट किया गया तो ओडिशा में 7 लाख लोगों को शिफ्ट किया गया। इससे बेशकीमती जिंदगियां बच गईं। हाल के वर्षों में सिर्फ एक अपवाद है जब भारत में तूफान ने काफी जिंदगियों को लील लिया। मई 2021 में तौकते तूफान की वजह से कुल 193 लोगों की मौत हुई थी। गुजरात में 67 मौतें हुईं। ज्यादातर मौतें दीवार और इमारत गिरने की वजह से हुईं। महाराष्ट्र में 70 लोगों की जान गई क्योंकि मुंबई तट के पास खड़ा ओएनजीसी का एक जहाज समंदर में बह गया।

भारत यूं ही प्राकृतिक आपदाओं से निपटने में दुनिया को राह नहीं दिखा रहा। उसने आधुनिक तकनीक के साथ-साथ बड़े पैमाने पर प्रशिक्षित टीम को तैयार किया है। केंद्र सरकार के तहत आने वाली नैशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (NDRF) में आज 18000 से ज्यादा उच्च प्रशिक्षित कर्मचारी तैयार हैं। इनमें मुख्य तौर पर अर्धसैनिक बलों से डेप्युटेशन पर आए कर्मचारी हैं। इसी तरह राज्यों ने भी स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (SDRF) की इतनी ही बड़ी फौज तैयार की है। इनमें होम गार्ड और सिविल डिफेंस फोर्सेज वगैरह के लोग हैं। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें अत्याधुनिक उपकरणों और आपदा के वक्त किसी भी तरह के विषम हालात से निपटने की ट्रेनिंग से लैस हैं।

तूफान, बाढ़, भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं से निपटने में भारत दुनिया का नेतृत्व करता दिख रहा है। खासकर डिजास्टर रिस्क रिडक्शन (DRR) यानी आपदा के जोखिम को कम करने के मामले में उसका कोई सानी नहीं है। एनडीआरएफ की टीमों को आपदा के वक्त दुनियाभर में राहत और बचाव अभियान के लिए नियमित तौर पर भेजा जाता है। नेपाल में 2015 में आए भूकंप, तुर्किये और सीरिया में हाल में आए भूकंप में भी ये दिखा।

दुनियाभर में प्राकृतिक आपदाओं के वक्त राहत और बचाव के मामले में कोएलिशन फॉर डिजास्टर रिलिसिएंट इन्फ्रास्ट्रक्चर (CDRI) भारत की ही देन है। ये ग्लोबल साउथ और ग्लोबल नॉर्थ के बीच सेतु की तरह है। इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है। CDRI को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2019 के यूएन क्लाइमेट समिट में लॉन्च किया था। अब इसमें यूएन और विश्व बैंक, एशियन डिवेलपमेंट बैंक जैसी दूसरी बहुपक्षीय एजेंसियों के अलावा 36 देश सदस्य हैं।

पिछले साल अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, भारत और जापान की सदस्यता वाले क्वॉड ग्रुप ने हिंद प्रशांत क्षेत्र में आपदाओं से निपटने के लिए जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के लिए 50 अरब डॉलर के फंड का ऐलान किया था। ये काम CDRI के साथ मिलकर किया जाएगा।

देश में डिजास्टर रिस्क रिडक्शन (DRR) यानी आपदाओं के जोखिम को कम करने में प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव पीके मिश्र की बड़ी भूमिका है। मिश्रा को 2019 में प्रतिष्ठित सासाकावा अवॉर्ड से नवजा गा था। संयुक्त राष्ट्र संघ हर दो साल पर इस पुरस्कार का ऐलान करता है। ये ऐसे शख्स या संस्था को दिया जाता है जिसने डिजास्टर मैनेजमेंट की दिशा में असाधारण योगदान दिया हो। तब मिश्रा ने यूएन में दिए अपने भाषण में DRR को लेकर भारत की तैयारियों को विस्तार से बताया था। उन्होंने बताया कि कैसे भारत ने भविष्य में आने वाली आपदाओं के दौरान राहत और बचाव के लिए 29 अरब डॉलर का फंड रखा है।

भारत अगले 5 सालों में प्राकृतिक आपदाओं से निपटने की तैयारियों पर 2 लाख करोड़ रुपये खर्च करने जा रहा है। इसमें 50 हजार करोड़ आपदा के जोखिम को कम करने के लिए और 1.5 लाख करोड़ रुपये राहत और पुनर्वास के लिए होगा। दुनिया में बहुत कम देशों ने DRR को इतना तरजीह दिया है जितना भारत ने दिया है। इसमें कोई हैरानी वाली बात नहीं है कि भारत को आपदाओं से निपटने की विशेषज्ञता के लिए दुनियाभर से तारीफ और दाद मिल रही है। हाल ही में DRR को लेकर बनी संयुक्त राष्ट्र की संस्था (UNDDR) की चीफ मैमी मुजुतोरी ने हमारे सहयोगी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए इंटरव्यू में भारत की जमकर तारीफ की। उन्होंने ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के योगदान का खास तौर पर जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ओडिशा ने प्राकृतिक आपदाओं में होने वाली मौत को बहुत कम किया है। 1999 के सुपर साइक्लोन में सूबे में 10 हजार से ज्यादा मौतें हुई थीं। वहीं 2013 के फैलिन तूफान के वक्त सिर्फ 20 लोगों की जान गई थी।

अब बहू बनी आसाराम बापू के परिवार के लिए मुसीबत ..

नारायण साईं से तलाक ही नहीं 5 करोड़ भी चाहिए..

कर्मों की सजा यहीं मिलती है और अगर गुनाह किया है तो फिर कानून से सजा तो मिलेगी ही । आसाराम बापू दो-दो रेप केस के दोषी साबित हुए और सलाखों के पीछे अपनी सजा काट रहे हैं। 82 साल के आसाराम बापू जोधपुर की जेल में बंद है लेकिन जेल में होने के बावजूद उनकी मुश्किलें कम होती नजर नहीं आ रही। पहले एक रेप साबित हुआ, फिर दूसरा रेप और अब आसाराम की बहू ने खड़ी कर दी परिवार के लिए मुश्किलें

फिर बढ़ी आसाराम बापू के परिवार की मुश्किल

आसाराम बापू के बेटे नारायण साईं को कौन नहीं जानता। पिता की तरह ही नारायण साईं भी जेल में बंद है। सूरत की लाजपुर जेल में बंद नारायण साईं के अपराध भी पिता से कोई कम नहीं है। नारायण साईं को 26 अप्रैल 2019 को सूरत कोर्ट ने 2013 के रेप के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई है। यानी पिता की तरह ही रेप का दोषी है नारायण साईं। जब नारायण साईं को सजा हुई थी उसकी पत्नी खुशी का इजहार किया था। इंदौर की रहने वाली जानकी हरपलानी उर्फ शिल्पी ने कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए कहा था कि नारायण साईं को उम्रकैद की सजा सुनाये जाने के फैसले से उन सभी लोगों को बहुत बड़ी सीख मिलेगी जो धर्म के नाम पर महिलाओं के साथ कुकृत्य करते हैं।

आसाराम की बहू ने 5 करोड़ की मांग भी की

नारायण साईं की पत्नी ने पांच साल पहले कोर्ट में अर्जी डाली थी नारायण साईं उनके भरण पोषण के लिए हर महीने पैसे दे। इसके बाद कोर्ट ने नारायण साईं को हर महीने 50 हजार रुपये जानकी को देने के आदेश दिए थे, लेकिन जानकी के मुताबिक नारायण साईं ने वो नहीं दिए। अब इसलिए उन्होंने तलाक के साथ 5 करोड़ रुपये की मांग की है।

आसाराम की पत्नी और बेटी को भेजा नोटिस

वही दूसरी तरफ गुजरात उच्च न्यायालय ने नारायण साईं की पत्नी और उनकी बेटी भारती को एक नोटिस जारी किया है। आसाराम की पत्नी और बेटी समेत पांच महिलाओं के खिलाफ बलात्कार मामले में अदालत ने ये नोटिस भेजे हैं। इन पांचों पर 2013 के रेप मामले में उकसाने और मदद करने के आरोप थे, लेकिन सबूतों के अभाव में इन्हें कोर्ट ने बरी कर दिया था। इस साल मई में विधि विभाग ने बरी होने के खिलाफ अपील दायर करने के निर्देश दिए थे। जो अब तक नहीं हुए हैं और इसलिए ये नोटिस जारी किए गए हैं।

नारायण साईं की पत्नी ने दी तलाक की अर्जी

अब जानकी हरपलानी एक बार फिर नारायण साईं और उसके परिवार के लिए मुसीबत का सबब बनती नजर आ रही है। जानकी उर्फ शिल्पी ने तलाक की अर्जी लगा दी। फैमिली कोर्ट में आसाराम की बहू ने अपने पति से अलग होने के लिए याचिका दायर की है और साथी पांच करोड़ रुपये की बड़ी रकम की भी मांग की है। जानकी के वकील के मुताबिक दो हफ्ते के अंदर इस पर कोर्ट सुनवाई करेगा।

मुंबई हमले के आरोपी राणा को जल्द भारत प्रत्यर्पित करना चाहती है बाइडन सरकार

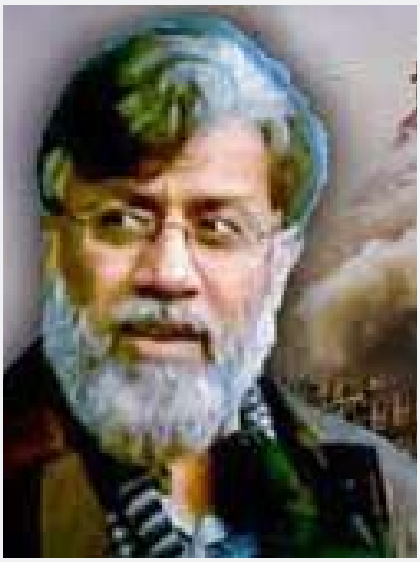

अमेरिकी अटॉर्नी ने कहा कि याचिकाकर्ता यह साबित करने में विफल रहा है कि भारत की प्रत्यर्पण की अपील में पर्याप्त सबूतों का अभाव है। अमेरिका की बाइडन सरकार मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर राणा को जल्द भारत प्रत्यर्पित करना चाहती है। यही वजह है कि बाइडन सरकार ने तहव्वुर राणा की प्रत्यर्पण के खिलाफ दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका का विरोध किया है। बाइडन सरकार ने अमेरिका कोर्ट में अर्जी देकर तहव्वुर राणा को जल्द भारत प्रत्यर्पित करने की अपील की है। बता दें कि पाकिस्तानी मूल के तहव्वुर राणा को मई में ही भारत प्रत्यर्पित करने का आदेश अदालत ने दिया था लेकिन राणा ने इसके खिलाफ बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर कर प्रत्यर्पण का विरोध किया है।

अमेरिका के अटॉर्नी ई मार्टिन एस्ट्राडा ने बाइडन सरकार की तरफ से कैलिफोर्निया के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में याचिका दायर की, जिसमें कहा गया है कि 'अमेरिका सम्मानपूर्वक विनती करता है कि अदालत तहव्वुर राणा की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका को खारिज कर दे।' अमेरिकी अटॉर्नी ने कहा कि याचिकाकर्ता यह साबित करने में विफल रहा है कि भारत की प्रत्यर्पण की अपील में पर्याप्त सबूतों का अभाव है। भारत में 2008 में हुए मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा को अमेरिका की अदालत ने अमेरिका सरकार की राणा को भारत प्रत्यर्पित करने की अपील को मानते हुए उसे भारत प्रत्यर्पित करने की मंजूरी दे दी थी। इसके बाद राणा ने अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए कैलिफोर्निया की सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की थी। याचिका में राणा ने दावा किया कि उसके भारत प्रत्यर्पित करने का आदेश भारत-अमेरिका के बीच की प्रत्यर्पण संधि की दो धाराओं का उल्लंघन है। राणा ने दलील दी कि भारत उस पर जो मुकदमा चलाना चाहता है, वैसे ही मामले में अमेरिका के इलिनोइस अदालत उसे बरी कर चुकी है। दूसरा भारत ने जो उसके प्रत्यर्पण के लिए आरोप लगाए हैं और जो दस्तावेज प्रस्तुत किए हैं, उनसे यह साबित नहीं होता कि उस पर जो आरोप लगाए गए हैं, उसने वो अपराध किए हैं।

बाहरी ताकतों के लिए गुटनिरपेक्ष आंदोलन को बांटना आसान, आत्मचिंतन की जरूरत :भारत

भारत ने कहा कि गुटनिरपेक्ष आंदोलन (नाम) ने बाहरी ताकतों के लिए उसे बांटना आसान बना दिया है और अगर समूह वैश्विक एजेंडा को आकार देना चाहता है तब उसे आत्मचिंतन करने की जरूरत है। भारत ने द्विपक्षीय मुद्दों को उठाने के लिए इस मंच का इस्तेमाल करने पर पाकिस्तान की आलोचना की। गुटनिरपेक्ष आंदोलन की मंत्रिस्तरीय समिति को बाकू में संबोधित करते हुए विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) संजय वर्मा ने कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में चर्चा से यह प्रदर्शित हुआ है कि गुटनिरपेक्ष आंदोलन (नाम) ने बाहरी ताकतों के लिए समूह को बांटना आसान बना दिया है। उन्होंने द्विपक्षीय मुद्दों को उठाने के लिए इस मंच का इस्तेमाल करने पर पाकिस्तान की आलोचना करते हुए इसे 'बांडुंग सिद्धांतों' का खुला उल्लंघन बताया।

वर्मा ने कहा कि यह खेदजनक है कि इस मंच के महत्व को कमतर किया जा रहा है। गुटनिरपेक्ष आंदोलन में 120 देश हैं लेकिन यह एक औपचारिक ताकत के रूप में जुड़ा नहीं हुआ है। वर्मा ने सुझाव दिया कि समूह को कम से कम अपने सदस्य देशों के प्रति सार्वजनिक रूप से स्नेह प्रदर्शित करना चाहिए। इजराइल और फलस्तीन संघर्ष के संदर्भ में विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) संजय वर्मा ने कहा, ''हम इन पक्षों से हिंसा छोड़ने और जमीन पर ऐसी एकतरफा कार्रवाई से बचने की अपील करते हैं जो द्वि-राष्ट्र समाधान की व्यवहार्यता को कमतर करती हो एवं इनके बीच विश्वास की खाई को बढ़ाती हो।''

उनका यह बयान ऐसे समय में आया है, जब जेनिन में इजराइली बलों के हमले के बाद बुधवार को फलस्तीनियों ने इजराइल की ओर रॉकेट दागे।उन्होंने कहा कि गुटनिरपेक्ष आंदोलन (नाम) घोषणापत्र को लेकर भारत की कुछ आपत्तियां हैं, लेकिन वह द्वि-राष्ट्र समाधान निकालने के लिए इजराइल एवं फलस्तीन के बीच सीधी वार्ता शुरू करने को लेकर सभी प्रयासों को समर्थन देने को प्रतिबद्ध है। वर्मा ने कहा कि क्षेत्र में स्थायी शांति तभी हासिल की जा सकती है जब फलस्तीन के सवाल का शांतिपूर्ण समाधान निकले।

जनरल बिपिन रावत के गांव में बन रहे मंदिर के लिए...

शिवलिंग उपहार में देगा नेपाल का पशुपतिनाथ मंदिर

उत्तराखंड में पूर्व प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) बिपिन रावत के पैतृक गांव में नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर की प्रतिकृति का निर्माण किया जा रहा है और काठमांडू स्थित मंदिर ने इसके लिए शालीग्राम पत्थर से बना शिवलिंग उपहार में देने का फैसला किया है।

जनरल रावत के गांव सैण को गोद लेने वाले महाराष्ट्र के गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) के प्रमुख निवरुत्ती यादव ने कहा कि काठमांडू के मंदिर ने उत्तराखंड में पशुपतिनाथ मंदिर की प्रतिकृति में नंदी की एक मूर्ति, मंदिर के लिए एक घंटा और एक त्रिशूल भी उपहार में देने का फैसला किया है। पशुपतिनाथ को समर्पित मंदिर का निर्माण महाराष्ट्र के लातूर से संचालित गैर सरकारी संगठन हरिवंश राय बच्चन प्रबोधन प्रतिष्ठान की ओर से सैण गांव में किया जा रहा है। यादव ने बताया कि इस सप्ताह की शुरुआत में काठमांडू की यात्रा के दौरान उन्होंने पशुपतिनाथ मंदिर के अधिकारियों से मुलाकात की थी। यादव ने नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल 'दाहाल' से भी मुलाकात की और उन्हें सैण में विकास कार्यों से अवगत कराया। सैण का मंदिर काठमांडू के पशुपतिनाथ मंदिर की एक छोटी प्रतिकृति होगा।

ईडी ने आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन के मामले में अरोड़ा को गिरफ्तार किया

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली की अब समाप्त की जा चुकी आबकारी नीति को बनाने और लागू करने में कथित भ्रष्टाचार से जुड़े धन शोधन के मामले में बृहस्पतिवार रात को कारोबारी दिनेश अरोड़ा को गिरफ्तार कर लिया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) भी कर रहा है और अरोड़ा को उसके मामले में सरकारी गवाह बनाया गया है। लंबी पूछताछ के बाद अरोड़ा को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की आपराधिक धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया। उम्मीद है कि एजेंसी उन्हें शुक्रवार को स्थानीय अदालत में पेश करेगी। दिनेश अरोड़ा से ईडी पहले भी पूछताछ कर चुकी है। सूत्रों ने बताया कि इस बार वह सवालों का गोलमोल जवाब दे रहे थे और एजेंसी के साथ सहयोग नहीं कर रहे थे जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

कारोबारी दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया के कथित तौर पर करीबी हैं, जो आबकारी नीति मामले में आरोपी हैं। उन्हें ईडी और सीबीआई दोनों ने ही गिरफ्तार किया है। यह नीति अब रद्द की जा चुकी है। ईडी ने एक पूरक आरोप पत्र में, सिसोदिया पर दिनेश अरोड़ा के माध्यम से मामले में अन्य आरोपी व्यवसायी अमित अरोड़ा से रिश्वत लेने का आरोप लगाया है। दिल्ली की एक अदालत ने पिछले साल 16 नवंबर को मामले में दिनेश अरोड़ा को सरकारी गवाह बनाने की सीबीआई की याचिका स्वीकार कर ली थी और उन्हें

माफ कर दिया था। यह शायद दुर्लभ या पहला ऐसा मामला है जिसमें सीबीआई के मामले में आरोपी से सरकारी गवाह बने शख्स को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया है जबकि दोनों संघीय एजेंसियां एक ही मामले की जांच कर रही हैं।ईडी द्वारा इस मामले में यह 13वीं गिरफ्तारी है जिसमें उसने सिसोदिया के खिलाफ आरोप पत्र समेत अब तक पांच आरोप पत्र दायर किये हैं। ईडी और सीबीआई ने आरोप लगाया गया है कि 2021-22 के लिए दिल्ली सरकार की आबकारी नीति में कुछ शराब डीलरों का पक्ष लिया गया, जिन्होंने कथित तौर पर इसके लिए रिश्वत दी थी। दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी ने इस आरोप का खंडन किया है।

धार्मिक आयोजन सामाजिक एकता एवं भाईचारे को करते हैं प्रबल - मंत्री

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्रीमती शकुन्तला रावत ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के विकास को प्राथमिकता में रखते हुए प्रत्येक वर्ग के कल्याण हेतु प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

मंत्री श्रीमती रावत ने रविवार को अलवर जिले के बानसूर में बाबरिया ग्राम में शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा एवं स्व श्री सूण्डाराम की मूर्ति के अनावरण समारोह में शिरकत की। उन्होंने आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा विकास को गति देने हेतु प्रदेश में उद्योगों को बढावा दिया गया है जिससे विकास के साथ-साथ आमजन को रोजगार मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नव उद्यमियों को प्रोत्साहन देने हेतु बडी संख्या में उद्योग शिविर आयोजित कर उद्योग लगाने की जानकारी प्रदान करने के साथ ऋण भी उपलब्ध कराया जा रहा है जिससे वे स्वरोजगार कर आत्मनिर्भर बन सके तथा अन्य व्यक्तियों को भी रोजगार दे सके। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजन सामाजिक एकता एवं भाईचारे को प्रबल करते हैं जिससे समाज में प्रेम एवं सद्भाव बढता है। उन्होंने कहा कि देवस्थान विभाग द्वारा प्रदेश के धार्मिक स्थलों का उन्नयन, जीर्णोद्धार आदि कार्य कराए जा रहे हैं।

साथ विभाग द्वारा बुजुर्ग व्यक्तियों को देश के धार्मिक स्थलों की यात्रा भी कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत द्वारा बानसूर क्षेत्र के विकास में कोई कसर नहीं रखी है। क्षेत्र में विकास के सराहनीय कार्य किए गए है तथा शेष कार्यों को भी प्राथमिकता में रखते हुए पूर्ण कराया जा रहा है।

चंद्रयान-3 का सफल प्रक्षेपण

चंद्रमा पर 23 अगस्त को 'सॉफ्ट लैंडिंग' की योजना

भारत ने यहां एलवीएम3-एम4 रॉकेट के जरिए अपने तीसरे चंद्र मिशन-'चंद्रयान-3' का सफल प्रक्षेपण किया। इस अभियान के तहत यान 41 दिन की अपनी यात्रा में चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र पर एक बार फिर 'सॉफ्ट लैंडिंग' का प्रयास करेगा जहां अभी तक कोई देश नहीं पहुंच पाया है। चंद्र सतह पर अमेरिका, पूर्व सोवियत संघ और चीन 'सॉफ्ट लैंडिंग' कर चुके हैं लेकिन उनकी 'सॉफ्ट लैंडिंग' चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र पर नहीं हुई थी। अगर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का 600 करोड़ रुपये का चंद्रयान-3 मिशन चार साल में अंतरिक्ष एजेंसी के दूसरे प्रयास में लैंडर को उतारने में सफल हो जाता है, तो अमेरिका, चीन और पूर्व सोवियत संघ के बाद भारत चंद्र सतह पर 'सॉफ्ट-लैंडिंग' की तकनीक में महारत हासिल करने वाला चौथा देश बन जाएगा। भविष्य में मानव अन्वेषण के लिए एक संभावित स्थल के रूप में उभर रहे चंद्र क्षेत्र में मानव रहित मिशन के प्रक्षेपण के तुरंत बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए इसरो अध्यक्ष एस सोमनाथ ने कहा कि एजेंसी ने 23 अगस्त को भारतीय समयानुसार शाम 5.47 बजे चंद्रमा की सतह पर तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण सॉफ्ट-लैंडिंग की योजना बनाई है।

चंद्रयान-2 तब 'सॉफ्ट लैंडिंग' में विफल हो गया था जब इसका लैंडर विक्रम सात सितंबर, 2019 को 'सॉफ्ट लैंडिंग' का प्रयास करते समय ब्रेकिंग प्रणाली में विसंगतियों के कारण चंद्रमा की सतह पर गिर पड़ा था। चंद्रयान-1 मिशन को 2008 में भेजा गया था। पंद्रह साल में इसरो का यह तीसरा चंद्र मिशन है। कल शुरू हुई 25.30 घंटे की उलटी गिनती के अंत में एलवीएम3-एम4 रॉकेट (जिसे पूर्व में जीएसएलवीएमके3 कहा जाता था) यहां स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के दूसरे 'लॉन्च पैड' से अपराह्न 2.35 बजे निर्धारित समय पर धुएं का घना गुबार छोड़ते हुए शानदार ढंग से आकाश की ओर रवाना हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मिशन के प्रक्षेपण को देश की अंतरिक्ष यात्रा में एक नया अध्याय बताया जिसने हर भारतीय के सपनों और महत्वाकांक्षाओं को बढ़ाया है। राजनीतिक नेताओं ने भी पार्टी लाइन से ऊपर उठकर इसरो की उपलब्धि की सराहना की। मिशन नियंत्रण केंद्र (एमसीसी) के अंदर वैज्ञानिक जहां सांस रोककर चंद्रयान-3 को प्रक्षेपण के लगभग 16 मिनट बाद रॉकेट से अलग होते देखने का इंतजार कर रहे थे, वहीं प्रक्षेपण यान के प्रक्षेपण के बाद हजारों दर्शक खुशी से झूम उठे। चंद्रयान-3 के सफल प्रक्षेपण के बाद इसरो अध्यक्ष एस सोमनाथ ने मिशन नियंत्रण कक्ष (एमसीसी) से कहा कि रॉकेट ने चंद्रयान-3 को कक्षा में सटीकता के साथ स्थापित कर दिया।

उन्होंने कहा, बधाई हो, भारत! चंद्रयान-3 ने चंद्रमा की ओर अपनी यात्रा शुरू कर दी है। हमारे प्रिय एलवीएम-3 ने पहले ही चंद्रयान-3 को पृथ्वी के चारों ओर सटीक कक्षा में स्थापित कर दिया है... और आइए हम चंद्रयान-3 को आगे की कक्षा में बढ़ाने की प्रक्रिया तथा आने वाले दिनों में चंद्रमा की ओर इसकी यात्रा के लिए शुभकामनाएं व्यक्त करें।" यह पूछे जाने पर कि मिशन में वैज्ञानिक प्रयोगों के लिए दक्षिणी ध्रुव को क्यों चुना गया है, उन्होंने कहा, हम चंद्रमा की सतह पर सभी भूभौतिकीय, रासायनिक विशेषताओं के लक्ष्य को लेकर काम कर रहे हैं।

दूसरा, दक्षिणी ध्रुव का अध्ययन अभी तक नहीं किया गया है। सोमनाथ ने कहा कि इसके अलावा, किसी ने भी चंद्रमा की सतह पर तापीय विशेषताओं का परीक्षण नहीं किया है जो इसरो इस मिशन में करेगा। चंद्रमा के ध्रुवीय क्षेत्र पर्यावरण और इससे उत्पन्न होने वाली कठिनाइयों के कारण बहुत अलग भूभाग हैं और इसलिए अज्ञात बने हुए हैं। चंद्रमा पर पहुंचने वाले पिछले सभी अंतरिक्ष यान भूमध्यरेखीय क्षेत्र में, चंद्र भूमध्य रेखा के उत्तर या दक्षिण में कुछ डिग्री अक्षांश पर उतरे थे। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र का अध्ययन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके आसपास स्थायी रूप से अंधेरे वाले क्षेत्रों में पानी की मौजूदगी की संभावना हो सकती है।

चंद्रयान-3 की सफलता पूरी मानवता के लिए शुभ संकेत : प्रधानमंत्री मोदी

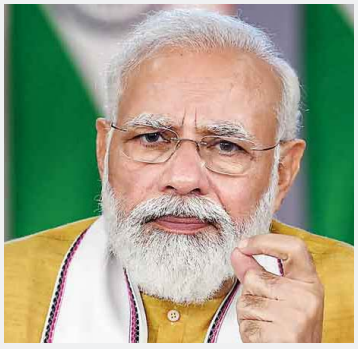

नई दिल्ली प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि चंद्रयान-3 की सफलता पूरी मानवता के लिए शुभ संकेत है। मोदी ने चंद्रमा पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की तीसरी महत्वकांक्षी परियोजना के लिए शुभकामनाएं देने के वास्ते भूटान के अपने समकक्ष लोटे शेरिंग का शुक्रिया अदा किया। इसरो ने शुक्रवार को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से चंद्रयान-3 का प्रक्षेपण किया, जिसका लक्ष्य चंद्रमा की सतह पर 'सॉफ्ट लैंडिंग' की दुर्लभ उपलब्धि हासिल करना है। भूटान के प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया, मैं चंद्रयान-3 के सफल प्रक्षेपण को लेकर इसरो और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरह ही बेहद खुश हूं। यह क्षितिज से परे विज्ञान को समझने और कुछ नया सीखते रहने की आपकी दृष्टि एवं प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। शेरिंग ने कहा, भारत और मानवता को इस मिशन से अत्यधिक लाभ हो। अपने भूटानी समकक्ष के ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए मोदी ने लिखा, महामहिम, आपके गर्मजोशी भरे शब्दों के लिए धन्यवाद। चंद्रयान की सफलता यकीनन पूरी मानवता के लिए शुभ संकेत है।"

राजनीतिक-आर्थिक स्थिरता के कारण विश्व के 76% बड़े निवेशकों को भाया भारत...

चीन को भी पछाड़ा...

भारत साल 2023 के लिए दुनिया में निवेश का उभरता हुआ सबसे आकर्षक बाजार बन चुका है। पड़ोसी चीन को पीछे धकेलते हुए देश ने यह मुकाम हासिल किया है। निवेश प्रबंधन व्यवसाय से जुड़ी कंपनी इन्वेस्को ग्लोबल सॉवरेन एसेट मैनेजमेंट स्टडी के अनुसार इसकी सबसे बड़ी वजह देश की राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता है। इस अध्ययन में विश्व के 57 केंद्रीय बैंकों और 85 सॉवरेन वेल्थ फंड (एसडब्ल्यूएफ) से जुड़े 142 मुख्य निवेश अधिकारियों, एसेट क्लास के प्रमुखों और वरिष्ठ पोर्टफोलियो रणनीतिकारों से बातचीत करके उनके नजरिए और राय को शामिल किया गया है। खास बात है कि ये सभी उन 142 संस्थानों से जुड़े हैं, जो दुनियाभर में करीब 21 लाख करोड़ डॉलर यानी करीब 1,735 लाख करोड़ रुपये की परिसंपत्तियों का प्रबंधन कर रहे हैं। इनमें से एसडब्ल्यूएफ के लिए काम कर रहे 76 प्रतिशत निवेशकों ने बताया कि वे साल 2023 में यहां अपना निवेश बढ़ाना चाहेंगे। वहीं, चीन के लिए 51 प्रतिशत ने ही ऐसा कहा।

चीन से भारत की कहानी बेहतर : मध्य-पूर्व में काम कर रहे एक संस्थान के अधिकारी ने कहा, भारत और चीन में हमारा निवेश पहले से ही कम रहा है। लेकिन अब भारत की कहानी हमें बेहतर नजर आ रही है। यहां कारोबारी और राजनीतिक स्थायित्व है। साथ ही, बढ़ती आबादी, युवा नागरिक, बड़ी कंपनियों का उसकी ओर आकर्षण, कानूनी पहल, निवेशकों के लिए दोस्ताना माहौल जैसी विशेषज्ञताएं भी हैं, जो निवेशकों को चाहिए।

72 फीसदी ने माना निवेश बढ़ाने के लिए आकर्षक: अध्ययन में मौजूदा निवेश बढ़ाने के लिए 72 प्रतिशत निवेश प्रबंधकों ने भारत और कोरिया को सबसे ज्यादा आकर्षक बताया। केंद्रीय बैंकों से जुड़े इन प्रबंधकों ने कहा कि उन्हें यहां रियल एस्टेट और बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ाना फायदेमंद दिख रहा है। इस सूची में कुल 7 देश शामिल किए गए, जिनमें दक्षिण अफ्रीका को 64, इंडोनेशिया को 44, मैक्सिको को 32, ब्राजील को 28 और रूस को 12 प्रतिशत ने आकर्षक माना। करीब 85 प्रतिशत निवेश प्रबंधकों ने दावा किया है कि अगले 10 साल में महंगाई और बढ़ेगी। इसी वजह से वे उभरते बाजार वाले देशों में निवेश बढ़ाना ही सही मान रहे हैं।

बढ़ती महंगाई-ब्याज दरों के बीच निवेश के अवसर

इन्वेस्को के एशियाई देशों में मुख्य कार्यकारी अधिकारी टेरी पेन ने कहा कि 2023 में एसडब्ल्यूएफ निवेशकों ने खुद को बढ़ती महंगाई व बढ़ती ब्याज दरों से बने नए माहौल में पाया है। पेन ने कहा, उभरते हुए बाजार सभी को निवेश के दिलचस्प अवसर देते हैं। निवेशक ऐसी अर्थव्यवस्थाओं पर ज्यादा ध्यान देते हैं, जहां उन्हें राजनीतिक स्थिरता, सकारात्मक कानून व अनुकूल जनसांख्यिकी नजर आ रही हो। भारत इसी वजह से उनकी प्राथमिकता बना है। पिछले 11 वर्ष यह अध्ययन जारी कर रहे इन्वेस्को के अनुसार, विकसित देशों में कड़ी प्रतियोगिता व कानूनों की वजह से स्वास्थ्य, शिक्षा, बुनियादी ढांचे में निवेश के अवसर कम हैं, लेकिन उभरते बाजारों में स्थितियां अलग हैं। यहां बढ़ते स्वास्थ्य बीमा के आंकड़े ही निवेशकों को प्रेरित करने के लिए काफी हैं। यह बताता है कि चिकित्सा क्षेत्र में नया और अधिक निवेश चाहिए। शिक्षा में भी तकनीक का उपयोग बढ़ने से सकारात्मक माहौल बना है। भारत, ब्राजील, मैक्सिको, उत्तरी अफ्रीका, मध्य-पूर्व ऐसे ही अवसर दे रहे हैं। लेकिन भारत को लेकर निवेशक सबसे ज्यादा सकारात्मक हैं। वह सभी मामलों में उभरते बाजार वालों देशों का नेतृत्व कर रहा है।

विदेशी कॉरपोरेट निवेश बढ़ने का मिला फायदा

भारत, मैक्सिको और ब्राजील उन देशों में शामिल हैं, जिन्हें फ्रेंड-शोरिंग के लिए विदेशी कॉरपोरेट निवेश बढ़ने का फायदा मिल रहा है। फ्रेंड-शोरिंग राजनीतिक या आर्थिक अव्यवस्थाओं के दौरान सप्लाई चेन उन देशों में शिफ्ट करने के लिए की जाती है, जहां अव्यवस्था का जोखिम कम हो। आमतौर पर ऐसा कारोबार को तानाशाही भरी शासन व्यवस्था वाले देशों से मित्र देशों में ले जाने के लिए किया जाता है। इसे चीन से जोड़ कर देखा जा रहा है, जिसके साथ पश्चिमी देशों के ताल्लुकात बिगड़े हैं। अमेरिकी व यूरोपीय कंपनियां चीन के विकल्प तलाशने में जुटी हैं।

वसुंधरा राजे और सचिन पायलट के बिना राजस्थान की चुनावी गणित अधूरी...

अपनी-अपनी पार्टी के लिए बने जरूरी

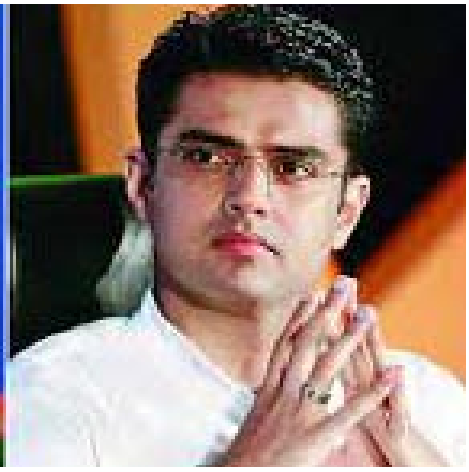

राजस्थान में जबरदस्त तरीके से सियासी शोर बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। भाजपा और कांग्रेस दोनों की ओर से राजस्थान को लेकर बैठक चल रही हैं। दोनों के नेता जमीन पर संघर्ष करते हुए दिखाई दे रहे हैं। एक ओर जहां राज्य के मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत अपनी सरकार की उपलब्धियां गिना रहे हैं।

देश में सियासी उठापटक का दौर लगातार जारी है। 2024 में लोकसभा के चुनाव होने हैं। लेकिन उससे पहले इस साल के आखिर में देश के तीन महत्वपूर्ण राज्य छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में विधानसभा के चुनाव होंगे। इन तीनों ही राज्यों के चुनाव को भाजपा और कांग्रेस के हिसाब से सेमीफाइनल माना जा रहा है। इन तीनों ही राज्यों में भाजपा और कांग्रेस अपनी चुनावी तैयारियों में जुटी हुई है। राजस्थान को लेकर भी चर्चा जबरदस्त तरीके से जारी है। एक ओर जहां राजस्थान में अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच अंतर्कलह जारी है। तो वहीं भाजपा भी कई खेमों में बंटी हुई है। राजस्थान में इन्हीं दोनों दलों के बीच मुकाबला रहता है। हर चुनाव में यहां सत्ता परिवर्तन होता रहा है। पिछले ढाई दशकों को देखें तो राजस्थान की कमान या तो भाजपा की ओर से वसुंधरा राजे ने संभाला है या फिर कांग्रेस की ओर से अशोक गहलोत रहे हैं।राजस्थान में जबरदस्त तरीके से सियासी शोर बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। भाजपा और कांग्रेस दोनों की ओर से राजस्थान को लेकर बैठक चल रही हैं। दोनों के नेता जमीन पर संघर्ष करते हुए दिखाई दे रहे हैं। एक ओर जहां राज्य के मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत अपनी सरकार की उपलब्धियां गिना रहे हैं। तो वहीं भाजपा उनकी सरकार की नाकामयाबियों को लोगों के समक्ष बताने में जुटी हुई है। दोनों ओर से शब्द वाण भी चल रहे हैं। हालांकि, दोनों दलों की स्थिति फिलहाल एक समान है, जहां गुटबाजी जबरदस्त तरीके से हावी है। राजस्थान में फिलहाल अशोक गहलोत मुख्यमंत्री हैं। वह कांग्रेस के वरिष्ठ नेता है। लेकिन 2018 के चुनाव के बाद से लगातार अशोक गहलोत और युवा नेता सचिन पायलट के बीच अदावत देखी गई। दोनों ही नेताओं की ओर से एक दूसरे पर जबरदस्त तरीके से बयानबाजी हुई जिसमें सारी हदें भी पार हो गई। एक वक्त तो ऐसा लग रहा था कि सचिन पायलट पार्टी से बगावत कर सकते हैं। हाल फिलहाल में भी सचिन पायलट लगातार राज्य की अपनी ही गहलोत सरकार को चुनौती देते नजर आ रहे थे।

हालांकि, चुनावी नुकसान को भांपते हुए कांग्रेस आलाकमान सक्रिय हुई। अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच समझौते की कोशिश हुई। पर्दे के पीछे कितनी बात बन पाई है, इसको बता पाना मुश्किल है, लेकिन पर्दे के सामने से जो बात निकल कर आई है, उसमें कांग्रेस की ओर से साफ तौर पर कहा जा रहा है कि हम एकजुट होकर चुनाव लड़ेंगे। सचिन पायलट की लोकप्रियता और उनकी नाराजगी को देखते हुए कांग्रेस की ओर से दावा किया जा रहा है कि हम सामूहिक चुनाव लड़ेंगे। कोई भी मुख्यमंत्री का चेहरा नहीं होगा। ऐसे में कहीं ना कहीं इसे सचिन पायलट की जीत मानी जा रही है। कांग्रेस को पता है कि पार्टी में स्थिरता बनाए रखने के लिए सचिन पायलट जरूरी है। इतना ही नहीं, अशोक गहलोत अपने राजनीति के आखिरी पड़ाव पर हैं। वहीं सचिन पायलट युवा है, वह पार्टी के भविष्य हैं और राजस्थान में उनकी जमीनी पकड़ मजबूत है। 2018 में प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए सचिन पायलट ने जबरदस्त मेहनत की थी जिसका नतीजा कांग्रेस को चुनावी जीत मिली थी।

जनता का पारा चढ़ने पर सत्ता की गर्मी उतरते देर नहीं लगती : प्रधानमंत्री मोदी का कांग्रेस पर तंज

मोदी ने राहुल गांधी का नाम लिये बिना कहा इनके नेता ने 2018 के विधानसभा चुनाव में 10 दिन में किसानों का कर्जा माफ करने का वादा किया था और रैली में मौजूद लोगों से पूछा कि क्या कांग्रेस ने जो वादा किया था वो पूरा हुआ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान में सत्तारूढ़ कांग्रेस पर शनिवार को निशाना साधते हुए उसे ''लूट की दुकान'' व ''झूठ का बाजार'' बताया और तंज कसते हुए कहा कि ''जब जनता का पारा चढ़ता है तो सत्ता की गर्मी उतरते व सत्ता बदलते वक्त नहीं लगता।'' बीकानेर के पास नौरंगदेसर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, ''राज्य की कांग्रेस नीत सरकार ने बीते चार साल में राजस्थान का बहुत नुकसान किया है और अगले विधानसभा चुनाव में अपनी संभावित हार को देखते हुए वह अभी से 'बाय बाय मोड (अलविदा की मुद्रा)' में आ गई है।'' कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए मोदी ने कहा, ''राजस्थान में जब से कांग्रेस सत्ता में आई है इसने भ्रष्टाचार, अपराध और तुष्टिकरण के क्षेत्र में एक नयी पहचान बनाई है।'' उन्होंने कहा कि महिला अपराध व बलात्कार में राजस्थान सबसे आगे है ऐसे में यहां की कांग्रेस सरकार का जाना तय है। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस एक ऐसी पार्टी है जो सत्ता में रहती तो खा-खा कर देश को खोखला करती और जब इसके नेता बाहर जाते हैं तो देश को गाली देकर बदनाम करते हैं।''

उन्होंने विदेश यात्रा के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के बयानों के संदर्भ में यह टिप्पणी की। मोदी ने कहा कि कांग्रेस राजनीति के लिए देश का अपमान करने और देश को नुकसान पहुंचाने से कभी नहीं चूकती जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लोग देश के लिए अपना सब कुछ त्यागने से नहीं चूकते, चाहे वह पद हो या प्रतिष्ठा। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में भ्रष्टाचार, पेपरलीक, महिला अपराध के लिए गहलोत सरकार पर निशाना साधा और कांग्रेस की अंदरूनी खींचतान पर घेरा। उन्होंने लोगों से विकास के लिए आगामी विधानसभा चुनाव में राजस्थान में डबल इंजन सरकार बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान को स्थिर सरकार, डबल इंजन की सरकार चाहिए।

महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों का प्रिंसिपल्स कॉन्क्लेव

चुनौतियों को अवसर में बदल एमजीजीएस की ब्रांड वैल्यू बढ़ाए

शासन सचिव प्रिंसीपल्स ने प्रजेंटेशंस में बताई बदलाव की कहानी

प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा महात्मा गांधी गवर्नमेंट इंग्लिश मीडियम स्कूलों (एमजीजीएस) के ब्रांड को राज्य सरकार की सोच और मंशा के अनुरूप एक नए मुकाम पर ले जाने की एक विशेष पहल के तौर पर शनिवार को जयपुर में राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में एक दिवसीय 'प्रिंसीपल्स कॉन्क्लेव' का आयोजन किया गया। स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव श्री नवीन जैन की अध्यक्षता में आयोजित इस कॉन्क्लेव में प्रदेश के सभी जिलों में शहरी और ग्रामीण क्षेत्र की करीब तीन दर्जन एमजीजीएस के प्रिंसिपल ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रदेश में इन स्कूलों के जरिए लिखी जा रही बदलाव और नवाचारों की कहानी को बयां किया।

कॉन्क्लेव में अपने सम्बोधन में शासन सचिव श्री जैन ने कहा कि प्रदेश में महात्मा गांधी इंग्लिश माध्यम स्कूलों के प्रिंसिपल और टीचर्स चुनौतियों को अवसर में बदलने के जज्बे के साथ इनकी ब्रांड वैल्यू में निरंतर इजाफा करते हुए क्वालिटी एजुकेशन पर फोकस करे। उन्होंने कहा कि अब तक शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में इंग्लिश मीडियम स्कूलिंग से वंचित रहे तबके के बच्चे और अभिभावक इन विद्यालयों में आशा भरी निगाहों से अवसर तलाश रहे हैं। एमजीजीएस में सभी को समान अवसर प्रदान करते हुए स्टूडेंट्स की 'डायनेमिक पर्सनेलिटी' की बुनियाद रखें। एमजीजीएस में स्कूलिंग इस प्रकार हो कि यहां से निकले बच्चे नैतिक और व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ देश-प्रदेश और दुनिया के सामयिक ज्ञान, एकेडेमिक नॉलेज और कम्युनिकेशन स्किल्स के आधार पर सबसे अलग नजर आए। उन्होंने कहा कि एमजीजीएस के कंसेप्ट से स्कूलों के टीचर्स की सोच में बदलाव आया है, उनमें कुछ हटकर और बेहतर करने की होड़ दिखाई देती है। उनकी बदली बॉडी लेंग्वेज, सोच और समर्पण, व्यक्तित्व तथा व्यवहार में प्रखरता से रिफलेक्ट हो, जिससे इसका प्रभाव स्टूडेंट्स, स्कूल और सोसाइटी में भी नजर आए।

शासन सचिव ने बताया कि प्रदेश में एमजीजीएस ब्रांड के विकास की सोच के साथ विभाग ने गेप्स की पहचान और उनको दूर करने का बीड़ा उठाया है। इन स्कूलों में मैन पॉवर, सॉफ्ट एक्टिविटीज, इंफ्रास्ट्रक्चर एवं अन्य संसाधनों की समीक्षा तथा भविष्य की जरूरतों के आंकलन और समन्वय के लिए इस कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। इसमें प्राचार्यों द्वारा शेयर किए गए अनुभव, सुझाव और नवाचारों को समाहित करते हुए एक डॉक्यूमेंट तैयार होगा, जिसके आधार पर वर्तमान में प्रदेश के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित 2700 से अधिक अंग्रेजी माध्यम स्कूलों एवं आगामी दिनों में नए खोले जाने विद्यालयों में इनोवेशन और सुधार की पहल की जाएगी।

कॉन्क्लेव में विशिष्ट शासन सचिव श्रीमती चित्रा गुप्ता ने कहा कि एमजीजीएस के प्रिंसिपल इस प्रकार के जोश और उत्साह से अपना कर्तव्य निभाए कि इन स्कूलों के स्टूडेंट कॅरियर में कुछ बनने के बाद गर्व के साथ यह कहे कि हमारी स्कूलिंग इन विद्यालयों में हुई है। स्कूल शिक्षा निदेशक श्री कानाराम ने कहा कि महात्मा गांधी स्कूलों में शिक्षकों के पदों को शीघ्र भरने और अलग से रूल्स बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इन स्कूलों में 10 हजार शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया अंतिम चरण में है। उप निदेशक श्री रमेश हर्ष ने प्रदेश में एमजीजीएस के समग्र परिदृश्य और आगामी कार्य योजना के बारे में प्रस्तुतीकरण दिया। कॉन्क्लेव में प्रदेश के सभी जिलों में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से एक-एक महात्मा गांधी इंग्लिश स्कूलों के प्रिंसिपल, संयुक्त निदेशक कार्यालयों से उप निदेशक (महात्मा गांधी प्रकोष्ठ), सभी जिलों से जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक के अलावा स्कूल शिक्षा विभाग, माध्यमिक शिक्षा निदेशालय, बीकानेर और राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद के अधिकारियों ने भी शिरकत की।

यूपीए सरकार का मतलब... उत्पीड़न, पक्षपात और अत्याचार- जेपी नड्डा

जे पी नड्डा ने राजस्थान सरकार को फेल कार्ड जारी किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोगों को लूटती है। दलितों, आदिवासियों, महिलाओं पर अत्याचार के सभी रिकॉर्ड टूट गए है। इस सरकार को सत्ता में रहने का अधिकार नहीं है। ये लूट खसोट करने वाली सरकार है। सरकार अत्याचार करती है।

राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 की तैयारियों को लेकर भाजपा ने अभी से कमर कस ली है। भाजपा की कोशिश ही कि इस बार राज्य में कमल खिलाया जाए। इस मकसद को पूरा करने के लिए राजस्थान में भाजपा ने गहलोत सरकार के खिलाफ अभियान की भी शुरुआत कर दी है जिसे नहीं सहेगा राजस्थान नाम दिया गया है। इस अभियान की शुरुआत के साथ ही भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस पार्टी पर भी जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कांग्रेस की यूपीए सराकर पर आरोप लगाया कि सरकार का दूसरा नाम उत्पीड़न, पक्षपात और अत्याचार है। वहीं दूसरी ओर पीएम मोदी की अगुवाई में एनडीए सराकर सबका साथ सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र के साथ काम कर रही है। जेपी नड्डा ने ये बात जयपुर के बीलवा में आयोजित एक रैली के दौरान कही है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी उत्पीड़न, पक्षपात और

अत्याचार करने में सबसे अव्वल पर है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सभी को साथ लेकर सबका विकास करने पर जोर देते है। राजस्थान में कांग्रेस पार्टी पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह यूपीए की सरकार है और यूपीए क्या है... यूपीए में 'यू' का मतलब 'उत्पीड़न', 'पी' का मतलब 'पक्षपात' और 'ए' का मतलब 'अत्याचार' है इसलिए यूपीए की सरकार 'उत्पीड़न, पक्षपात और अत्याचार' करने वाली है।

राज्य में जारी हुआ अभियान : बता दें कि इस जनसभा से पहले जेपी नड्डा ने एक अभियान की भी शुरुआत की है, जिसे 'नहीं सहेगा राजस्थान' नाम दिया गया है। इस अभियान को पूरे राजस्थान में चलाया जाएगा। राज्य में वर्ष के अंत तक चुनाव होने है। जेपी नड्डा ने इस दौरान अभियान जारी किया और इसका एक थीम वीडियो भी जारी किया है। इस थीम वीडियो में बीजेपी ने राज्य में हुई अहम घटनाओं को शामिल किया है जिसमें, महिलाओं के खिलाफ अपराध, उदयपुर के कन्हैया लाल की हत्या, सांप्रदायिक दंगे और अन्य मुद्दों पर प्रकाश डाला गया है।

इस दौरान जेपी नड्डा ने राजस्थान सरकार को फेल कार्ड जारी किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोगों को लूटती है। दलितों, आदिवासियों, महिलाओं पर अत्याचार के सभी रिकॉर्ड टूट गए है। इस सरकार को सत्ता में रहने का अधिकार नहीं है। ये लूट खसोट करने वाली सरकार है। सरकार अत्याचार करती है। राजस्थान सराकर के कारण राज्य में कुशासन आया है। इस सरकार को नवंबर में बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार को बढ़ावा देना और भ्रष्टाचार के नए कीर्तिमान बनाना ही गहलोत सरकार का चरित्र है। नड्डा ने कहा कि 'नहीं सहेगा राजस्थान' अभियान के जरिये भाजपा दो करोड़ लोगों तक पहुंचेगी।

कैम्पा स्टेट स्टीयरिंग कमेटी की बैठक

अफसरों को समुचित एवं समयबद्ध रुप से राशि का उपयोग करने के दिए निर्देश - मुख्य सचिव

मुख्य सचिव श्रीमती उषा शर्मा ने कहा कि क्षतिपूरक वनीकरण कोष प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण के फंड का समुचित एवं समयबद्ध रुप से उपयोग सुनिश्चित किया जाए। श्रीमती शर्मा शुक्रवार को यहां शासन सचिवालय स्थित अपने कक्ष में राजस्थान स्टेट कैम्पा की स्टीयरिंग कमेटी की अध्यक्षता कर रहीं थी। उन्होंने उक्त बैठक में कैम्पा के तीन सूत्री एजेण्डा पर अधिकारियों से विस्तार से चर्चा की। इस मौके पर मुख्य सचिव ने कैम्पा फंड के अंतर्गत जमा, प्राप्ति और खर्च राशि का ब्यौरा लिया। साथ ही उन्होंने वर्ष 2023-24 की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अंतर्विभागीय समन्वय स्थापित कर कैम्पा के कार्यों को सम्पादित करने के अधिकारियों को निर्देश दिए।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव, वन विभाग श्री शिखर अग्रवाल ने कैम्पा से जुड़े विभिन्न बिन्दुओं पर जानकारी देते हुए आश्वस्त किया कि सभी कार्य समयबद्ध रुप से सम्पादित किए जाएंगे। उन्होंने इस सम्बन्ध में प्रदेश में मौजूद संभावनाओं और भावी कार्ययोजना की भी विस्तार से जानकारी दी।

स्टेट कैम्पा की अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक शिखा मेहरा ने बैठक में प्रस्तुतिकरण के माध्यम से

राजस्थान में कैम्पा फंड से करवाए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। बैठक में वन विभाग के पीसीसीएफ श्री मनीष कुमार गर्ग, संयुक्त सचिव श्रीमती मंजू विजय, उप वन संरक्षक श्री अभिषेक शर्मा (कैंपा) भी मौजूद रहे।

पुरुष मित्र के सामने किशोरी से तीन छात्रों ने सामूहिक बलात्कार किया

जोधपुर के सांसद गजेंद्र सिंह शेखावत हर मुद्दे पर ट्वीट करते हैं...ऐसे कई भाजपा नेता हैं जो गैर-मुद्दों को मुद्दा बनाते हैं और रोजाना संवाददाता सम्मेलन करते हैं, लेकिन आपको उनसे पूछना होगा कि वे इस मुद्दे पर चुप क्यों हैं।

अपने पुरुष मित्र के साथ भागी 17 वर्षीय दलित किशोरी के साथ रविवार सुबह जोधपुर में तीन लोगों ने कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार किया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि किशोरी के साथ उसके पुरुष मित्र के सामने सामूहिक बलात्कार करने वाले तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि घटना सुबह करीब 4 बजे पुराने जेएनवी विश्वविद्यालय परिसर के हॉकी ग्राउंड में हुई। अधिकारी ने बताया कि सामूहिक बलात्कार के तीनों आरोपी एक छात्र नेता के लिए चुनाव प्रचार कर रहे थे, जो छात्र संघ चुनाव के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की छात्र इकाई अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से टिकट पाने को प्रयासरत है। हालांकि, एबीवीपी के एक पदाधिकारी ने कहा कि अपराध में शामिल आरोपियों का उससे कोई संबंध नहीं है। जोधपुर, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का गृहनगर है। उन्होंने घटना के बारे में पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा से बात की और उन्हें आरोपियों की सख्त सजा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

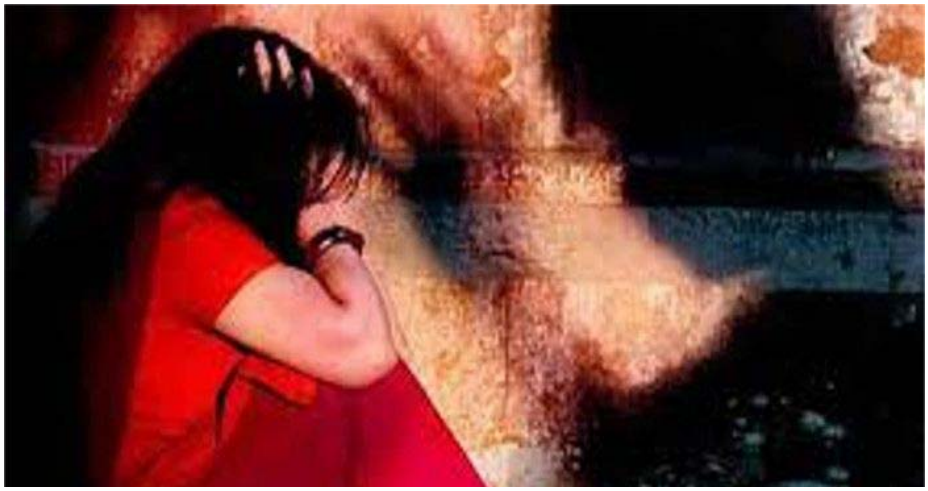

घटना से एक दिन पहले शनिवार शाम मुख्य सचिव उषा शर्मा और पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने जोधपुर में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक की थी। अधिकारी ने बताया कि घटना में शामिल तीन आरोपियों के अलावा, एक गेस्ट हाउस के एक कर्मचारी को भी पीड़िता और उसके पुरुष मित्र के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। वे दोनों (पीड़िता और उसका पुरुष मित्र) ठहरने के लिए गेस्ट हाउस में गए थे, तभी कर्मचारी ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। घटना के बारे में विस्तार से बताते हुए जोधपुर पुलिस उपायुक्त (पूर्व) अमृता दुहान ने बताया कि किशोरी और उसका पुरुष मित्र अजमेर से भाग गए थे। वे दोनों शनिवार रात करीब 10.30 बजे बस से अजमेर से जोधपुर पहुंचे थे और ठहरने के लिए एक गेस्ट हाउस में गए थे, जहां उसके संचालक सुरेश जाट ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। उन्होंने बताया कि इसके बाद किशोरी और उसके पुरुष मित्र वहां से वे पावटा चौराहा गए। जब वे पावटा चौराहे के पास बैठे थे, तभी समंदर सिंह भाटी, धर्मपाल सिंह और भट्टम सिंह (तीनों की उम्र 20-22 वर्ष) नाम के युवक उनके पास आये और दोनों को विश्वास में ले लिया।

करौली हत्याकांड पर कांग्रेस ने कहा-

विरोध तभी उचित है यदि सरकार कार्रवाई करने में विफल रहे...

करौली में एक दलित लड़की की हत्या को लेकर शुक्रवार को सियासी हलचल बढ़ने पर राजस्थान में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने कहा कि इस मामले में विरोध केवल तभी उचित है यदि सरकार कार्रवाई करने में विफल रहती है। टोडाभीम क्षेत्र की रहने वाली पीड़िता का शव करौली जिले में एक कुएं से मिला था। उसका कथित तौर पर अपहरण किया गया, उससे बलात्कार किया गया और हत्या से पहले तेजाब से उस पर हमला किया गया। कांग्रेस की राज्य इकाई के महासचिव आर सी चौधरी ने कहा, ''विपक्ष मामले का राजनीतिकरण करने की कोशिश कर रहा है।'' उन्होंने कहा कि इस मामले में विरोध तभी उचित है यदि सरकार कार्रवाई करने में विफल रहती है। चौधरी ने कहा, राजस्थान में कानून का राज है। दोषियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा और कानून के अनुसार सजा दी जाएगी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं ने हत्या की घटना को लेकर शुक्रवार को यहां विधानसभा के समीप आईबीएस अस्पताल के पास विरोध प्रदर्शन किया और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एसपी) (दक्षिण) भरतलाल मीणा ने बताया कि जब प्रदर्शनकारियों ने अस्पताल के पास अवरोधक को पार करने और विधानसभा की ओर जाने की कोशिश की तो पुलिस ने उन्हें रोक दिया। मीणा ने बताया कि पुलिस के साथ टकराव के दौरान मामूली रूप से घायल हुए कुछ कार्यकर्ताओं को अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि विधानसभा के आसपास के क्षेत्र में आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 144 लागू है। एबीवीपी के राष्ट्रीय सचिव होशियार मीणा ने कहा कि कार्यकर्ता अपना आंदोलन जारी रखेंगे। भाजपा के राज्यसभा सदस्य किरोड़ी लाल मीणा और उनकी पार्टी के अन्य नेता पीड़ित परिवार के सदस्यों के साथ करौली के अस्पताल के बाहर बृहस्पतिवार रात से धरने पर बैठे हैं। वे दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई किए जाने और पीड़ित परिवार को मुआवजा दिए जाने की मांग कर रहे हैं।

कुख्यात अपराधियों की वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से होगी पेशी

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने राज्य के विभिन्न जेलो में बंद कुख्यात अपराधियों की अदालत में पेशी वीडियो कांफ्रेस के माध्यम से करवाने का फैसला किया है। उच्चस्तरीय बैठक में यह फैसला बुधवार को भरतपुर में पेशी पर ले जाये जा रहे दो आरोपियों पर हमले की घटना के बाद किया गया है जिसमें एक की मौत हो गई थी। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बृहस्पतिवार को बताया कि प्रमुख शासन सचिव आनंद कुमार की अध्यक्षता में यहां एक उच्च स्तरीय बैठक हुई। बैठक में सेंट्रल जेल जयपुर में निरुद्ध बंदी कुलदीप सिंह और विजयपाल को पुलिस अभिरक्षा में कोर्ट में पेशी के लिए भरतपुर भिजवाने के दौरान अमोली टोल प्लाजा पर फायरिंग की घटना पर विचार विमर्श किया गया और इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के बारे में आवश्यक दिशानिर्देश जारी किए गए। इन निर्देशों के अनुसार महानिदेशक जेल विभाग, महानिदेशक पुलिस राजस्थान से समन्वय स्थापित कर जिला स्तर पर एक कमेटी गठित करेंगे। गठित कमेटी हार्डकोर बदमाशो, संगठित गिरोह और गंभीर धाराओं में बंद अपराधियों जिन्हें पेशी पर ले जाने के दौरान जानलेवा हमला होने या फिर कानून व्यवस्था बिगड़ने की संभावना हो, उन्हें चिन्हित कर सूची तैयार करेंगे।

निजी विमानों से घूमेंगे मुख्यमंत्री और मंत्री, 40 करोड़ रुपये का प्रविधान

मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव की तैयारी के लिए मुख्यमंत्री के साथ ही मंत्री भी निजी विमानों से प्रदेश का दौरा करेंगे और योजनाओं का जमीनी स्तर पर प्रचार करेंगे। आचार संहिता लगने तक ही मंत्री इन विमानों का उपयोग कर सकेंगे। सरकार ने 12 निजी विमानों के लिए अनुबंध किया है। इसके लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 30 करोड़ रुपये का बजट प्रविधान किया गया था। जिसे बढ़ाकर अब 40 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

इस बजट से विमानन कंपनियों को हवाई यात्रा के लिए भुगतान किया जाएगा। वर्तमान में सरकार के पास कोई बड़ा विमान नहीं है। ऐसे में राज्य सरकार ने अलग-अलग विमानन कंपनियों से अनुबंध किया हुआ है। समय-समय पर इन कंपनियों से निर्धारित किराया भुगतान पर विमान उपयोग में लिया जाता है। बता दें कि राज्य सरकार ने 13 वर्ष में 113 करोड़ 45 लाख 70 हजार 537 रुपये विमानन कंपनियों को किराया भुगतान किया है और अब इस वर्ष भी हवाई यात्रा के लिए किराए का विमान उपयोग में लिया जाएगा।

किराए के विमानों का उपयोग न करने पर भी प्रतिदिन दो घंटे का किराया विमानन कंपनी को भुगतान किया जाएगा। राज्य सरकार एक माह का अनुबंध कर भोपाल एयरपोर्ट पर ही निजी विमान रखती है तथा ऐसे विमान का प्रतिदिन दो घंटे का किराया देना अनिवार्य होता है, भले ही उसका उपयोग न किया जाए।

अब इन कंपनियों से दो से पांच लाख रुपये प्रतिघंटा के हिसाब से किराए के वायुयान लिए जाएंगे। पिछले वित्त वर्ष में आठ निजी कंपनियों से अनुबंध किया गया था। इस बार 12 कंपनियां हैं। ये निजी कंपनियां जेट एवं प्रापुलर विमानों के साथ-साथ हेलीकाप्टर भी उपलब्ध कराएंगी।

किराए पर विमान उपलब्ध कराने के लिए मध्य प्रदेश सरकार ने विमानन कंपनी विलो सिटी चार्टर प्रालि मुंबई, एयरो क्राफ्ट सेल्स एंड चार्टर नई दिल्ली, सारथी एयरवेज नई दिल्ली, सांई एविएशन नासिक, सिंपसैंप एयरवेज मुंबई, ट्रियमफेंट एविएशन नासिक, रेड बर्ड नई दिल्ली, ओएसएच एयर मैनेजमेंट नई दिल्ली, सिद्धि विनायक एविएशन नई दिल्ली, जेट सर्व एविएशन गुरुग्राम, चिपसन एविएशन नई दिल्ली तथा यूनिवर्सल एविएशन नई दिल्ली से अनुबंध किया है।

नरेंद्र सिंह तोमर को भाजपा ने दी बड़ी जिम्मेदारी...

बनाए गए चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक

तोमर ग्वालियर-चंबल क्षेत्र से भी आते हैं जहां 2018 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस से हार के बाद भाजपा अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। इसकी क्षेत्र से ज्योतिरादित्य सिंधिया भी आते हैं। भाजपा ने शनिवार को केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को आगामी मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए अपनी चुनाव प्रबंधन समिति का संयोजक नियुक्त किया है। मध्य प्रदेश को लेकर भाजपा का यह बड़ा दावा माना जा रहा है। एक अनुभवी संगठन नेता, तोमर ने मध्य प्रदेश अध्यक्ष सहित पार्टी में विभिन्न पदों पर काम किया है, और उन्हें एक कम प्रोफ़ाइल वाला नेता माना जाता है, जिनके विभिन्न क्षेत्रीय क्षत्रपों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध हैं।

तोमर ग्वालियर-चंबल क्षेत्र से भी आते हैं जहां 2018 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस से हार के बाद भाजपा अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए लगातार काम

कर रही है। इसकी क्षेत्र से ज्योतिरादित्य सिंधिया भी आते हैं। केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव को हाल ही में मध्य प्रदेश के लिए भाजपा का चुनाव प्रभारी बनाया गया था। भाजपा शासित राज्य में इस साल के अंत में राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम के साथ चुनाव होने की उम्मीद है। नरेंद्र सिंह तोमर को मिली इस जिम्मेदारी के बाद कयासों का दौर शुरू हो गया है। दावा किया जा रहा है कि चुनाव के दौरान दिल्ली ही राज्य में भाजपा का चेहरा रहने वाला है।

गृह मंत्री अमित शाह ने कुछ दिन पहले भोपाल में पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की थी। इसके बाद भाजपा ने इस साल के अंत में होने वाले मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के मद्देनजर एक विशेष अभियान शुरू करने का फैसला किया था। भाजपा की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष वी.डी. शर्मा ने बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों से पहले, शाह ने चुनाव की तैयारियों की गहन समीक्षा करने के बाद मध्य प्रदेश से विजय संकल्प अभियान शुरू करने की घोषणा की है। शाह ने बैठक में मध्य प्रदेश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति की समीक्षा की और चुनावी रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की।

प्रदेश के सचिव राजस्व एवं आयुक्त भू-अभिलेख और 15 जिलों के कलेक्टर्स को मिला 'भूमि सम्मान 2023'

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने प्रदान किये पुरस्कार

राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु ने भूमि प्रबंधन और प्रशासन के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये मध्यप्रदेश के सचिव राजस्व एवं आयुक्त भू-अभिलेख डॉ. संजय गोयल और 15 जिलों के कलेक्टर्स को 'भूमि सम्मान, 2023' प्रदान किया। विज्ञान भवन में केन्द्रीय विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में 9 राज्यों के सचिवों और 68 कलेक्टर्स को पुरस्कार दिए गये। राज्य शासन की ओर से सचिव राजस्व एवं आयुक्त भू-अभिलेख डॉ. संजय गोयल एवं अपर सचिव श्री चंद्रशेखर वालिम्बे ने अपनी टीम के साथ पुरस्कार ग्रहण किया। कार्यक्रम में केन्द्रीय पंचायतराज राज्य मंत्री श्री कपिल मोरेश्वर पाटिल और ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्री फग्गन सिंह कुलस्ते उपस्थित रहे।

डिजिटल इंडिया लैंड रिकॉर्डस आधुनिकीकरण के क्षेत्र में मध्यप्रदेश ने राज्य व जिला दोनों ही श्रेणियों में देश भर में प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह राज्य व केन्द्र सरकार के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है जहाँ शत-प्रतिशत राशि केन्द्र सरकार द्वारा प्रदाय की जाती है, वहीं राज्य सरकारों द्वारा कार्यक्रम का क्रियान्वयन किया जाता है।

प्रदेश के राजस्व एवं परिवहन मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने पुरस्कृत अधिकारियों को इस उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि टीम के रूप में किये गये कार्य के परिणाम भी सुखद ही होते हैं। टीम में सुश्री नमिता खरे, श्री बृजेश नामदेव, श्री मुजीब उद्दीन खिलजी एवं श्री दिगपाल सिंह भी शामिल थे।

कार्यक्रम में आगर मालवा, अलीराजपुर, अनूपपुर, भोपाल, गुना, हरदा, इंदौर, खरगोन, नीमच, सीधी, सिंगरौली, टीकमगढ़, उज्जैन, उमरिया और विदिशा जिलों को सम्मानित किया गया। आगर-मालवा का पुरस्कार संयुक्त कलेक्टर श्री राजेन्द्र सिंह रघुवंशी, अलीराजपुर का अपर कलेक्टर श्रीमती अनुपमा निनामा, अनूपपुर का कलेक्टर श्री आशीष वशिष्ठ, भोपाल का अपर कलेक्टर श्रीमती माया अवस्थी, गुना का कलेक्टर श्री फ्रेंक नोबल ए, हरदा का कलेक्टर श्री ऋषि गर्ग, इंदौर का कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी, खरगोन का डिप्टी कलेक्टर श्री प्रताप कुमार अगासिया, नीमच का अपर कलेक्टर सुश्री नेहा मीणा, सीधी का कलेक्टर श्री साकेत मालवीया, सिंगरौली का डिप्टी कलेक्टर श्री ऋषि पवार, टीकमगढ़ का संयुक्त कलेक्टर श्री संजय कुमार जैन, उज्जैन का कलेक्टर श्री कुमार पुरषोत्तम, उमरिया का भू-अभिलेख अधीक्षक श्री सतीश सोनी और विदिशा का पुरस्कार कलेक्टर श्री उमा शंकर भार्गव ने ग्रहण किया। विजेता जिलों ने डिजिटल इंडिया भू-अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (डीआइएलआरएमपी) के मुख्य घटकों में संतृप्ति हासिल कर शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरा किया है।

22 साल बाद प्रदेश सरकार बदलेगी कर्मचारियों की प्रशिक्षण नीति...

मध्य प्रदेश के अधिकारियों-कर्मचारियों को वर्तमान समय की आवश्यकता के अनुसार प्रशिक्षित करने के लिए सरकार 22 साल बाद प्रशिक्षण नीति बदलेगी। इसके लिए क्षमता निर्माण नीति 2023 तैयार की गई है। इसमें मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में राज्य क्षमता निर्माण परिषद का गठन किया जाएगा। मिशन कर्मयोगी के नाम से दस करोड़ रुपये का बजट रखा जाएगा। प्रस्तावित नीति पर अंतिम निर्णय बुधवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में होने वाली कैबिनेट बैठक में लिया जाएगा। प्रदेश में अधिकारियों-कर्मचारियों के प्रशिक्षण के लिए 11 जुलाई 2001 में प्रशिक्षण नीति लागू की गई थी। केंद्र सरकार वर्ष 2012 में संशोधित नीति लागू कर चुकी है, पर प्रदेश में पुरानी नीति ही चली आ रही है। कानूनों में कई संशोधन हो चुके हैं और नई तकनीकों का उपयोग शासकीय कार्यों में किया जा रहा है।

इसे देखते हुए वर्तमान नीति में संशोधन की आवश्यकता

थी। केंद्र सरकार कर्मचारियों की क्षमता निर्माण के लिए मिशन कर्मयोगी लागू किया है। इसके आधार पर नई नीति तैयार की गई है। इसमें लोक सेवकों के सर्वांगीण विकास पर बल दिया गया है।

नीति के दायरे में प्रथम श्रेणी, संविदा से लेकर चतुर्थ श्रेणी तक के कर्मचारी आएंगे। बड़े पैमाने पर क्षमता निर्माण के कार्यक्रम होंगे। विभिन्न क्षेत्रों की संस्थाओं की सेवाएं ली जाएंगी। प्रत्येक पांच वर्ष में नीति की समीक्षा होगी। प्रत्येक विभाग के वेतन मद में उपलब्ध बजट में से एक प्रतिशत राशि से मिशन कर्मयोगी नाम से बजट शीर्ष बनाया जाएगा, जो दस करोड़ रुपये का होगा। इसके अलावा बैठक में प्रत्येक जिले में एक-एक बालक/बालिका समरसता छात्रावास के भवन निर्माण के लिए 370 करोड़ रुपये की स्वीकृति, स्व-सहायता समूहों से दो करोड़ रुपये से कम उपभोक्ता शुल्क संग्रहण वाले मार्गों का काम देने, आइटी, आइटीइएस एवं ईएसडीएम निवेश प्रोत्साहन नीति एवं योजना 2016 की अवधि नई नीति के प्रभावशील होने तक करने के प्रस्ताव पर निर्णय लिया जाएगा।

बारिश के मौसम में भूलकर भी न करें इन चीजों का सेवन...

मानसून के महीनों में संक्रमण फैलने का खतरा सबसे अधिक होता है। इसलिए इस दौरान पोषण का ध्यान रखना जरुरी है। लेकिन कुछ खाद्य पदार्ध ऐसे हैं, जिनका इस सीजन में सेवन नहीं करना चाहिए। चलिए इन खाद्य पदार्थों के बारे में जानते हैं-

बारिश का मौसम शुरू होते ही गर्मी के तपिश भरे दिनों से राहत मिल जाती है। सिर्फ राहत ही नहीं ये मौसम अपने साथ कई बीमारियां भी लेकर आता है, जो बहुत से लोगों के लिए परेशानी का सबब बन जाती है। मानसून के महीनों में लोग सबसे ज्यादा बीमार होते हैं क्योंकि इस दौरान संक्रमण फैलने का खतरा सबसे अधिक होता है। संक्रमण और बीमार होने से बचने के लिए लोगों को अच्छी डाइट लेने की सलाह दी जाती है। हालाँकि, इसके बावजूद भी लोग बीमार पड़ जाते हैं। ऐसा क्यों? दरअसल, मानसून के महीनों में पोषण का ध्यान रखना जरुरी है। लेकिन कुछ खाद्य पदार्ध ऐसे हैं, जिनका इस सीजन में सेवन नहीं करना चाहिए। चलिए इन खाद्य पदार्थों के बारे में जानते हैं-

स्ट्रीट फ़ूड से करें परहेज- बारिश के मौसम में स्ट्रीट फ़ूड से परहेज करने की सलाह दी जाती है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस मौसम में बारिश के कारण हर तरफ गंदगी हो जाती है, जिसकी वजह से स्ट्रीट फ़ूड प्रदूषित हो जाते हैं। प्रदूषित स्ट्रीट फ़ूड का सेवन करने से पेट ख़राब हो सकता है। गंभीर समस्या की बात करें तो स्ट्रीट फ़ूड फूड पॉइज़निंग का कारण भी बन सकता है।

पत्तेदार सब्जियों का करें संभलकर सेवन- बारिश के मौसम में हरी पत्तेदार सब्जियों को खाते समय लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए। दरअसल, इस मौसम में इन सब्जियों में कीड़ें लग जाते हैं, जिनका सेवन करने से आप बीमार हो सकते हैं। इसके अलावा बारिश के पानी की वजह से ये सब्जियां भी प्रदूषित हो जाती है। इसलिए इनको अच्छे से देखकर और साफ़ कर के ही खाएं।

तली हुई चीजों का कम करें सेवन- मानसून के मौसम में बरसात होते ही लोगों का चार और पकोड़ों का सेवन करने का मन करने लगता है। लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि इस मौसम में तली हुई चीजों का सेवन करने से परहेज करना चाहिए। मानसून में आपका मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है। इसलिए आपको गैस, एसिडिटी, सूजन, मतली, उल्टी, पेट की परेशानी, ऐंठन, कब्ज जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

डेयरी उत्पादों का सेवन करना भी सुरक्षित नहीं- बारिश के मौसम में दूध, पनीर और दही जैसे डेयरी उत्पादों का सेवन करने से परहेज करना चाहिए। दरअसल, इस मौसम में हवा में नमी हो जाती है, जिसकी वजह से डेयरी उत्पादों में बैक्टीरिया ज्यादा विकास होने लगता है और वो ख़राब हो जाते हैं। ख़राब दूध, पनीर जैसी चीजों का सेवन करने से पेट का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

मानसून में त्वचा पर खुजली की हो समस्या तो अपनाएं ये उपाय

बारिश के मौसम में कई तरह की संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। मानसून में डेंगू-मलेरिया समेत कई तरह की त्वचा संबंधी समस्याएं होने लगती हैं। इस मौसम में त्वचा की एलर्जी, कान, नाक और गले की समस्या होना आम बात है। तापमान, हवा की गुणवत्ता, गंदगी और नमी के कारण मानसून में ज्यादातर गर्दन, कोहनी, हाथ, ब्रेस्ट के नीचे, कमर की त्वचा आदि में पसीना आता रहता है। इसके कारण बैक्टीरिया और वायरस पैदा हो जाते हैं। इससे व्यक्ति को एलर्जी, फंगल संक्रमण, इंटरट्रिगो, दाद, खाज, त्वचा पर चकत्ते, गले में खराश, एक्जिमा, सर्दी जुकाम और बुखार जैसी बीमारियां होने की संभावना बढ़ जाती है। त्वचा में नमी के कारण पसीना आने से संक्रमण फैलता हौ और खुजली होने लगती है। ऐसे में अगर आपको भी बारिश के मौसम में खुजली और रैशेज की समस्या हो, तो इन घरेलू उपायों को अपनाकर राहत पा सकते हैं।

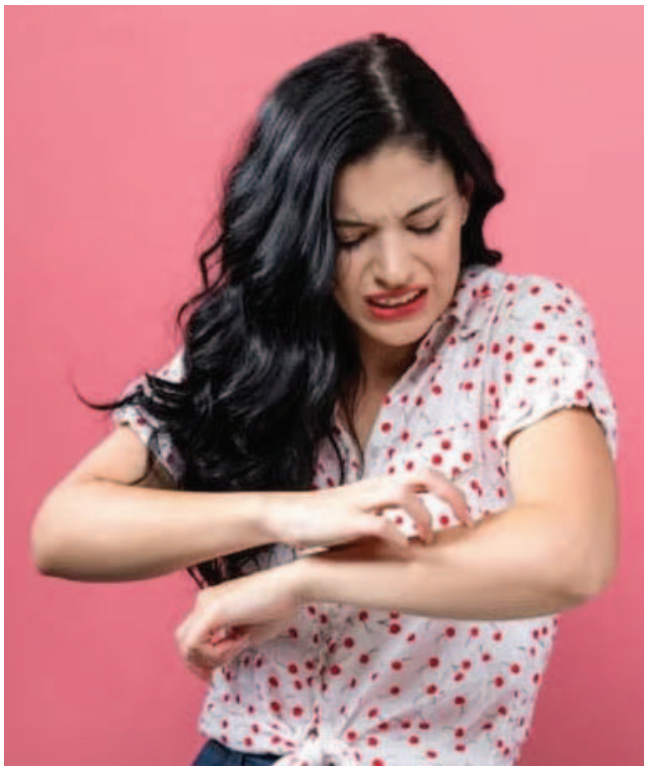

चंदन का लेप

मानसून में अगर त्वचा पर बहुत ज्यादा खुजली हो तो चंदन का लेप स्किन पर लगाएं। त्वचा के लिए चंदन फायदेमंद माना जाता है। ऐसे में बाजार में आपको आसानी से चंदन पाउडर मिल जाएगा। इसमें गुलाब जल मिलाकर खुजली वाली जगहों पर लगाएं। नियमित लगाने से खुजली से राहत मिलती है और त्वचा की रंगत भी निखरती है।

नींबू और बेकिंग सोडा

नींबू त्वचा के लिए लाभकारी है। बारिश में त्वचा पर नमी के कारण खुजली हो रही हो तो दो चम्मच बेकिंग सोडा और एक चम्मच नींबू को मिलाकर त्वचा पर अच्छे से लगा लें। 5-10 मिनट के बाद त्वचा धो लें। ये प्रक्रिया रोजाना एक बार करने से खुजली से छुटकारा मिलता है।

नारियल तेल

नारियल का तेल त्वचा को मॉइस्चराइज करने के साथ ही इंफेक्शन को दूर करता है। नारियल के तेल में एंटी इंफ्लामेशन और एंटी बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद हैं। मानसून में खुजली होने पर प्रभावित जगह पर नारियल का तेल लगाने से खुजली और रैशेज नहीं होते।

नीम

नीम बहुत लाभकारी आयुर्वेदिक औषधि है। त्वचा संबंधी समस्याओं में नीम का उपयोग फायदेमंद है। अगर खुजली की समस्या को दूर करना है, तो नीम की पत्तियों को पीसकर त्वचा पर लगाएं। नीम में मौजूद एंटी बैक्टीरियल गुण खुजली से राहत दिलाते हैं।

सावन में महामृत्युंजय मंत्र का जाप करने से दूर होंगे सारे कष्ट...

भगवान शिव का प्रिय माह सावन शुरू हो गया है। हिंदू धर्म में भगवान भोलेनाथ को सबसे उच्च स्थान प्राप्त है। इसी कारण इन्हें देवों के देव महादेव भी कहते हैं। महादेव के महामृत्युंजय मंत्र से व्यक्ति के सभी कष्ट दूर होते हैं। भगवान शिव को देवों के देव महादेव कहा जाता है। हिंदू धर्म में भगवान भोलेनाथ को सबसे उच्च स्थान प्राप्त है। इन्हें महाकाल भी कहा जाता है। क्योंकि भगवान शिव की कृपा से बड़ा से बड़ा संकट या काल भी किसी व्यक्ति का कुछ नहीं बिगाड़ सकता है। शास्त्रों में भगवान भोलेनाथ के कई ऐसे चमत्कारिक मंत्रों का उल्लेख मिलता है। इन्हीं मंत्रों में एक मंत्र महामृत्युंजय मंत्र भी है। इस मंत्र का जाप कर व्यक्ति रोगमुक्त, भयमुक्त और अकाल मृत्यु से खुद को दूर रख सकता है। इस मंत्र का जाप करने से भगवान शिव काफी प्रसन्न होते हैं। बता दें कि इस मंत्र का वर्णन यजुर्वेद में भी मिलता है। संस्कृत में महामृत्युंजय मंत्र का उल्लेख मृत्यु को जीतने वाला हो। भगवान भोलेनाथ की स्तुति के लिए महामृत्युंजय मंत्र का जाप किया जाता है। शिवपुराण के मुताबिक महामृत्युंजय मंत्र के जाप से संसार के सभी कष्टों से मुक्ति मिलती है। ऐसे में आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए महामृत्युंजय मंत्र का हिंदी अर्थ और इसके महत्व और जाप विधि के बारे में बताने जा रहे हैं।

महामृत्युंजय मंत्र

ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम् ।
उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात् ॥

महामृत्युंजय मंत्र का हिंदी अर्थ

इस मंत्र का हिंदी में अर्थ इस प्रकार से है- कि इस जगत के पालनहार, तीन नेत्रों वाले भगवान शंकर की हम स्तुति करते हैं। पूरे संसार में सुगंध फैलाने वाले भगवान शिव हमें मृत्यु के बंधन से मुक्ति प्रदान करें। जिससे कि हम मोक्ष की प्राप्ति कर सकें।

कब और कैसे करें जाप

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सवा लाख बार इस मंत्र का जाप करना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति इस मंत्र का सवा लाख बार जाप नहीं कर सकता है तो वह 108 बार महामृत्युंजय मंत्र का जाप कर सकता है। सावन के महीने में इस मंत्र का जाप करना बेहद कल्याणकारी माना जाता है। अगर आप सावन के इतर इस मंत्र का जाप करना चाहते हैं तो इसकी शुरूआत सोमवार से करें। इस मंत्र का जाप करने के लिए रुद्राक्ष की माला का प्रयोग करना चाहिए।

महामृत्युंजय मंत्र के फायदे

महामृत्युंजय मंत्र के प्रभाव से व्यक्ति को अकाल मृत्यु का भय नहीं होता है। इस मंत्र के जाप से भगवान शिव-शंकर प्रसन्न होते हैं और जातक को कष्टों से मुक्ति मिलती है। इस मंत्र के जाप से रोगों का नाश होता है। महामृत्युंजय मंत्र का जाप करने से व्यक्ति को धन-धान्य की कमी नहीं होती है।

लड्डू गोपाल को घर में रखने से पहले जान लें ये नियम

लड्डू गोपाल भगवान श्रीकृष्ण का बाल स्वरूप होता है। ऐसे में यदि आप भी अपने घर में लड्डू गोपाल को लाना चाहते हैं, तो इन नियमों का पालन करना जरूरी होता है। लड्डू गोपाल का ख्याल बिलकुल छोटे बच्चे की तरह रखना होता है। हर साल भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार मनाया जाता है। मान्यता के अनुसार, भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर रोहिणी नक्षत्र में भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था। वहीं जन्माष्टमी के मौके पर भगवान श्रीकृष्ण के बालस्वरूप यानी की लड्डू गोपाल की पूजा का विधान है। इस दिन लड्डू गोपाल की पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है। कई लोग अपने घर में लड्डू गोपाल को रखना चाहते हैं। ऐसे में आप जन्माष्टमी के शुभ मौके पर लड्डू गोपाल को अपने घर ला सकते हैं। हालांकि लड्डू गोपाल को घर में रखने पर कुछ विशेष नियमों का ध्यान रखना चाहिए।

नियमित कराएं स्नान

लड्डू गोपाल भगवान श्रीकृष्ण का बाल स्वरूप होता है। ऐसे में उनकी देखभाल बच्चे की तरह करनी चाहिए। लड्डू गोपाल को नियमित रूप से स्नान आदि करना चाहिए। स्नान कराने के लिए आप दूध, दही, शहद, गंगाजल और घी का इस्तेमाल करें। शंख में दूध, दही, गंगाजल और घी डालकर लड्डू गोपाल को स्नान कराना चाहिए।

चार बार लगाएं भोग

जिस तरह से छोटे बच्चे दिन में कई बार खाना खाते हैं। ठीक उसी तरह लड्डू गोपाल को भी दिन में चार बार भोग लगाना चाहिए। श्रीकृष्ण को माखन-मिश्री अतिप्रिय है। इसके अलावा आप खीर, बूंदी के लड्डू और हलवे का भी भोग लगा सकते हैं। आप चाहें तो लड्डू गोपाल को घर में पकने वाले भोजन का भी भोग लगा सकते हैं। इसलिए उन्हें दिन में 4 बार अलग-अलग चीजों का भोग लगाना चाहिए।

रोजाना करें पूजा-अर्चना

लड्डू गोपाल की नियमित रूप से पूजा की जानी चाहिए। उनकी दिन में चार बार आरती उतारना आवश्यक है।

जरूर झुलाएं झूला

लड्डू गोपाल की आरती किए जाने के बाद उन्हें अपने हाथों से भोग लगाएं। इसके बाद उनको लोरी सुनाते हुए झूला झुलाएं। फिर झूले में लगे परदों को बंद कर दें। बता दें कि रात को लड्डू गोपाल को सुलाने के बाद ही सोना चाहिए।

न छोड़ें अकेला

बता दें कि लड्डू गोपाल को घर का सबसे छोटा सदस्य माना जाता है। बाल गोपाल को बच्चे की तरह रखना होता है। इसलिए अगर आप कहीं बाहर जाते हैं। तो इस दौरान लड्डू गोपाल को घर में अकेला न छोड़ें। वहीं अगर आप काफी समय के लिए कहीं बाहर जा रहे हैं तो लड्डू गोपाल को अपने साथ ले जाएं या फिर अपने घर की चाभी पड़ोसी व रिश्तेदार को रखकर जाएं। जिससे की लड्डू गोपाल का पूरा ध्यान रखा जा सके।

भूत-प्रेत भगाने के लिए फेमस ये मंदिर होती हैं अजीबो-गरीब घटनाएं

हमारे देश में कई ऐसे स्थान हैं, जहां पर इंसानी शरीर में भूत-प्रेत की आत्मा और काला साया आने मात्र से भस्म हो जाता है। इन मंदिरों में भूत-प्रेत का मेला लगता है। इन धार्मिक जगहों पर पहुंचते ही भूत-प्रेत इंसानी शरीर को छोड़ देते हैं।

क्या आप भी भूत-प्रेत की बातों पर विश्वास करते हैं, या कभी इनकी उपस्थिति महसूस की है। बता दें कि आपने कई ऐसी जगहें देखी होंगी जहां पर भूत प्रेतों का मेला लगता है। हमारे देश में कई ऐसे स्थान हैं, जहां पर इंसानी शरीर में भूत-प्रेत की आत्मा और काला साया आने मात्र से भस्म हो जाता है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे धार्मिक स्थलों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर भूत-प्रेतों का मेला लगता है और यहां पर आने भर से इंसानी शरीर को यह छोड़कर चले जाते हैं।

जाम सांवली मंदिर

मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले का जाम सांवली मंदिर भूतों को भगाने के लिए फेमस है। बताया जाता है कि यहां पर हर साल लेटे हुए हनुमान जी की मूर्ति थोड़ी-सी बढ़ जाती है। जाम सांवली मंदिर में लोग अपने परिवार के साथ आते हैं, जिन पर भूत-प्रेत का साया होता है। बता दें कि यहां पर आपको कई लोग अजीब सी हरकत करते हुए दिख जाएंगे। इस मंदिर में दूर-दूर से भक्त दर्शन के लिए आते हैं। इस मंदिर को लेकर एक कहानी भी लोगों के बीच प्रचलित है। इस मंदिर में हनुमान जी की मूर्ति पहले खड़ी थी। जिसके नीचे काफी धन छिपा हुआ था। लेकिन उस धन को चोरों से बचाने के लिए वह मूर्ति लेट गए, जिसके बाद इस मूर्ति को कोई भी खड़ी नहीं कर पाया। यहां पर मंदिर के अंदर जाते ही रेलिंग के पास कई लोग नाचते हुए दिख जाते हैं। मानसिक बीमारी और प्रेत-बाधा से पीड़ित लोग इस मंदिर में पहुंचकर ठीक हो जाते हैं। कहा जाता है कि जिस इंसान के अंदर प्रेत बाधा होती है, वह यहां का प्रसाद नहीं खाते है।

मेहंदीपुर बालाजी

मेहंदीपुर बालाजी मंदिर भूत-भगाने के सबसे प्रसिद्ध स्थानों में से एक है। राजस्थान का यह मंदिर काला जादू और भूत-प्रेत को उतारने के लिए बहुत फेमस है। यहां पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं, लेकिन मंगलवार और हनुमान जयंती के दिन मेंहदीपुर बालाजी में बहुत भीड़ होती है। भूत-प्रेत से पीड़ित लोग यहां आकर ठीक हो जाते हैं। बताया जाता है कि इस तरह के लोग खुद को दीवारों या रेलिंग से बांद लेते हैं और तब तक यहां से नहीं हटते जब तक वह बुरी आत्मा के साए से मुक्त नहीं हो जाते हैं।

देवी महाराज मंदिर

मध्यप्रदेश का देवी महराज मंदिर अपने अनोखे रिवाजों के लिए काफी फेमस है। देवी महाराज मंदिर में लोग अपनी हथेली पर जलता हुआ कपूर रखकर बुरी आत्माओं को दूर रखने की प्रार्थना करते हैं। बता दें कि इस मंदिर में हर साल भूतों का मेला लगता है। यहां पर

भूत-प्रेत से पीड़ित लोग अजीब-अजीब हरकत करते दिखते हैं।

हजरत सैयद अली मिरा दातार दरगाह

गुजरात की हजरत सैयद अली मिरा दातार दरगाह भूत-प्रेत भगाने के लिए प्रसिद्ध है। जिन महिलाओं को मानसिक बीमारी हो या फिर किसी भूत-प्रेत के साए का डर हो, वह महिलाएं अधिकतर इस दरगाह पर आती हैं। बता दें कि इस दरगाह पर हर धर्म को मानने वाले आ सकते हैं, इस दरगाह में आपको कई लोग अपने शरीर को चेन और तालों में बांधे हुए दिखेंगे।

निजामुद्दीन दरगाह दिल्ली

दिल्ली के निजामुद्दीन दरगाह में आपको कई ऐसे झाड़-फूंक वाले बाबा मिल जाएंगे जो लोगों के सिर से साया उतारते हैं। यहां पर लोग भारी संख्या में दरगाह पहुंचते हैं और भूत-बाधा उतरावाते हैं। आपने कई फिल्मों में भी ऐसा सीन जरूर देखा होगा।

चंडी देवी मंदिर

उत्तराखंड के चंडी देवी मंदिर में मां का सबसे रौद्र रूप मौजूद है। इस मंदिर में नवरात्रि के मौके पर भूतों का मेला लगता है। यहां आने भर से लोगों के सिर से बुरा साया हट जाता है। चंडी देवी का प्रसाद पाने के लिए हर साल लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। बता दें कि चंडी देवी मंदिर हरिद्वार की ऊंची पहाड़ी पर स्थित है।

दत्तात्रेय मंदिर कर्नाटक

कर्नाटक के गंगापुर में स्थित दत्तात्रेय मंदिर अपने आप में काफी अनोखा है। इस मंदिर में पूर्णिमा के दिन महामंगल आरती होती है। महामंगल आरती सुबह साढ़े 11 बजे शुरू होती है। इस दौरान बुरी आत्माओं से पीड़ित लोग नाचते, चिल्लाते और भगवान को कोसते हुए मिलेंगे।

अटूट आस्था का प्रतीक है 700 वर्ष पुराना गढ़ माता मंदिर...

हिमाचल प्रदेश के खूबसूरत जिलों में शुमार चम्बा जिला अपनी प्राकृतिक खूबसूरती एवं धार्मिक स्थलों के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। जहां हर ओर बिखरी प्राकृतिक छटा लाखों सैलानियों को अपनी ओर आकर्षित करती है, वहीं धार्मिक श्रद्धा भी लाखों लोगों को यहां खींच कर लाती है। जिले में कई ऐसे प्राकृतिक खूबसूरत मनमोहक स्थल मौजूद हैं, जो कहीं न कहीं से इतिहास समेटे हुए हैं। जिला चम्बा के उपमंडल सलूणी की किहार भांदल तेलका घाटी की सुंदर पहाड़ियों के ऊपर चामुंडा मां का एक भव्य मंदिर है, जहां पर हजारों लोग प्रत्येक वर्ष मां के दर्शन कर अपनी मन्नतों को पूरा करते हैं।

मंदिर हिमाचल तथा जम्मू कश्मीर की सीमा पर स्थित है। जिसे चम्बा रियासत के राजा पृथ्वी सिंह द्वारा पृथल जोत पर आज से लगभग 700 वर्ष पूर्व बनवाया गया था। इसलिए गढ़ माता को पृथि जोत के नाम से भी जाना जाता है। कहते हैं कि राजा पृथ्वी सिंह किसी दूसरी रियासत में बंदी थे। तब मां ने स्वप्न में प्रकट होकर कहा कि राजा अगर आप गढ़ नामक स्थान पर मेरा मंदिर स्थापित कर दोगे तो मैं किसी भी तरह से आपको यहां से रिहा करवा दूंगी। राजा ने हामी भर दी। राजा की नींद खुली तो देखा कि जेल के दरवाजे खुले पड़े थे और सभी रक्षक सोए हुए थे। तब राजा वहां से चुपके से निकल आए और सीधा चम्बा की बजाय माता के कहे अनुसार उपमंडल सलूणी की पहाड़ियों पर पहुंच गए।

जब राजा रात को उस स्थान पर रुके तो अचानक आसमान से जोरदार गर्जना के साथ आसमानी बिजली एक शिला पर जा गिरी और शिला फट गई उसमें से माता ने राजा को दर्शन दिए और फिर त्रिशूल रूप में विराजमान हो गईं। तब से यहां का नाम स्थानीय भाषा में 'चोंडी की घोड़ी' अर्थात 'चामुंडा का पत्थर' पड़ा और जिस स्थान पर राजा ने डेरा डाला हुआ था, उस स्थान को 'राजा का डेरा' नाम से जाना जाता है।

इसके बाद राजा ने समस्त क्षेत्रवासियों को बुला कर यहां एक भव्य मंदिर का निर्माण करवाया। इसमें भी बुजुर्गों व अन्य लोगों से सुनने को मिलता है कि राजा ने जब मंदिर का निर्माण करवाया तो मंदिर के लिए पत्थर सियूल नदी से लिया गया और इसमें खास बात थी कि 20 किलोमीटर तक लोगों की लाइनें लगाई गईं। तब जाकर पत्थरों को सियूल नदी से गढ़ माता पहुंचाया गया। फिर मंदिर का भव्य निर्माण हुआ। कहते हैं कि राजा ने मंदिर की रक्षा के लिए कई पहरेदार भी नियुक्त किए जो साल भर यहां पर तैनात रहते थे। जब उनका राशन खत्म हो जाता तो वे धुएं से अपना संदेश चम्बा सियासत के राजा तक पहुंचाते और राजा उनके लिए राशन की व्यवस्था करता था। क्षेत्र में माता के चमत्कार को लेकर कई किंवदंतियां प्रचलित हैं। अब इस मंदिर का निर्माण नए सिरे से किया गया है। यहां प्रत्येक वर्ष आश्विन माह की संक्रांति को 2 दिवसीय जातर मेले का आयोजन होता है। इस दौरान यहां जम्मू से भी काफी श्रद्धालु पहुंचते हैं क्योंकि यह मंदिर जम्मू-कश्मीर और हिमाचल की सीमा पर स्थित है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर में अपनी ताजा फसलों के अलावा दूध-घी का प्रसाद माता को भेंट करते हैं।

पनोगा गांव से इस मेले में जातर लाई जाती है। वहां से माता चामुंडा के चिन्ह भी लाए जाते हैं। इस दौरान माता के सैंकड़ों गुरजी, जिन्हें स्थानीय भाषा में चेले-चेलियां कहा जाता है, नाचते हैं। अब तो कुछ वर्षों से 'चुराही नाटी' का भी आयोजन हो रहा है। यहां कई वर्षों से पनोगा गांव से एक परिवार माता के पुजारी के रूप में माता की सेवा कर रहा है। अब यहां मंदिर समिति का गठन भी हो गया है जिसका संचालन धर्म सिंह पठानिया की देखरेख में किया जाता है।

धार्मिक आस्था के साथ-साथ अद्भुत प्रकृति को समेटे हुए यह स्थान साल भर श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है। समय-समय पर कई लोग अपनी मन्नतें पूर्ण होने पर ढोल-नगाड़ों तथा बैंड-बाजे सहित अपनी हाजरी लगाते हैं और कई लोग अपने बच्चों का मुंडन भी यहां करवाते हैं। इतना ही नहीं, श्रद्धा के साथ-साथ यह स्थान प्रकृति की दृष्टि से भी बहुत खूबसूरत है। मंदिर की समुद्र तल से ऊंचाई करीब 9500 मीटर है।

डल्हौजी और चम्बा से यह क्षेत्र 80 किलोमीटर दूर है, जहां तक सड़क मार्ग से पहुंचा जा सकता है। इससे आगे सड़क नहीं है और लगभग 15 किलोमीटर की दूरी पैदल ही तय करनी पड़ती है। हाल ही में सरकार ने इसे पर्यटक स्थल के रूप में मान्यता दी है, जिससे यहां के स्थानीय लोगों में घर द्वार में रोजगार की आस जगी है। इस स्थल को अगर सही तरीके से पर्यटक के लिए निखारा जाए तो यह पर्यटन मानचित्र पर भी अपनी उपस्थिति दर्ज करवाएगा।

भारत के सबसे अमीर मंदिर.. करोड़ों का आता है दान...

हमारे देश में कई ऐसे मंदिर मौजूद हैं, जिनके पास करोड़ों रुपए के हीरे-जेवरात के अलावा सोने के गहने व रुपए हैं। यह मंदिर लोगों की आस्था के प्रतीक हैं। इस आर्टिकल में हम आपको देश के 5 सबसे अमीर मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं। पुराने समय से भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता है। हालांकि एक समय था, जब हमारे देश को अंग्रेजों ने लूटने में कोई कसर नहीं रखी। लेकिन इसके बाद भी देश में कई ऐसे मंदिर हैं। जिनमें करोड़ों रुपए से लेकर अरबों रुपए तक के सोना, चांदी और हीरे जेवरात रखे हुए हैं। यह मंदिर लोगों की आस्था का प्रतीक हैं। हर साल लाखों की संख्या में पर्यटक मंदिरों में दर्शन के लिए आते हैं। न सिर्फ दर्शन बल्कि भक्त मंदिर में लाखों का सोना और रुपए भी चढ़ाते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको देश के कुछ अमीर मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं।

तिरुपति बालाजी मंदिर

आंध्र प्रदेश के चित्तूर के तिरुमाला पर्वत पर मौजूद तिरुपति बालाजी मंदिर देश के सबसे अमीर मंदिरों में गिना जाता है। यह जगत के पालनहार भगवान विष्णु को समर्पित है। यहां पर भगवान श्री वेंकटेश्वर अपनी पत्नी पद्मावती के साथ निवास करते हैं। यह मंदिर अपने चमत्कारों और रहस्यों के लिए पूरी दुनिया में फेमस है। इस मंदिर में रोजाना करीब लाखों रुपए का चढ़ावा मिलता है। वहीं साल में करीब 650 करोड़ रुपए का दान भक्तों द्वारा किया जाता है। इस मंदिर के पास 9 टन सोना और 14 हजार करोड़ रुपए की एफडी है।

पद्मनाभ स्वामी मंदिर

केरल के त्रिवेंद्रम में स्थित पद्मनाभ स्वामी मंदिर में हर साल लाखों-करोड़ो का चढ़ावा चढ़ता है। इस मंदिर को देश के सबसे अमीर मंदिरों में गिना जाता है। मंदिर के खजाने में हीरे, सोने के गहने और सोना आदि शामिल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंदिर की 6 तिजोरियों में करीब 20 अरब डॉलर की चीजें रखी हुई हैं। इस मंदिर में भगवान विष्णु की मूर्ति सोने से बनाई गई है। इस मूर्ति की अनुमानित कीमत करीब 500 करोड़ के आसपास है।

शिरडी साईं बाबा मंदिर

मुंबई में स्थित शिरडी के साईं मंदिर में हर साल 900 करोड़ का चढ़ावा आता है। कोविड महामारी से पहले इसका रेवेन्यू करीब 800 करोड़ रुपए था। वहीं इस बार मंदिर के राजस्व का रिकॉर्ड टूट गया है। मंदिर परिसर में रखी हुई दान पेटी से 200 करोड़ रुपए सिर्फ नगद निकाले गए हैं। इसके अलावा मंदिर में ऑनलाइन गिफ्ट, ज्वेलरी आदि के तौर पर कुछ न कुछ चढ़ावा आता रहता है। हाल फिलहाल मंदिर कमेटी ने बैंक में 2500 करोड़ रुपए जमा किए थे।

मां वैष्णों देवी

भारत के सबसे फेमस मंदिर में वैष्णों देवी मंदिर का नाम भी शामिल है। न सिर्फ यह मंदिर फेमस है, बल्कि देश के सबसे अमीर मंदिरों में गिना जाता है। बता दें कि इस मंदिर में हर साल करीब 500 करोड़ रुपए का चढ़ावा आता है। जिसके कारण यह मंदिर देश के सबसे अमीर मंदिरों में शामिल हैं। यहां पर हर साल लाखों की संख्या में भक्त दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

सिद्धि विनायक मंदिर, मुंबई

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में भारत का सबसे अमीर मंदिर सिद्धि विनायक मंदिर है। इस मंदिर में न सिर्फ आम भक्त बल्कि बड़े-बड़े सिलेब्रिटी भी दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इस मंदिर में बड़ी मात्रा में चढ़ावा चढ़ाया जाता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि सिद्धि विनायक मंदिर में 3.7 किलोग्राम सोने की कोटिंग की गई है। यह सोना कोलकाता के एक व्यापारी द्वारा दान किया गया था। एक रिपोर्ट के अनुसार, हर साल इस मंदिर में करीब 125 करोड़ रुपए का दान आता है।

प्रेग्नेंसी में गैस और ब्लोटिंग की समस्या से हो गई हैं परेशान आजमाएं ये उपाय

प्रेग्नेंसी के दौरान हर महिला के शरीर में कई बदलाव होते हैं। वहीं महिला को कई तरह की समस्या का भी सामना करना पड़ता है। ऐसे में पेट दर्द, ब्लोटिंग और गैस आदि की समस्या से निजात पाने के लिए आप यह उपाय अपना सकती हैं। प्रेग्नेंसी के दौरान पेट संबंधी कई समस्याएं होती हैं। इस समस्या में पेट में दर्द, ब्लोटिंग और गैस आदि शामिल है। बता दें कि प्रेग्नेंसी के दौरान यह समस्याएं गर्भाशय में दबाव बढ़ने के कारण होता है। ऐसे में महिलाओं का पेट साफ होना बेहद जरूरी होता है। जिससे कि उन्हें कब्ज या पाचन जैसी समस्याएं न हों। आइए जानते हैं कि हेल्थ एक्सपर्ट्स से पेट साफ करने के आसान उपायों के बारे में...

पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं

हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार एक प्रेग्नेंट महिला को कम से कम रोजाना 10 कप पानी पीना चाहिए। दरअसल, पानी भोजन को पचाने में मदद करता है और गैस बनने से रोकता है। अगर आप प्रेग्नेंसी में पर्याप्त मात्रा में पानी पीती हैं। तो इससे आपका शरीर भी हाइड्रेट रहता है। वहीं शरीर के हाइड्रेट रहने से कब्ज की समस्या नहीं होती है और पेट भी साफ रहता है।

फाइबर इनटेक बढ़ाएं

गर्भवती महिला को अपनी डाइट में फाइबर की मात्रा बढ़ा देनी चाहिए। फाइबर का सेवन करने से गैस आदि की समस्या बढ़ सकती है। लेकिन फाइबर कब्ज की समस्या में भी आराम देता है। गैस बनने का एक बड़ा कारण कब्ज भी है। फाइबर मौजूद पानी मल को नर्म करता है और इसे त्यागने में ज्यादा समस्या नहीं होती है। अगर आपने डाइट में फाइबर इनटेक की मात्रा को बढ़ाई है तो फाइबर वाले फूड्स का कम मात्रा में सेवन करें। इसके साथ ही अपने भोजन को अच्छे से चबाकर खाएं। जिससे कि इसे पचने में आसानी हो।

एक्सरसाइज करें

प्रेग्नेंसी में आप एक्सरसाइज की मदद से भी पाचन समस्या से निजात पा सकती हैं। साथ ही कब्ज से भी राहत मिलती है। ऐसे में महिलाओं को रोजाना एक्सरसाइज करनी चाहिए। लेकिन बहुत ज्यादा अपने मन से एक्सरसाइज न करें। आप वॉकिंग और ऐरोबिक एक्रससाइज अपनी डेली लाइफस्टाइल में शामिल कर सकती हैं। अधिक से अधिक खुद को फिजिकली एक्टिव रखें।

कार्बोनेटेड ड्रिंक्स न पिएं

प्रेग्नेंसी में पेट से संबंधित समस्या तब भी हो सकती है, जब आप कार्बोनेटेड ड्रिंक या खास किस्म के शर्बत का सेवन करती हैं। कार्बोनेटेड ड्रिंक और खास किस्म के शरबत में जैसे कोला, सोडा ड्रिंक, एनर्जी ड्रिंक या स्पार्कलिंग वॉटर शामिल हैं। इसके साथ ही कुछ महिलाओं को फ्रुक्टोज आसानी से हजम नहीं होता है। यह एक तरह का शुगर है, जो फलों में पाया जाता है। वहीं कुछ मिठाइयों या डेजर्ट्स में भी इसका उपयोग किया जाता है। ऐसे में इनका सेवन करने से पाचन खराब हो सकता है।

तनाव से दूर रहें

प्रेग्नेंसी के दिनों में तनाव लेना जरा भी सही नहीं है। ऐसे स्ट्रेस लेने से पेट संबंधी समस्या होने लगती हैं। जब प्रेग्नेंट महिला बहुत ज्यादा तनाव लेती है तो कई बार उनकी सांस उखड़ने लगती है। सीने में जलन के अलावा गैस बनने की शिकायत होती है। इसलिए तनाव के स्तर को कम करें। स्ट्रेस के कारण बनने वाली गैस कई बार इरीटेबल बाउल सिंड्रोम का लक्षण भी हो सकती हैं। इस दौरान आपको गैस, क्रैंपिंग, कब्ज, ब्लोटिंग और डायरिया आदि भी हो सकता है।

सैफ चैंपियनशिप का विजेता बना भारत,

वंदे मातरम से गूंज उठा स्टेडियम...

गत चैम्पियन भारत और कुवैत ने आखिरी ग्रुप मैच भी 1-1 से ड्रॉ खेला था। भारत ने दूसरी बार पेनल्टी शूटआउट में जीत दर्ज की है। इससे पहले एक जुलाई को सेमीफाइनल में लेबनान को भी पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराया था। उस मैच में भी संधू ने शूटआउट में जबर्दस्त प्रदर्शन किया था।

सैफ चैंपियनशिप में मेजबान भारत ने कुवैत को पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से मात देकर रिकॉर्ड नौवीं बार इस ट्रॉफी पर कब्जा किया है। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने अपनी हैट्रिक भी पूरी कर ली है। भारत ने अपनी बीते तीन टूर्नामेंट में जीत हासिल की है जिसमें नेशंस कप और इंटरकॉन्टिनेंटल कप शामिल है। जैसे ही भारतीय फुटबॉल टीम ये मुकाबला जीती वैसे ही यहां ऐसा नजारा देखने को मिला वो शायद कोई फुटबॉल फैन और टीम नहीं भुल सकेगी।

ऐसा रहा था मुकाबला : गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने डाइव लगाकर निर्णायक पेनल्टी बचाई और भारत ने मंगलवार को कुवैत को शूटआउट में 5-4 से हराकर नौवीं बार सैफ फुटबॉल चैम्पियनशिप खिताब जीत लिया। दोनों टीमें 120 मिनट के खेल तक 1-1 से बराबरी पर थीं। पेनल्टी शूटआउट के पांच दौर के बाद भी स्कोर 4-4 था जिसके बाद सडन डैथ पर फैसला हुआ। महेश नोरेम ने स्कोर किया और भारत के गोलकीपर गुरप्रीत संधू ने डाइव लगाकर खालिद हाजिया का शॉट बचाकर टीम को जीत दिलाई। निर्धारित समय के भीतर शाबाइब अल खालिदी ने 14वें मिनट में गोल करके कुवैत को बढत दिलाई थी जबकि भारत के लिये बराबरी का गोल लालियांजुआला छांगटेने 39वें मिनट में दागा।

गत चैम्पियन भारत और कुवैत ने आखिरी ग्रुप मैच भी 1-1 से ड्रॉ खेला था। भारत ने दूसरी बार पेनल्टी शूटआउट में जीत दर्ज की है। इससे पहले एक जुलाई को सेमीफाइनल में लेबनान को भी पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराया था। उस मैच में भी संधू ने शूटआउट में जबर्दस्त प्रदर्शन किया था। भारत के लिये कप्तान सुनील छेत्री, संदेश झिंगन, शुभाशीष बोस, छांगटे और महेश ने गोल दागे जबकि उदांता सिंह चूक गए। शूटआउट से पहले कुवैत का दबदबा था जिसने पहले हाफ में कई मौके बनाये। इसका फायदा 14वें मिनट में मिला जब मुबारक अल फानीनी ने बायें विंग से अब्दुल्ला अल ब्लूशी को पास दिया।

अल ब्लूशी ने गेंद अल खालिदी को सौंपी जिसने गोल करके कुवैत को बढत दिलाई। भारत अगले ही मिनट बराबरी कर लेता लेकिन कुवैत के गोलकीपर अब्दुल रहमान ने छांगटे का शॉट बचा लिया। इस साल एफआईएफएफ के सर्वश्रेष्ठ पुरूष खिलाड़ी चुने गए छांगटे ने हालांकि 39वें मिनट में बराबरी का गोल कर दिया। सहल अब्दुल समाद और कप्तान छेत्री के बीच पास के आदान प्रदान के बाद गेंद छांगटे तक पहुंची जिसने विरोधी गोलकीपर को छकाकर गोल दागा। दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने भरसक कोशिश की लेकिन गोल नहीं हो सका। अतिरिक्त समय में कुछ खिलाड़ी चोटिल हुए , कुछ खिलाड़ियों और अधिकारियों को को पीले कार्ड भी मिले लेकिन निर्णायक गोल नहीं हो सका। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट से फैसला हुआ।

गुजरात के आर्यन नेहरा ने एक और राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया

आर्यन ने आठ मिनट 01.81 सेकेंड का समय लेकर इस साल दूसरी बार एशियाई खेलों के क्वालीफाइंग मानक को हासिल किया। रविवार की 400 मीटर फ़्रीस्टाइल स्पर्धा की तरह आर्यन ने एक बार फिर राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक दिल्ली के कुशाग्र रावत को पीछे छोड़ा। हैदराबाद। एशियाई खेलों की तैयारियों में लगे तैराक आर्यन नेहरा ने सोमवार को यहां राष्ट्रीय तैराकी चैंपियनशिप में पुरुषों की 800 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर स्वर्ण पदक जीता। आर्यन ने आठ मिनट 01.81 सेकेंड का समय लेकर इस

साल दूसरी बार एशियाई खेलों के क्वालीफाइंग मानक को हासिल किया। रविवार की 400 मीटर फ़्रीस्टाइल स्पर्धा की तरह आर्यन ने एक बार फिर राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक दिल्ली के कुशाग्र रावत को पीछे छोड़ा। रावत ने 8:09.25 के समय के साथ रजत पदक जीता, जबकि कर्नाटक के अनीश गौड़ा (8:16.92) तीसरे स्थान पर रहे। आर्यन ने अप्रैल में शिकागो में एक प्रतियोगिता में 800 मीटर फ्रीस्टाइल में 8:03.15 का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके एशियाई खेलों में अपनी जगह पक्की कर ली थी।

8 साल बाद काजोल और कृति नेटफ्लिक्स की फिल्म दो पत्ती में साथ आएंगी नजर...

काजोल ने हाल ही में नेटफ्लिक्स की फिल्म लस्ट स्टोरी 2 के साथ एक शानदार कमबैक किया। काजोल ने फिल्म के प्रचार के तहत अपनी सोशल मीडिया पोस्ट डीलिट कर दी जिसके बाद उन्हें ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा। खैर लस्ट स्टोरी को लोग पसंद कर रहे हैं। अब काजोल एक बार फिर से नेटफ्लिक्स पर धमाल मचाने को तैयार है। फिल्म 'दिलवाले' में साथ काम करने के करीब आठ साल बाद काजोल और कृति सेनन अब नेटफ्लिक्स की फिल्म 'दो पत्ती' में साथ नजर आएंगी। 'ओवर द टॉप' (ओटीटी) मंच नेटफ्लिक्स ने बुधवार को यह घोषणा की। फिल्म का निर्माण 'कथा पिक्चर्स' और 'ब्लू बटरफ्लाई' के बैनर तले किया जाएगा। लेखिका कनिका ढिल्लों ने हाल ही में निर्माण कंपनी 'कथा पिक्चर्स' की स्थापना की थी और इस फिल्म के साथ वह निर्माण जगत में कदम रख रही हैं। उन्होंने कहा, ''बतौर निर्माता एक नई शुरुआत करने को उत्सुक हूं।

'दो पत्ती' की कहानी बांधकर रखने वाली और एक लेखिका के तौर पर मेरे दिल के बेहद करीब है।'' नेटफ्लिक्स के अनुसार, फिल्म 'दो पत्ती' उत्तर भारत के पहाड़ों की रहस्य और रोमांच से भरपूर एक मनोरम कहानी है। काजोल ने कहा, '' दो पत्ती की कहानी बेहतरीन है, जो रोमांच तथा रहस्य से भरी है।'' उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी कहानी है, जो न केवल भारत, बल्कि दुनिया भर में लोगों को पसंद आएगी। वहीं कृति सेनन ने कहा कि वह कनिका ढिल्लों के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं, जो बतौर निर्माता अपनी नई पारी की शुरुआत कर रही हैं।

नेटफ्लिक्स का साथ इसे और दिलचस्प बना देता है। उन्होंने कहा, ''काजोल (मैम) हमारी महिला शक्ति में और इजाफा कर रही हैं। करीब आठ साल बाद उनके साथ फिर काम करने को लेकर काफी उत्साहित हूं।'' नेटफ्लिक्स इंडिया के 'कंटेंट' (सामग्री) की उपाध्यक्ष मोनिका शेरगिल ने कहा कि ओटीटी मंच काजोल, सेनन और ढिल्लों के साथ काम करने को लेकर उत्साहित है। 'ओवर द टॉप' (ओटीटी) मंच पर इंटरनेट के माध्यम से फिल्म व अन्य डिजिटल सामग्री (कंटेंट) उपलब्ध कराई जाती है।

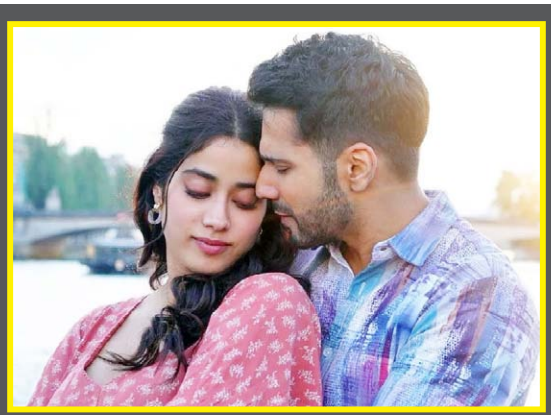

वरुण और जान्हवी की खूबसूरत केमिस्ट्री

वरुण धवन और जान्हवी कपूर की आने वाली फिल्म बवाल का टीजर रिलीज हो गया है। टीज़र दो प्यार करने वालों के बीच चल रहे युद्ध की दुखद प्रेम कहानी का संकेत देता है। टीज़र शेयर करते हुए जान्हवी ने लिखा, "प्यार कभी आसान नहीं होता, कुछ बवाल के लिए तैयार हो जाइए!

हमारा देश हमारा अभिमान मासिक पत्रिका के कानूनी सलाहकार एव ग्वालियर हाईकोर्ट के शासकीय अधिवक्ता अनिल शुक्ला जी सौजन्य भेंट की और हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका में नए दायित्व देने के लिए धन्यवाद दिया ग्वालियर उच्च न्यायलय के वरिष्ठ एडवोकेट दीपेन्द्र पांडे जी ने

हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका के बरिष्ठ संरक्षक श्रीमन नारायण मिश्रा जी से की विशेष भेंट और पत्रिका की कार्य शैली की की सराहना श्री अभिषेक चतुर्वेदी (ऑनर ट्रांसपोर्ट कंपनी)